RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 4 अंक 99
फरीदाबाद, रविवार, 16 मई, 2021
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका
पेज - 12

ANIL GENERATOR
SILENT GENERATOR
on Hire 62 KVA to 1250 KVA
Sale-Purchase of Old Generator
Surendra Kapoor, Prop.
Add.: 20/6, Mathura Road, Nuchem compound Faridabad
Ph. 0129-4873365,
Mob.: 9811056365, 9311056365
Email : anil.kapoor74@yahoo.com
surendra.kapoor@gmail.com

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम 41.08°C
न्यूनतम 28.02°C

कोरोना की पहली लहर के बाद लापरवाह हो गई थी सरकार : भागवत

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में कोरोना के वर्तमान हालात पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि परीक्षा का समय है और हमें पॉजिटिव रहना होगा। भागवत पॉजिटिविटी अनलिमिटेड कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना की पहली लहर के बाद सरकार लापरवाह हो गई थी।

उन्होंने कहा, हमें पॉजिटिव रहना होगा और मौजूदा परिस्थिति में खुद को कोविड नेगेटिव रखने के लिए सावधानियां बरतनी होंगी। वर्तमान परिस्थितियों में तर्कहीन बयान देने से भी बचना चाहिए। यह परीक्षा का समय है, लेकिन हमें एकजुट रहना होगा और एक टीम की तरह कार्य करना होगा। कोविड के वर्तमान हालात पर आरएसएस प्रमुख ने आगे कहा कि सफलता और असफलता अंतिम नहीं है, जारी रखने का साहस मायने रखता है। उन्होंने कहा कि हम इस परिस्थिति का सामना कर रहे हैं क्योंकि सरकार, प्रशासन और जनता, सभी कोविड की पहली लहर के बाद लापरवाह हो गए थे। अब तीसरी लहर की बात हो रही है, लेकिन हमें डरने की नहीं, बल्कि खुद को तैयार करने की जरूरत है।

मानवता के सामने चुनौती है कोरोना

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने आगे कहा कि कोरोना महामारी मानवता के सामने चुनौती है और भारत को मिसाल कायम करनी है। हमें गुण-दोष की चर्चा किए बिना एक टीम के रूप में काम करना है। हम इसे बाद में कर सकते हैं। हम एक टीम के रूप में काम करके और अपने काम को तेज करके इस चुनौती को दूर कर सकते हैं।

वेंटिलेटर का इस्तेमाल नहीं होने पर पीएम हुए नाराज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उच्च स्तरीय बैठक कर कोरोना हालात की समीक्षा की। इस दौरान प्रधानमंत्री कार्यालय के अलावा विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में मोदी ने गांवों में घर-घर जाकर सर्वे और टेस्ट कराने के लिए कहा है। इसके अलावा उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए उपलब्ध कराए गए वेंटिलटरों का इस्तेमाल नहीं होने पर भी नाराजगी भी जताई है।

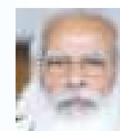

बैठक में अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को देश में कोविड से संबंधित मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री को बताया गया कि देश में परीक्षण तेजी से बढ़ा है, मार्च की शुरुआत में प्रति सप्ताह लगभग 50 लाख परीक्षण से अब प्रति सप्ताह लगभग 1.3 करोड़ परीक्षण हो गए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को धीरे-धीरे घटती टेस्ट पॉजिटिविटी रेट और बढ़ती रिकवरी रेट की जानकारी दी। यह चर्चा की गई कि स्वास्थ्य कर्मियों, राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप अब मामले कम हो रहे हैं।

● विस्तृत खबर पेज-09

दिल्ली-एनसीआर में गरज के साथ बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली एनसीआर में रविवार को हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने और गरज के साथ बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान है। जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि शहर में न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और अधिकतम तापमान 39.3 डिग्री सेल्सियस रहा। रविवार को आसमान साफ रहेगा, लेकिन हल्की बारिश से न्यूनतम तापमान 24 डिग्री रहने का अनुमान है।

क्विक न्यूज

हरियाणा सरकार ने तीन आईएएस बदले

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने तत्काल प्रभाव से तीन आईएएस अधिकारियों के स्थानांतरण एवं नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। शनिवार को सरकारी प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मानवाधिकार आयोग के सचिव वजीर सिंह गोयत को वित्त विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान के निदेशक रवि प्रकाश गुप्ता को निदेशक,पर्यावरण तथा विशेष सचिव,पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन लगाया गया है। हरियाणा प्रशासनिक सुधार प्राधिकरण के निदेशक एवं कॉन्फेड के प्रबंध निदेशक डॉ. आरएस ढिल्लों को स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

बेघर परिवारों की स्थिति से स्तब्ध हूं: राज्यपाल धनखड़

नंदीग्राम। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि वह उन कई परिवारों के हालात को देखकर स्तब्ध हैं, जिन्होंने कथित तौर पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के अत्याचारों का सामना किया और उन्हें बेघर होना पड़ा। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर चुनाव नतीजों के आने के बाद भड़की हिंसा पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। धनखड़ ने आश्चर्य व्यक्त कि क्या मुख्यमंत्री ने चुनाव नतीजों के बाद हुई हिंसा से प्रभावित और पूर्व मेदिनीपुर के नंदीग्राम इलाके के शरणार्थी शिविरों में रह रही महिलाओं और बच्चों का क्रंदन सुना है।

उत्तर प्रदेश में 24 मई तक बढ़ाया गया लॉकडाउन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच योगी सरकार ने 24 मई तक कोरोना कर्फ्यू (लॉकडाउन) बढ़ा दिया है। शनिवार देर शाम लोकभवन में हुई कैबिनेट की बैठक में इस पर फैसला लिया गया है। सरकार रेढ़ी-पटरी वालों को जीवन-यापन के लिए तीन महीने तक एक-एक हजार रुपये देगी। इससे पहले यूपी में 17 मई तक लॉकडाउन बढ़ाया गया था। इस दौरान प्रदेश में सभी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थान बंद रखने के निर्देश दिए गए थे। ऑनलाइन क्लासेज भी संचालित नहीं हो रही हैं। हालांकि, इमरजेंसी सेवाओं, वैक्सीनेशन की प्रक्रिया में छूट बरकरार रहेगी।

मुआवजा देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर कोविड-19 से मरने वाले लोगों के परिजनों को आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 के तहत चार-चार लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश केंद्र और राज्य सरकारों को देने का अनुरोध किया गया है। याचिका में यह भी अनुरोध किया गया है कि अदालत राज्यों को निर्देश दे कि मृत्यु प्रमाण पत्र या अन्य आधिकारिक दस्तावेजों में मौत की वजह कोविड-19 दर्ज की जाए। पिछले सप्ताह यह याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता रीपक कंसल ने बताया कि राज्यों को निर्देश दिया जाए कि वे कोविड-19 मरीजों और उनके परिवार के सदस्यों की देखभाल की जिम्मेदारी पूरी करें।

विज्ञापन के लिए करें संपर्क
Rakesh Kapoor 9582468441

दुनिया को कोरोना जैसी वैश्विक महामारी देने वाला देश ड्रैगन

अमेरिका के बाद मंगल पर चीन ने उतारा अपना रोवर

एजेंसी। बीजिंग

चीन ने शनिवार को अपने पहले रोवर को सफलतापूर्वक मंगल ग्रह पर उतार दिया और इसके साथ ही वह इस तरह की सफलता अर्जित करने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। मंगल ग्रह पर उतरने में अब तक अमेरिका को ही महारत हासिल थी। यात्रा के दौरान नौ मिनट तक भय उत्पन्न करने वाली स्थिति के बाद चीनी रोवर सफलतापूर्वक लाल ग्रह पर उतर गया। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि रोवर झुरोंग का नाम चीन की पौराणिक कथा में वर्णित अग्नि के देवता के नाम पर रखा गया है। यह रोवर मंगल ग्रह पर यूटोपिया प्लैनिशिया में पहले से निर्धारित क्षेत्र में उतरा।

मंगल ग्रह पर पहुंचने वाले रोवर का वजन करीब 240 किलोग्राम है और इसमें छह पहिये तथा चार सौर पैनल लगे हैं। यह प्रति घंटे 200 मीटर तक घूम सकता है। इसमें कैमरा, रडार और मौसम संबंधी मापक यंत्र जैसे वैज्ञानिक उपकरण लगे हैं। बाद में, इसे लैंडर की मदद से मंगल पर जीवन के साक्ष्यों की तलाश में तीन महीने के मिशन पर लगाया जाएगा। पिछले साल 23 जुलाई 2020 को रवाना हुआ चीन का अंतरिक्ष यान तियानवेन-1 अपने साथ एक ऑर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर लेकर गया था। सौर मंडल में और अधिक अन्वेषण के मकसद से एक मिशन में ही ऑर्बिटिंग (कक्षा की परिक्रमा), लैंडिंग और रोविंग पूरा करने के उद्देश्य से मंगल ग्रह पर पहुंचने की दिशा में यह चीन का पहला कदम है। चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (सीएनएसए) ने एक बयान में कहा कि यात्रा के दौरान रोवर नौ मिनट की भय उत्पन्न करने वाली स्थिति के बाद शनिवार को मंगल ग्रह पर सफलतापूर्वक उतर गया।

चीन के समयानुसार 7:18 पर उतरा लैंडर

रोवर को लेकर लैंडर चीन के स्थानीय समयानुसार सुबह 7:18 बजे मंगल के उत्तरी गोलार्ध में विशाल समतल मैदान, यूटोपिया प्लैनिशिया के पूर्व निर्धाति दक्षिणी क्षेत्र में उतरा। सीएनएस के प्रमुख झांग केजियान ने कहा, मंगल पर उतरने के साथ ही तियानवेन-1 मिशन को पूर्ण सफलता मिल गई है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का परसीवरेंस रोवर करीब सात महीने की यात्रा के बाद 18 फरवरी को मंगल ग्रह पर पहुंचा था। इससे पहले अमेरिका, रूस, यूरोपीय संघ तथा भारत को मंगल ग्रह पर अंतरिक्ष यान भेजने में कामयाबी मिल चुकी है, लेकिन भारत का रोवर सतह पर पहुंचने से पहले टकराकर नष्ट हो गया था।

पीएम के पोस्टर चिपकाने पर 17 केस दर्ज, 15 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करने वाले पोस्टर कथित तौर पर चिपकाने के लिए 17 प्राथमिकियां दर्ज कीं और 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि ये पोस्टर शहर के कई हिस्सों में लगाए गए। इनमें लिखा था कि मोदी जी हमारे बच्चों की वैक्सीन विदेश क्यों भेज दी? उन्होंने बताया कि गुरुवार को पुलिस को पोस्टरों के बारे में सूचना मिली जिसके बाद जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। शिकायतों के आधार पर दिल्ली पुलिस ने विभिन्न जिलों में 17 प्राथमिकियां दर्ज कीं।

महाराष्ट्र पर तौकते तूफान का खतरा तटीय गांव वालों को किया शिफ्ट

मुंबई। महाराष्ट्र के दक्षिणी समुद्री तटों पर समुद्री तूफान तौकते का खतरा लगातार बना हुआ है। 18 मई को यह गुजरात के तटवर्ती क्षेत्रों से टकराएगा। मौसम विभाग के मुताबिक, इससे पहले यह महाराष्ट्र के तटीय इलाके जैसे रायगढ़, सिंधुदुर्ग, मुंबई और पालघर समेत कोंकण के कुछ इलाकों को प्रभावित कर सकता है। तूफान के दौरान इन इलाकों में 175 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। तटीय इलाकों में संभावित खतरे को देखते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने विशेष रूप से पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग के तटीय क्षेत्रों के जिला प्रशासन, संभागीय आयुक्तों और जिला कलेक्टरों को सतर्क और चक्रवात को लेकर तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। इन जिलों के तटीय इलाकों में स्थित गांव वालों को भी हटाया जा रहा है। इस बीच यह जानकारी सामने आ रही है कि अलीबाग से मछली पकड़ने के लिए गई 15 नावें अभी भी समुद्र में ही हैं। हालांकि तूफान के खतरे को देखते हुए शुक्रवार को ही सभी नावों को लौटने का निर्देश दिया गया था।

● विस्तृत खबर पेज-09

नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन लगे 90 फीसदी कोविड मरीज ठीक हुए

एजेंसी। भोपाल

ऐसे 90 फीसदी कोविड मरीज जिन्हें नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन लगाया गया था, अब फेफड़े के संक्रमण से उबर चुके हैं। मध्यप्रदेश पुलिस की जांच में यह जानकारी सामने आई है। बता दें कि इन मरीजों को गुजरात के एक गिरोह की ओर से सप्लाई किए गए नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन लगा दिए गए थे।

पुलिस अधिकारी जांच के दौरान असली इंजेक्शन लेने वालों की तुलना में नकली इंजेक्शन लेने वाले मरीजों की जीवन दर (सर्वाइवल रेट) देखकर हैरान रह गए। पुलिस ने कहा, हम चिकित्सा विशेषज्ञ नहीं हैं, लेकिन चिकित्सकों को यह देखना चाहिए। नकली इंजेक्शन में केवल ग्लूकोज-साल्ट का मिश्रण होता है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, इंदौर में 10 मरीजों की मौत हुई है जिन्हें नकली इंजेक्शन लगाए गए थे। जबकि ऐसे 100 से ज्यादा मरीज अभी भी जीवित हैं।

नकली इंजेक्शन में ग्लूकोज-साल्ट का होता है मिश्रण

एनटीपीसी ने कोविड केंद्रों में 500 ऑक्सीजन बेड जोड़े

नई दिल्ली। राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड (एनटीपीसी) ने कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में अपना भरपूर योगदान देते हुए देशभर के विभिन्न कोविड देखभाल केंद्रों में 500 से अधिक ऑक्सीजन समर्थित बेड और 1100 आइसोलेशन बेड जोड़े हैं। एनटीपीसी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसने बदरपुर, नोएडा और दादरी के कोविड देखभाल केंद्रों में 200 ऑक्सीजन समर्थित और 140 आइसोलेशन बेड लगाए हैं।

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर ने भारत को सहायता दी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर बिल डे ब्लासियो ने कोविड-19 की दूसरी लहर का सामना कर रहे भारत को जांच किट, वेंटिलेटर, पल्स ऑक्सीमीटर और अन्य महत्वपूर्ण चिकित्सा सहायता भेजने की घोषणा की है। ब्लासियो ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क शहर की आधिकारिक वेबसाइट पर एक बयान में कहा कि ठीक एक साल पहले न्यूयॉर्क सिटी वैश्विक महामारी का केंद्र था। उन्होंने कहा, अब संकट की इस घड़ी में भारत को मदद भेजने की हमारी बारी है। यह स्पष्ट संदेश देने के लिए हम भारत को महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण भेज रहे हैं कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में कोई भी अकेला नहीं है। साथ मिलकर, हम जिंदगियां बचा सकते हैं और महामारी को शिकस्त दे सकते हैं।

हिमाचल में 26 मई तक बढ़ा कोरोना कर्फ्यू

शिमला। हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में शनिवार को अहम निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में प्रदेश में लागू कोरोना कर्फ्यू को 26 मई सुबह 6 बजे तक बढ़ाया गया है। इससे पहले कोरोना कर्फ्यू 17 मई सुबह 6 बजे तक लगाया गया था। कैबिनेट ने फैसला लिया कि सप्ताह में अब तीन घंटे के लिए दो दिन मंगलवार और शुक्रवार को हार्डवेयर की दुकानें खुली रहेंगी।

देश में पिछले 6 दिनों में पॉजिटिविटी रेट 5.6 फीसद घटा

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामले घटने लगे हैं। रोजाना केस के साथ पॉजिटिविटी रेट में भी कमी देखी जा रही है। पिछले 6 दिनों में पॉजिटिविटी रेट में 5.6 फीसद की गिरावट दर्ज की गई। 9 मई को पॉजिटिविटी रेट 24.9 फीसद थी।

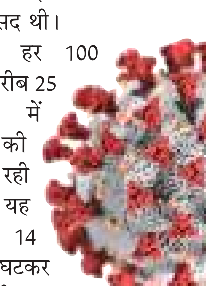

यानी हर 100 टेस्ट में करीब 25 लोगों में कोरोना की पुष्टि हो रही थी। यह आंकड़ा 14 मई को घटकर 19.3 फीसद रह गया। यानी अब हर 100 टेस्ट में 19 या 20 संक्रमित ही मिल रहे हैं। वहीं, रोजाना केसों में भी 11 फीसद तक की कमी देखी गई। 9 मई को देश में 3.66 लाख संक्रमित मिले थे, यह आंकड़ा 14 मई को 40 हजार घटकर 3.26 लाख पर आ गया।

हत्या में पहलवान सुशील के खिलाफ गैर जमानती वारंट

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में हुए युवा पहलवान सागर राणा हत्याकांड में फरार चल रहे दो बार के ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। वहीं सूत्रों का कहना है कि कानूनी सलाह लेने के बाद सुशील जल्द ही मामले में अग्रिम जमानत की याचिका दायर कर सकता है। सुशील को अच्छी तरह पता है कि पुलिस के पास उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। इसलिए सुशील अपने बचाव में हर संभव प्रयास कर रहा है।

मामले की छानबीन कर रहे एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि छत्रसाल स्टेडियम में हुए झगड़े के बाद पुलिस की टीम को उम्मीद थी कि सुशील पुलिस की पूछताछ में शामिल हो जाएगा। ऐसा होता तो शायद सुशील की मुश्किलें कम होती। लेकिन भागकर सुशील ने अपनी मुश्किलें बढ़ा ली हैं। पुलिस ने सुशील के खिलाफ घायल अमित, सोनू, रविंद्र और भगत सिंह के बयान दर्ज किए हैं। सभी ने सुशील व उसके बाकी पहलवानों के खिलाफ बयान दिए हैं। वहीं प्रिंस दलाल के मोबाइल से मिली वीडियो फुटेज भी सुशील के खिलाफ अहम सबूत है। ऐसे में सुशील और उसके साथियों के खिलाफ शिकंजा सख्त होता जा रहा है।

पीएम-केयर्स फंड से चिकित्सीय संयंत्र स्थापित करने को अर्जी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर करके महामारी से प्रभावित देश के लिए विभिन्न राहत उपायों का अनुरोध किया गया है, जिसमें पीएम-केयर्स फंड के तहत मिले प्राप्त दान का उपयोग करके कोविड-19 टीकों की तत्काल खरीद और 738 जिलों में से प्रत्येक में तरल चिकित्सकीय ऑक्सीजन संयंत्र की स्थापना करना शामिल है। याचिकाकर्ता ने याचिका में केंद्र, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पीएम-केयर्स फंड और सभी राज्यों को पक्षकार बनाया है।

कृषि कानूनों का विरोध कर रहे 40 किसान संघ प्रदर्शन के छह महीने पूरे होने पर 26 मई को मनाएंगे 'काला दिवस'

नई दिल्ली। कृषि कानूनों का विरोध कर रहे 40 किसान संघों के प्रधान संगठन संयुक्त किसान मोर्चा ने शनिवार को कहा कि दिल्ली की सीमाओं पर चल रहे प्रदर्शन के छह माह होने पर 26 मई को 'काला दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

डिजिटल तरीके से संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने केंद्र के कृषि कानूनों के विरोध में लोगों से 26 मई को अपने घरों, वाहनों, दुकानों पर काला झंडा लगाने की अपील की है। राजेवाल ने कहा कि 26 मई को इस प्रदर्शन के छह महीने हो जाएंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकार बनाने के सात साल पूरे होने के अवसर पर यह हो रहा है। हम इसे काला दिवस के तौर पर मनाएंगे। बता दें कि केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ 'दिल्ली चलो' मार्च के तहत पानी की बौछारों और अवरोधकों का सामना करते हुए बड़ी संख्या में किसान 26 नवंबर को दिल्ली की सीमाओं पर आए थे।

चित्रकूट जेल शूटआउट में तीनों हिस्ट्रीशीटर्स का हुआ पोस्टमॉर्टम

लखनऊ। चित्रकूट जेल में हुए गैंगवार में मारे गए पश्चिमी यूपी के गैंगस्टर मुकीम उर्फ काला को अंशु दीक्षित ने 9 एमएम पिस्टल से 13 गोलियां मारी थीं। इससे उसका शरीर छलनी हो गया था। इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुआ है।

अंशु ने मुख्तार के करीबी मेराज को तीन गोली मारने के बाद मुकीम पर अंधाधुंध फायरिंग की थी। पुलिस ने शुक्रवार रात ही मेराज के शव का पोस्टमार्टम करवाया। उसके सिर में एक और सीने में दो गोलियों के निशान मिले, लेकिन शनिवार को मुकीम और अंशु की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई वह जेल में करीब डेढ़ घंटे चले खूनी खेल की तस्वीर पेश करने वाली है। मुकीम का बदन गोलियों से छलनी हो चुका था। उसके शरीर मे 13 फायर आर्म इंजरी और करीब 5 बुलेट धंसे मिले। अंशु के शरीर में करीब 20 फायर आर्म इंजरी मिलीं, वह पुलिस की गोलियों से मारा गया। देर शाम चित्रकूट के जेल अधीक्षक एसपी त्रिपाठी, जेलर महेंद्र पाल समेत पांच कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। जेल डिपार्टमेंट में बड़े फेरबदल भी हुए हैं।

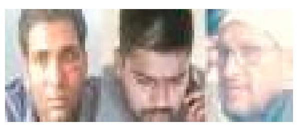

सरकार का फैसला

हरियाणा में ब्लैक फंगस अधिसूचित बीमारी घोषित

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने ब्लैक फंगस को नोटिफाइड डिजीज (अधिसूचित रोग) घोषित कर दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने ट्वीट करके यह जानकारी दी। क्योंकि प्रदेश में ब्लैक फंगस के कई मामले सामने आ चुके हैं और अब नए मामले मिलने पर डॉक्टर जिले के सीएमओ को रिपोर्ट करेंगे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा में 10.4 प्रतिशत लोग शुगर के मरीज हैं यानी 2.86 करोड़ की आबादी में 30 लाख 30 हजार लोगों पर ब्लैक फंगस का खतरा मंडरा रहा है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और अन्य हेल्थ विशेषज्ञ यह कह चुके हैं, जो शुगर के मरीज हैं, उन पर ब्लैक फंगस का खतरा सबसे अधिक है। क्योंकि शुगर के मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर रहती है। प्रदेश में अभी 50 से ज्यादा केस सामने आए हैं। इनमें 27 मरीज रोहतक पीजीआई में पहुंचे हैं। 6 हिसार के अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। गुरुग्राम में भी एक निजी अस्पताल में 10 मरीज भर्ती हो चुके हैं।

भारत बायोटैक से इलाज का पैसा नहीं लेंगे विज

हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने वैक्सीन निर्माता कंपनी भारत बायोटैक से इलाज का खर्च लेने से इनकार कर दिया है। कंपनी ने विज के वैक्सीन लगवाए जाने के बाद भी पॉजिटिव होने पर पीजीआई रोहतक को इलाज खर्च की अदायगी करने का प्रस्ताव भेजा है। भारत बायोटैक ने जब कोरोना वैक्सीन का ट्रायल शुरू किया तो विज ऐसे पहले स्वास्थ्य मंत्री थे, जिन्होंने अपनी बॉडी पर ट्रायल करवाया। इंजेक्शन लगने के कुछ दिन बाद ही वह कोरोना पॉजिटिव हो गए। वह पहले अंबाला कैंट, फिर पीजीआई रोहतक और बाद में गुरुग्राम के मेदांता में दाखिल रहे। अब भारत बायोटैक ने विज के उपचार पर लगे पूरे खर्चे की भरपाई का निर्णय लिया है। कंपनी का तर्क है कि ट्रायल फेल होने के कारण इलाज खर्च की राशि उनके द्वारा अदा की जाएगी। पीजीआई रोहतक में वैक्सीनेशन की नोडल अधिकारी सविता वर्मा के पास भारत बायोटैक के अधिकारियों ने यह प्रस्ताव भेजा है। सविता वर्मा ने शनिवार को इस बारे में स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज से बात की तो गृहमंत्री ने कंपनी से किसी भी तरह का खर्चा लेने से इनकार कर दिया।

Good Morning!

फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, रविवार, 16 मई, 2021 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

शहर का तापमान

- अधिकतम 41.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 28.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- सेक्टर-50 सामुदायिक भवन डबुआ कॉलोनी में मिशन जागृति द्वारा रक्तदान शिविर सुबह 9 बजे।
- सभी जरूरी दुकानें सुबह 8 से दोपहर एक बजे तक और शाम को 6 से 8 रहेंगी खुली।
- बीके अस्पताल में कोरोना जांच सुबह 8 बजे से शुरू।
- बीके अस्पताल की ओपीडी सुबह 8 से 11 बजे तक।

निवेश गुरु

कोरोना संकट में वेतन कटौती के बीच अपने वित्तीय लक्ष्य को हासिल करना बेहद चुनौतीपूर्ण बना दिया है। एक तरफ कम आय में जरूरी खर्चों को पूरा करने और दूसरी ओर निवेश को बीच में बंद किए बिना उसे जारी रखने की चुनौती है। अब तक निवशकों को पोर्टफोलियो में 60 प्रतिशत इक्विटी और 40 फीसदी डेट रखने की सलाह दी जाती है। हालांकि, कोरोना संकट में निवेश के पोर्टफोलियो के लिए परंपरागत नियम ज्यादा फायदेमंद नहीं रह गए हैं। साथ ही युवा निवेशकों के लिए भी यह कारगर नहीं है।

यूटीलिटी न्यूज

मंडियों में ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

फरीदाबाद। जिलाधीश यशपाल ने रबी सीजन के दौरान मंडियों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। जो अधिकारी ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं उनमें दिनेश कुमार, नायब तहसीलदार, दयालपुर को मोहना मंडी में, ओम दत्त, कार्यकारी अभियंता, एमसी को ओल्ड फरीदाबाद मंडी में, कन्हैया लाल, नायब तहसीलदार, बल्लभगढ़ को - बल्लभगढ़ मंडी में, अजीत सिंह, एक्सईएन, एचएसवीपी को - तिगांव मंडी में, यशवंत सिंह, नायब तहसीलदार, बड़खल को एनआईटी मंडी में ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

क्विक न्यूज

नाबालिग लड़की से रेप का आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा निर्देश पर कार्य करते हुए महिला थाना एनआईटी और सारन थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए नाबालिग लड़की से रेप के आरोपी को हाथरस यूपी से गिरफ्तार किया है। आपको बताते चलें कि 11 मई 2021 को सारन थाना एरिया में रहने वाली एक 17 वर्षीय लड़की से आरोपी बलात्कार की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया था। मामला थाना एनआईटी में दर्ज किया गया था। विशेष सूत्रों से मिली सूचना और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से महिला थाना एनआईटी और सारण पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए आरोपी को हाथरस यूपी से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान रोमी निवासी एनआईटी फरीदाबाद के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

एंटीसेप्टिक लिक्विड और सैनिटाइजर भेंट किए

फरीदाबाद। वैश्विक महामारी कोरोना से लड़ने के लिए डाबर इंडिया कंपनी ने एंटीसेप्टिक लिक्विड और सैनिटाइजर पुलिस आयुक्त कार्यालय में एसीपी अशोक कुमार को भेंट किए। ये सैनिटाइजर और एंटीसेप्टिक लिक्विड पुलिसकर्मियों को दिए जाएंगे। डाबर इंडिया कंपनी के अधिकारी ने बताया कि सीआरएस के तहत कंपनी द्वारा पूरे देश में कोरोना वॉरियर को महामारी से लड़ने में सहायक एंटीसेप्टिक लिक्विड और सैनिटाइजर भेंट किए गए हैं। इसी कड़ी में फरीदाबाद पुलिस आयुक्त कार्यालय में एसीपी अशोक कुमार को यह सामान भेंट किया गया है। आगामी कुछ दिनों में यह सामान फरीदाबाद में नाकों पर तैनात कर्मचारियों, थाने व चौकियों में कार्यरत स्टाफ को दिया जाएगा। डाबर इंडिया कंपनी के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए एसीपी अशोक कुमार ने बताया कि इस वैश्विक महामारी में जहां हर कोई अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए हर तरह के सुरक्षा उपाय व घरों में कैद हैं।

मेडिकल कॉलेज के बाद :

मजदूरों की कमाई से चल रहीं डिस्पेंसरियों को भी बंद करने के आदेश

डिस्पेंसरियों को बंद कर स्टाफ को कोविड अस्पताल में तैनात करने के आदेश

राजेश दास। फरीदाबाद

औद्योगिक इकाइयों में काम करने वाले मजदूरों के खून-पसीने की कमाई से बनाए गए ईएसआई मेडिकल कॉलेज और प्रदेश के अन्य बड़े ईएसआई अस्पतालों को पहले ही सरकार ने कोविड अस्पतालों में तब्दील कर दिया है। जिसके कारण कार्ड धारक मजदूर और उनके परिवार के लोग पहले ही इलाज को तरस रहे हैं।

अब सरकार ने प्रदेश की सभी डिस्पेंसरियों को बंद करने के आदेश जारी किये हैं। ऐसे में मजदूर और उनके परिजन इलाज के लिए बुरी तरह तरस जाएंगे। सरकार ने इन डिस्पेंसरियों में तैनात डॉक्टर, फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स और लैब टेक्नीशियन को हिसार और पानीपत में बनाए जा रहे 500-500 बेड के कोरोना अस्पतालों में स्थानांतरित करने का फरमान सुनाया है। वहीं प्रदेश के 24 लाख कार्ड धारक मजदूर और इससे करीब दोगुनी संख्या में उनके परिजनों के इलाज के लिए हर जिले में दो-दो डिस्पेंसरियों को चालू रखने के आदेश दिये हैं। सिर्फ दो डिस्पेंसरियों में इलाज की सुविधा मिलने से इनमें भारी भीड़ जुटने की सम्भावना है। ऐसे में कोरोना यदि बेकाबू हो गया तो भारी संख्या में लोगों की जान को खतरा उत्पन्न हो जाएगा। सरकार के फैसले के खिलाफ ईएसआई रीजनल बोर्ड के सदस्य एवं प्रदेश एटक के महासचिव बेचू गिरी ने फैसले को तुरंत प्रभाव से वापस लेने की मांग की है।

भुगतान के बाद भी इलाज नहीं

ईएसआई की सभी सुविधाएं पहले भुगतान पर आधारित है। मजदूरों द्वारा अपने वेतन का कुल चार प्रतिशत अंशदान ईएसआईसी को लगातार दिया जा रहा है। फरीदाबाद जिले में पांच लाख से ज्यादा बीमांकित मजदूर है। प्रत्येक मजदूर के दो दो सदस्यों को इसमें जोड़ लिया जाए तो संख्या करीब 15 लाख हो जाती है। इनमें करीब 20 हजार से ज्यादा मजदूर व उनके परिजन दमा, बीपी, शुगर, हृदय रोग, मिर्गी, लकवा और कई तरह की पुरानी बीमारियों से पीड़ित हैं। यह लोग हरे कार्ड पर डिस्पेंसरी जाकर एक महीने की दवा लेते हैं। दवा डिस्पेंसरी में उपलब्ध न होने पर स्थानीय दुकानदार से दवा खरीदकर बिल डिस्पेंसरी में जमा करा देते हैं। जिसका पैसा उन्हें महीने दो महीने में मिल जाता है। इसके बाद आगे की खरीदारी का क्रम चलता है। डिस्पेंसरियां बंद होने से इन्हें इलाज और अन्य सुविधाएं मिलनी बंद हो जाएंगी। ऐसे में मजदूरों को अपनी खून पसीने की कमाई से भुगतान करने के बाद भी उन्हें इलाज जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित किया जा रहा है। यदि कोई दुकानदान पैसे लेने के बाद सामान न तो उसके खिलाफ खिलाफ कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है।

मजदूरों पर ही जोर क्यों

पानीपत और हिसार में शुरू होने वाले 500-500 बेड के कोविड केयर अस्पतालों को शुरू करने के लिए ईएसआईसी हेल्थ केयर हरियाणा प्रदेश की ईएसआई डिस्पेंसरियों में कार्यरत 136 डॉक्टर, 88 फार्मासिस्ट, 40 स्टाफ नर्स, 17 लैब टेक्नीशियन और अन्य स्टाफ को वहां डेपूटेशन पर स्थानांतरित करने के आदेश दिये हैं। इसके बदले में सरकार ने दो-दो डिस्पेंसरियों को चालू रखने का फैसला लिया है। प्रत्येक डिस्पेंसरियों में हर रोज सैकड़ों की संख्या मरीज इलाज के लिए आते हैं। ऐसे में सिर्फ दो डिस्पेंसरियों पर फरीदाबाद के करीब 15 लाख लोगों के इलाज की जिम्मेदारी आ गई तो स्थिति बद से बदतर हो जाएगी। वहीं दो डिस्पेंसरियों में मरीजों की भारी भीड़ जुटने से कोरोना के फैलने का खतरा और बढ़ जाएगा। यदि कोरोना मजदूर वर्ग तक पहुंच गया तो स्थिति खराब हो जाएगी। मजदूर नेताओं का कहना है कि सरकार कोरोनाकाल में सिर्फ मजदूरों की सुविधाओं पर ही क्यों कटौती कर रही है। सरकार चाहे तो निजी अस्पतालों और निजी तौर पर प्रेक्टिस कर रहे डाक्टरों को अच्छा वेतन देकर कोविड केयर सेंटरों में तैनात कर सकती है। जिससे मजदूरों को सुविधाएं भी मिलती रहेंगी और स्थिति भी बेकाबू नहीं होगी।

पहले ही हक पर डाका

कोरोना महामारी के प्रकोप को देखते हुए गतवर्ष की तरह इस बार भी सरकार ने एनएच तीन स्थिति ईएसआई मेडिकल कॉलेज को कोविड केयर सेंटर में तब्दील कर दिया है। इसके अलावा गुरुग्राम, सेक्टर 9 ईएसआई अस्पताल, भिवानी, पानीपत, यमुनानगर आदि अस्पतालों को सरकार ने कोविड अस्पताल घोषित किया है। फरीदाबाद के एक मात्र ईएसआई मेडिकल कॉलेज में इलाज की अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं, लेकिन कोविड अस्पताल घोषित होने के बाद यहां मजदूरों और उनके परिजनों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। मेडिकल कॉलेज में मजदूर वर्ग के सिर्फ नाम मात्र के मरीज ही दाखिल हैं।

शेष मरीज बाहरी लोग हैं। मजदूर नेता पहले भी यहां मजदूरों और उनके परिवारों के लिए बेड आरक्षित करने की मांग कर चुके हैं, लेकिन इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। मेडिकल कॉलेज में फिलहाल साधारण मरीजों को कम और सिफारिशी लोगों को पहले दाखिला दिया जा रहा है। ऐसे में कोविड की चपेट में आने पर मजदूरों और इनके परिजनों को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है। अब डिस्पेंसरियां बंद हो जाने से मजदूर और उनके परिजनों की हालत बद से बदतर हो जाएगी।

आदेश वापस ले सरकार

एटक के प्रदेश महासचिव एवं ईएसआई रीजनल बोर्ड के सदस्य बेचू गिरी ने कहा कि सरकार कोविड काल में लगातार मजदूरों के हक में सेंध लगाने का काम कर रही है। जबकि कोरोना से निपटने के लिए सरकार के पास अनेक विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने सरकार से इस आदेश को तुरंत वापस लेने, डिस्पेंसरियों को नियमित रूप से चालू रखने, हिसार और पानीपत के कोविड केयर सेंटर को निजी अस्पतालों और निजी प्रैक्टिसनरों की मदद से चलाने की मांग की है।

सीमित समय में सभी दुकानें खोलने को मिले अनुमति

व्यापारियों ने बैठक में सीएम खट्टर, केंद्रीय मंत्री गुर्जर, गृहमंत्री विज और परिवहन मंत्री से मांग की

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तमाम फरीदाबाद व्यापार मंडल के सभी प्रधान ने बैठक का आयोजन किया। जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल एवं केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, गृहमंत्री अनिल विज, परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा और जिला उपायुक्त से मांग की है कि लॉकडाऊन की इस अवधि में एक सीमित समय के लिए सभी दुकानों को खोलने की अनुमति दी जानी चाहिए। जिससे दुकानदारों का नुकसान न हो। फरीदाबाद मार्केट एसोसिएशन के सभी प्रधानों ने बताया कि लॉकडाउन की नई गाइड लाइन में बहुत सी दुकानों को सीमित समय के लिए खोलने की अनुमति प्रदान की गई है अगर फरीदाबाद की सभी मार्केट को सीमित समय के लिए अनुमति मिलनी चाहिए।

जिले के सभी व्यापारियों की मांग है कि दुकानें आठ बजे से शाम पांच बजे तक खुलनी चाहिए। जिससे सभी दुकानदारों और लोगों को भी राहत मिलेगी। दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी का संकट काफी हद तक सुलझ जाएगा, लेकिन जो भी समय अवधि होगी उसके बाद तत्काल सभी दुकानों को बंद करा दिया जाए, ताकि बाजार में लोगों की दिन भर भीड़ जुटी न रहे।

उन्होंने कहाकि कई दुकानदारों की दुकानें किराये की हैं और वह बंद पड़ी हैं दुकान मालिक किराया मांगता है और लॉकडाऊन के कारण बंद पड़ी दुकान का किराया कहां से निकले इसलिए फरीदाबाद मार्केट एसोसिएशन के प्रधानों ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर और गृहमंत्री अनिल विज से अपील की है कि इस नियम को लागू करा दिया जाए, ताकि जिले के व्यापारी एवं जनता को राहत मिल सके और लॉकडाउन भी लागू रह सके। इससे सरकार को भी लाभ मिलेगा और लॉकडाउन के सभी नियमों को आसानी से पालन कराया जा सकेगा। इस मौके पर 7-10 मार्केट के प्रधान वासुदेव अरोड़ा, जिलाध्यक्ष राम जुनेजा, तिकोना पार्क ऑटो मार्केट के प्रधान देवेंद्र रतडा, बल्लभगढ़ मार्केट के प्रधान प्रेम खट्टर, ओल्ड फरीदाबाद मार्केट के प्रधान नीरज मिगलानी, दो नंबर मार्केट के प्रधान कैलाश गांधी, 7-10 के ज्वॉइंट सेक्रेटरी सुनील कक्कड़, बृजेश चौधरी उपस्थित थे।

जूनियर रेडक्रॉस ने बतलाया परिवार का महत्व

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जीवन में परिवार का काफी महत्व होता है। एक परिवार ही तो है जो हमेशा हमारे दुख-सुख में हमारे साथ खड़ा रहता है। कोरोना वायरस महामारी ने अचानक लोगों के जीवन की दिनचर्या पर ठहराव का बटन दबाया है। लॉकडाउन ने परिवारों को घर पर रहने के लिए मजबूर किया है। महामारी कोरोना वायरस ने परिवार के लोगों को एक-दूसरे की अहमियत से परिचित कराया है।

गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल एनएच तीन फरीदाबाद की जूनियर रेडक्रॉस, सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड और गाइड्स ने प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में विश्व परिवार दिवस पर वर्चुअल कार्यक्रम में परिवार का महत्व बतलाते हुए परिवार के एल्बम और फोटो फ्रेम बनाए। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि कोरोना में एक-दूसरे को खोने के डर ने छोटे से लेकर बड़े परिवारों तक को एक कर दिया है। परिवार हमें सुरक्षित महसूस कराता है, यह हमें जीवन में किसी के होने का एहसास दिलाता है। यह दिन एक-दूसरे के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी का भी एहसास दिलाता है। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस या विश्व परिवार दिवस इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कोरोना महामारी के समय में परिवार के साथ मिलकर इन कठिन परिस्थितियों से लड़ना है और सबके साथ मिलकर आगे भी बढ़ना है।

हमारे जीवन में परिवार का काफी महत्व होता है और इसी को बताने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 9 दिसंबर 1989 में परिवारों के अंतरराष्ट्रीय वर्ष की घोषणा की। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने बताया कि 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा हर वर्ष विश्व परिवार दिवस को 15 मई को मनाने का फैसला किया गया। विद्यालय की गणित प्राध्यापिका डॉक्टर जसनीत कौर और प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने विश्व परिवार दिवस पर सुंदर और आकर्षक एल्बम और फोटो फ्रेम बनाने वाली सभी छात्राओं निशा, भूमिका, हर्षिता, नेहा, स्मृति, स्नेहा, नेहा, आकृति, शालू, प्रीति, अंजू, खुशी और अंकिता का स्वागत किया।

महामारी के दौर में बेजुबान पशुओं का सहारा बनी फरीदाबाद पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

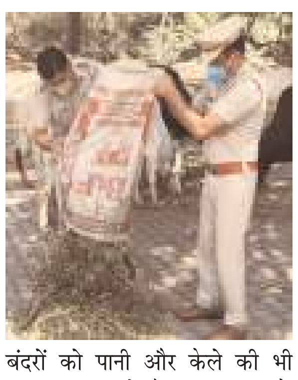

जैसा कि सभी जानते हैं पूरे भारतवर्ष में कोरोना वायरस की दूसरी लहर चल रही है। संक्रमण के बढ़ते प्रकोप के चलते कई राज्यों में लॉकडाउन लगा हुआ है। जिसके चलते हरियाणा राज्य के जिलों में भी बेवजह लोगों के घरों से बाहर निकलने पर पाबंदी है।

ऐसे में सड़कों पर आवारा बेजुबान पशुओं के लिए पुलिस सहारा बनी हुई है। फरीदाबाद पुलिस कर्मी पशुओं को चारा खिलाने और बंदरों को पानी और केले की भी व्यवस्था कर रहे हैं, ताकि भूख के मारे इन बेजुबान पशुओं को कोई परेशानी न हो। चाहे थाना पुलिस हो या ट्रैफिक पुलिस सभी बेजुबान पशुओं के लिए सहारा बने हुए हैं इसका अंदाजा पुलिस की कार्यशैली से लगाया जा सकता है।

एक तरफ पुलिस महामारी से लोगों को बचाने के लिए मास्क बांट रही है, फरीदाबाद जिले के विभिन्न एरिया में तैनात पुलिस के बीट ऑफीसर लगातार लोगों को इस संबंध में जागरूक कर रहे हैं। दूसरी तरफ पुलिस पशुओं के प्रति भी अपना इंसानियत का कर्तव्य निभा रही है।

डालसा के पैनल अधिवक्ता कर रहे जरूरतमंदों की मदद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यशवीर सिंह राठौर के निर्देशानुसार मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी और सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में पैनल अधिवक्तागण की टीम जागरूक कर रही है।

जिसमें रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर, शिव कुमार, ओम प्रकाश सैनी, गगन कुमार, अनिल गुप्ता, लखीराम और संगीता शर्मा जरूरतमंदों की मदद के लिए जुटे हुए हैं। रविंद्र गुप्ता पैनल एडवोकेट ने बताया कि कोरोना महामारी फिर से बढ़ने के कारण कमजोर तबके के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम के पैनल अधिवक्ता गणों ने जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। वह स्लम बस्तियों में जाकर जरूरतमंदों को मास्क सैनिटाइजर वह इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए काढ़ा ऑक्सीजन का उपलब्ध कोरोना मरीजों के लिए खाने की व्यवस्था करना जो लोग अपने घर जा रहे हैं।

उनके लिए खाने की व्यवस्था करना तथा जो लोग लॉकडाउन के कारण अपने घर पर हैं खाने की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। उनको कच्चा राशन उपलब्ध कराना इसी कड़ी में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम द्वारा ऐसी नगर एनआईटी फरीदाबाद में मास्क सैनिटाइजर व काढा का वितरण किया गया तथा साथ ही साथ उन लोगों को इस महामारी से बचने के तरीके भी बताए जा रहे हैं। उनको बताया जा रहा है कि मास्क जरूर पहने जिससे कि नाक वह मुंह ढक कर रखें। सैनिटाइजर का उपयोग करें बार-बार हाथों को धोएं हाथ धोने के लिए साबुन का भी प्रयोग कर सकते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए कादे का उपयोग करें।

यह कोरोना की दूसरी लहर है जिसमें खांसी जुकाम बुखार के अलावा और भी लक्षण सामने आ रहे हैं। ऐसे में लोगों को ज्यादा एहतियात बरतने की जरूरत है। शुरुआत में दर्द निवारक दबाव से आराम मिल सकता है। जिसे यह नहीं समझना चाहिए कि आप ठीक हो गए हैं एक बार आए लक्षणों को गंभीरता से लें तथा अपना टेस्ट कराएं इस महामारी का पूर्ण रूप से उपचार करें।

शिव शंकर सेवा दल ने पांच दिन में बचाई 45 लोगों की जान

34 लेबल पर आने वालों को भी उपलब्ध करवा रहे ऑक्सीजन

कविता। फरीदाबाद

जिले में ऑक्सीजन की कमी के कारण जहां एक तरफ लोग मौत के मुंह में जा रहे हैं। इसी पीड़ा को देखते हुए शिव शंकर सेवा दल ने पांच दिन पहले ही खुले में टेंट लगाकर सात कंस्ट्रेटर से लोगों को 24 घंटे ऑक्सीजन उपलब्ध करानी शुरू कर दी। ताकि लोगों की जान बचाई जा सके। पांच दिनों में 45 लोगों को ऑक्सीजन देकर जान बचाई गई है। इसे देखते हुए समाजसेवी अनीशपाल और जगजीत कौर पन्नू, कुलदीप और विरेन्द्र ने मौके पर पहुंच कर शिव शंकर सेवा दल के सदस्यों का आभार जताया।

ऐसे की शुरुआत : शिव शंकर सेवा दल के चेयरमैन संजय शर्मा ने बताया कि वह बीके अस्पताल में लोगों को ऑक्सीजन न मिल पाने पर परेशान हो गए। जिस पर उन्होंने समाजसेवी अनीशपाल से बात की तो उन्होंने कंस्ट्रेटर खरीदकर लोगों की मदद करने की सलाह दी।

उन्होंने सात कंस्ट्रेटर खरीद लिए और एनएच-दो में टेंट लगाकर एक साथ सात लोगों को ऑक्सीजन की सुविधाएं उपलब्ध करानी शुरू कर दी। पहले यहां लोग ऑक्सीजन लेबल 50 से 65 पर आ रहे थे, लेकिन पिछले कुछ समय से 34 लेबल वाले भी आने शुरू हो गए। जिन्हें 24 घंटे ऑक्सीजन देकर उनका लेबल बढ़ाकर आगे के इलाज के लिए वह बीके अस्पताल में भिजवा रहे हैं। ताकि उन्हें ऑक्सीजन के बाद इलाज की सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि फिलहाल वह 45 रोगियों को पिछले पांच दिनों में ऑक्सीजन उपलब्ध करा चुके हैं।

पिता और धर्मपत्नी का सहयोग

संजय शर्मा बताते हैं कि शिव शंकर सेवा दल की शुरुआत उनके पिता प्रकाश शर्मा ने की थी। उन्होंने बताया कि इस दल की महिला विंग की प्रधान उनकी पत्नी दीक्षा शर्मा हैं। जो उनके हर काम में उनका सहयोग देती हैं। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था द्वारा पिछले 24 सालों से अमरनाथ में भंडारा लगाया जा रहा हैं। वहीं बाटा पुल के नीचे हर साल रैन बसेरा लगाते हैं। गरीब बच्चों को किताबें और बैग उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले काफी सालों से वह राशन न ले सकने वाले 72 परिवारों को राशन उपलब्ध करा रहे हैं। वहीं वह हर बार थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों के लिए रक्तदान शिविरों का आयोजन करते हैं। नेपाल भूकंप के समय भी उनकी टीम की तरफ से चार ट्रक राशन भेजा गया था। वहीं 24 मार्च 2020 से वह हर रोज गरीब लोगों को लंगर की सेवा उपलब्ध करा रहे हैं।

पायनियर
हमेशा सच के साथ
हरियाणा से प्रकाशित | हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शोक संदेश व श्रद्धांजलि प्रकाशन हेतु विज्ञापन बुक कराएं
निधन-अन्तिम यात्रा-पुण्यतिथि-उठावनी-पगड़ी

जो आपसे बिछड़ गए है उनकी याद में
हम आपके दुख में सदैव साथ हैं।

बॉक्स साइज
कलर (प्रति विज्ञापन)

Size - 8x5 Sqcm.	Rs. 600/-
Size - 8x10 Sqcm.	Rs. 1200/-
Size - 12x10 Sqcm.	Rs. 1800/-

पायनियर फरीदाबाद कार्यालय : 262-आई, सेक्टर- 24 फरीदाबाद।
मो. न. : 9582468441, 9871798095, Email ID : pioneeradvthr@gmail.com

स्वास्थ्य विभाग केंद्र के आदेशों को ताक पर रख कर रहा वैक्सीनेशन

12 मई के बाद लगने वाली वैक्सीन के निर्देश सभी सैकेंड डोज के लिए किए लागू

निजी अस्पताल ने वैक्सीन 1250 में लगानी कर दी शुरू बीके में हो गई खत्म

कविता। फरीदाबाद

केंद्र सरकार की तरफ से 13 मई को वैक्सीनेशन कराने वाले लोगों के लिए नए निर्देश लागू किए हैं। जिसमें उन्होंने पहले लगी हुई वैक्सीनेशन वालों को सैकेंड डोज छह से आठ सप्ताह में लगाने के निर्देश दिए थे।

वहीं कोवैक्सीन के लिए चार सप्ताह का समय निर्धारित किया था। लेकिन इस पत्र के माध्यम से उन्होंने यह भी कहा था कि 12 मई से लगाई जाने वाली वैक्सीन की सैकेंड डोज 12 से 16 सप्ताह के बाद लगाई जाएगी। लेकिन जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा अप्रैल में लगाई गई पहली डोज लगवाने वालों को अब 12 से 16 सप्ताह बाद वैक्सीन लगाने का फरमान सुना दिया। वहीं बीके अस्पताल में विभाग केंद्र के आदेशों को ताक पर रखकर 45 प्लस के बजाय 18 प्लस को भी वैक्सीन लगा रहा है। इसका खुलासा 13 मई को लगाई गई वैक्सीन से हुआ। जबकि यहां 45 प्लस लोग धक्के खा रहे हैं। निजी अस्पतालों में जो वैक्सीन कुछ समय पहले तक 250 रुपये में लग रही थी। अब उसकी कीमत 1250 रुपये हो चुकी है। बीके अस्पताल में शनिवार को 100 डोज लगने के बाद शेष लोगों को लौटा दिया

बीके अस्पताल में टीका लगवाने आए लोगों को लौटाते पुलिसकर्मी।

गलत बन रहे नियम

समाजसेवी अनीशपाल ने बताया कि एक तरफ 45 प्लस के लोगों को मात्र 100 डोज लगाकर लौटाया जा रहा है। वहीं सिफारिश आने पर यहां 18 प्लस वाले भी वैक्सीन लगवा रहे हैं। जोकि गलत है। जबकि नियमों से सभी को वैक्सीन लगानी चाहिए। चाहे वह पहली डोज हो या दूसरी। लेकिन विभाग रोज नए नए नियम बनाकर लोगों को परेशान कर रहा है। अब विभाग केन्द्र सरकार के नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है। 12 मई से पहले वालों को भी दूसरी डोज लगाने से मना कर रहा रहा है।

कैसे हो गए रेट अधिक

समाजसेवी विष्णु गोयल ने बताया कि निजी अस्पतालों में 250 रुपये में वैक्सीन लगाई जा रही थी। लेकिन अब 18 प्लस वालों को निजी अस्पताल 1250 रुपये में वैक्सीन लगा रहे हैं। एक तरफ सरकारी अस्पतालों में वैक्सीन नहीं मिल रही है। वहीं निजी को 1250 रुपये में लगाने के लिए वैक्सीन कैसे मिल रही। बीके अस्पताल से चंद कदमों की दूरी पर स्थित निजी अस्पताल में वैक्सीन कैसे उपलब्ध हो रही है।

कोरोना की गंभीरता समझकर नियमों का पालन करें ग्राम निवासी : गुर्जर

स्वास्थ्य जांच कैंपों का होगा आयोजन ग्रामीणों को दी जाएगी मल्टी विटामिन और आयुष इम्यूनिटी बूस्टर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा ग्रामीण सामान्य स्वास्थ्य जांच योजना कैंपेन को लांच किया गया है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए टी-3 पॉलिसी (टॉक, टेस्ट व ट्रीट) अपनाई गई है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जांच कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा दो टीमें गठित की गई हैं जिनमें से एक फील्ड टीम व दूसरी हेडक्वार्टर टीम बनाई जाएगी। केंद्रीय राज्यमंत्री शनिवार को जिला के गांव सीकरी में योजना का शुभारंभ करते हुए संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि योजना के तहत फिल्म टीम द्वारा गांवों में घर-घर पहुंच कर सर्वे किया जाएगा, किसी भी टीम को दो से अधिक गांव नहीं दिए जाएंगे। फील्ड टीम द्वारा सर्वे के दौरान गांव के प्रत्येक व्यक्ति का स्वास्थ्य संबंधि डाटा एकत्रित किया जाएगा। टीम द्वारा आमजन से सामान्य स्वास्थ्य व कोविड से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। तत्पश्चात उन्हें हेडक्वार्टर टीम के पास स्वास्थ्य जांच के लिए भेजा जाएगा ताकि अनावश्यक भीड़ न हो। उन्होंने कहा कि हेडक्वार्टर टीम को विभिन्न स्थानों जैसे स्कूल, सब सेंटर, पीएचसी, पशुपालन डिस्पेंसरी, पंचायत घर आदि पर तैनात किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि फील्ड टीम में संबंधित गांव की आशा वर्कर, आंगनबाड़ी वर्कर, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी द्वारा तैनात अध्यापक व ग्राम सचिव को शामिल किया है। हेडक्वार्टर टीम में सिविल सर्जन द्वारा नियुक्त एएनएम, एमपीएचडब्ल्यू, फार्मासिस्ट, एलटी, सीएचओ आदि, राजस्व पटवारी और डीआईओ ऑफिस से डाटा एंट्री ऑपरेटर शामिल होंगे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हेडक्वार्टर पर तैनात प्रत्येक टीम को आवश्यक उपकरण जैसे डिजिटल थर्मामीटर, पल्स ऑक्सीमीटर, वजन मापने की मशीन, ब्लड प्रेशर मशीन, स्टीमर, आरएटी किट, दवाइयां आदि उपलब्ध कराए गए हैं और उन्हें इन उपकरणों को उपयोग करने का प्रशिक्षण भी दिया गया है।

टीम द्वारा प्रत्येक व्यक्ति की पूर्व में की गई स्वास्थ्य जांच जानकारी ली जाएगी, सामान्य स्वास्थ्य जांच, कोविड टेस्टिंग व इलाज सुविधा भी दी जाएगी। कैंप में आने वाले सभी ग्रामीणों को एलोपैथिक मल्टी विटामिन व आयुष इम्यूनिटी बूस्टर व कोरोना संक्रमण से बचाव की हिदायतों की बुकलेट भी दी जाएगी। टीम द्वारा आरएटी टेस्ट किया जाएगा और अगर व्यक्ति पॉजिटिव पाया जाता है तो रोगी की स्थिति के आधार पर उसे होम क्वारंटाइन करने या विलेज कोविड केयर सेंटर में भेजा जाएगा।

उन्होंने बताया कि फरीदाबाद जिले के 50 गांव में आइसोलेशन सेंटर भी स्थापित किए गए हैं। पीएच स्तर पर भी बेड की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि अगर व्यक्ति कोरोना संक्रमित पाया जाता है तो उसे होम आइसोलेशन किट दी जाएगी और अगर व्यक्ति संक्रमित नहीं है तो उसे मल्टी विटामिन व इम्यूनिटी बूस्टर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान कर्मचारी व अधिकारी कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करें, मास्क लगाएं, सामाजिक दूरी बनाए रखें, समय-समय पर अपने हाथों को अच्छी प्रकार से धोते रहें और सैनिटाइज करें।

कोरोना पॉजिटिव 24 का अंतिम संस्कार, सरकारी आंकड़े में नौ की मौत

पिछले नौ दिन से हजारों लोगों ने जीती कोरोना की जंग

शनिवार को 867 नए संक्रमित आने से कोविड-19 का आंकड़ा पहुंचा 94720

ये हैं आंकड़े

जिले में कुल जांचें	: 762592
कुल पॉजिटिव आए	: 94720
अब तक नेगेटिव	: 666748
रिपोर्ट आनी शेष	: 1124
ऑक्सीजन पर हैं	: 846
वेंटीलेटर पर हैं	: 91
अब तक मौतें	: 628

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला का कोरोना को हराकर बाउंस बैक करने का क्रम लगातार नौवें दिन शनिवार को भी जारी रहा। शनिवार को जिले में 1360 लोग कोरोना को हराकर स्वस्थ हो अपने घरों को लौटे। जबकि जिले में 867 कोरोना संक्रमित नए मरीज सामने आए। जिससे जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 94720 पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ जिले में नौ लोगों ने दम तोड़ दिया। जिससे जिले में मृतकों की संख्या का आंकड़ा विभाग की तरफ से कुल 628 दर्शाया गया।

वहीं जिले में फिलहाल एक्टिव मामले 8670 बचे हैं। जिसमें होम आईसोलेट 8670 और अस्पतालों में 1767 मरीज भर्ती है, लेकिन बुरी खबर यह भी है कि लगातार जिले में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की मौत के आंकड़े में विभाग द्वारा गड़बड़ी की जा रही है। ऐसा ही देखने को पिछले काफी समय से मिल रहा है। शनिवार को 24 मृतकों का अंतिम संस्कार जिले के विभिन्न श्मशानघाटों पर किया गया। जिसमें 15 मौते फरीदाबाद और बाकी नौ मृतकों के शव अन्य शहरों से शामिल थे।

भारी मात्रा में शराब की पेटी, नकदी व पेटीएम मशीन के साथ गिरफ्तार

1091 पेटी अंग्रेजी शराब, 59 पेटी देसी शराब, 31,450 रुपये नकद, एक पेटीएम मशीन बरामद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा निर्देश पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच 56 ने अवैध शराब बेचने के जुर्म में दो आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने आरोपी रविंदर निवासी मथुरा हाल निवासी पर्वतीय कॉलोनी फरीदाबाद और रोहन पुत्र प्रेमचंद निवासी हनुमान नगर भारत कॉलोनी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है।

आरोपी के खिलाफ पुलिस ने थाना एसजीएम नगर में एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपियान राजा चौक एनआईटी फरीदाबाद में शराब के ठेके पर सेल्समैन की नौकरी करते हैं। देश में फैली कोरोना वायरस महामारी के कारण हरियाणा में लॉकडाउन किया हुआ है इस दौरान शराब की बिक्री पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा हुआ है। आरोपी अपने मालिक के कहने पर शराब अवैध रूप से रखकर बेच रहे थे। आरोपियों को पुलिस ने अपने सूत्रों के माध्यम से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1091 पेटी अंग्रेजी शराब, 59 पेटी शराब देसी, 31,450 और एटीएम मशीन बरामद की है। आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है।

जिले में जरूरतमंद को मिल रही है ऑक्सीजन गैस

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि फरीदाबाद जिला में अब लोगों को जरूरत होने पर तुरंत ऑक्सीजन गैस मिल रही है। यही वजह है कि अब गैस को लेकर किसी भी तरह की मारामारी नहीं है। शनिवार को 182 लोगों ने ऑक्सीजन गैस के लिए अप्लाई किया और सभी को तुरंत गैस मुहैया करवा दी गई। उपायुक्त यशपाल ने कहा कि संकट की घड़ी में हम सभी लोगों को आश्वस्त करते हैं कि जिसको भी ऑक्सीजन की आवश्यकता है हम उसे पूरी पर्याप्त मात्रा में अवश्य पहुंचाने का कार्य करेंगे।

उन्होंने बताया कि बल्लभगढ़ एसडीएम अपराजिता नोडल अधिकारी गैस ऑक्सीजन कार्य की प्रणाली के ऊपर अपनी नजर बनाए हुए हैं। कार्य बहुत ही शानदार तरीके से किया जा रहा है। किसी प्रकार की कोई कोताही नहीं बरती जा रही है।

पुलिस ने 50 जरूरतमंद परिवारों को राशन बांटा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस चौकी सेक्टर 11 प्रभारी और उनकी टीम ने वैश्विक महामारी के दौर में जरूरतमंद परिवारों को सूखा राशन बांटने का सराहनीय कार्य किया है।

प्रभारी सेक्टर 11 चौकी ने जानकारी देते हुए बताया कि वाईएमसीए के पास एवं सेक्टर 11 कंटेनमेंट जोन के पास झुग्गियों में रह रहे करीब 50 परिवार जो कि दिल्ली से मटके लाकर बेचने का कार्य करते थे। दिल्ली में काफी दिनों से लॉकडाउन चलने की वजह से इन लोगों की रोजी-रोटी पर संकट आ गया था। जैसे ही इस संबंध में प्रभारी सेक्टर 11 चौकी और उनकी टीम को पता चला तो उन्होंने आपस में पैसे इकट्ठे कर जरूरतमंद करीब 50 परिवारों की मदद करने के लिए आगे आए। इस दौरान पुलिस टीम ने प्रत्येक परिवार को आटा, चावल, दाल, सरसों के तेल, हल्दी मिर्च नमक इत्यादि सूखा राशन वितरित किया है। प्रभारी सेक्टर 11 चौकी ने बताया कि अभी फिलहाल आपस में पुलिसकर्मी पैसा इकट्ठा कर काम चला रहे हैं अगर आगे जरूरत पड़ी तो वह किसी संस्था का भी सहयोग लेंगे।

श्री बांके बिहारी मंदिर में लगाई गई टीके की दूसरी डोज

फरीदाबाद। श्री बांके बिहारी मंदिर में लगाए गए कोविड-19 टीकाकरण शिविर में कोरोना टीके की दूसरी डोज लगाई गई। शिविर बड़खल विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक सीमा त्रिखा के प्रयास और मंदिर के महंत ललित गिरी गोस्वामी के सहयोग से लगाया गया और इसमें लगभग 100 लोगों को टीका लगाया गया। इस अवसर पर महिला मण्डल प्रधान मीनाक्षी गोस्वामी व अशोक अरोड़ा भी मौजूद थे। इस मौके पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए महंत ललित गिरी गोस्वामी ने कहा कि कोरोना से लोगों को बचाया जा सके इसको लेकर बड़े पैमाने पर टीकाकरण शिविर बड़खल विधानसभा क्षेत्र में लगाए गए है। उसी कड़ी में मंदिर प्रांगण में लोगों को टीके की दूसरी डोज लगाई गई। उन्होंने कहा कि जिस तरह कोरोना ने अपना भयावह रूप दिखाया है।

आपदा में सामाजिक-धार्मिक संगठनों की भूमिका अहम : ओपी सिंह

वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जिला के सभी सामाजिक धार्मिक संगठनों व एनजीओ को किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त ओपी सिंह ने कहा कि कोरोना काल का यह बुरा वक्त है और अगर हम लोग एहतियात बरतेंगे तो जल्द ही है वक्त निकल जाएगा। आज हम उस दौर से गुजर रहे हैं जब हमें एक दूसरे से मिलकर कार्य करना है। पुलिस आयुक्त शनिवार शनिवार को जिला के सभी सामाजिक-धार्मिक संगठनों व एनजीओ को वीडियो कांफ्रेंस में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में जिला प्रशासन ने बहुत ही बेहतरीन व्यवस्था बनाई है।

उन्होंने कहा कि सिलेंडरों को लेकर जो मारा-मारी थी वह पूरी तरह से खत्म है। अब लोगों को घर जाकर सिलेंडर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना का अब गांव की तरफ भी ज्यादा प्रसार हुआ है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बहुत एहतियात बरतने की आवश्यकता है। मीटिंग में उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग लगातार कोरोना महामारी में दिन-रात कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि हम लोग सहयोग व समझ के साथ इस महामारी से निपटने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक फरीदाबाद पुलिस ने 325 मुकदमे दर्ज की है और 500 गिरफ्तार कर लोगों को कोरोना महामारी से बचाव के लिए नियमों का पालन करने का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस महामारी में 302 पुलिसकर्मी भी संक्रमित हुए हैं और हमारे एक पुलिसकर्मी की जान भी इसमें गई है। उन्होंने बेहतरीन कार्य के लिए स्वास्थ्य विभाग को बधाई देते हुए कहा कि यह विभाग इस बीमारी से निपटने के लिए ध्वजवाहक की भूमिका में है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी सामाजिक संगठनों को मिलकर और अधिक लगन के साथ कार्य करना होगा।

उन्होंने कहा कि इंसान ही इंसान के काम आता है और आज एक इंसान को दूसरे इंसान की आवश्यकता है। मीटिंग में संबोधित करते हुए उपायुक्त यशपाल ने कहा कि सभी सामाजिक व धार्मिक संगठनों के साथ-साथ एनजीओ के लोगों ने भी इस महामारी में जिला प्रशासन का साथ दिया है। उन्होंने कहा कि सभी संगठनों ने खुद को मनोबल बढ़ाया है और खुद को बचाया भी है। उन्होंने कहा कि पिछली बार जब दूसरे प्रदेशों में लोगों का पलायन शुरू हुआ तो भी सभी धार्मिक व सामाजिक संगठनों ने दिन रात भोजन से लेकर अन्य सभी सेवाएं की। उन्होंने कहा कि आज कोरोना महामारी से निपटने के लिए खुद आगे आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि लोग अच्छी बिल्डिंगों को कोविड-19 केयर सेंटर में तब्दील कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे बिल्डिंगों में बेड तक ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए बड़ी तोड़फोड़ भी हो रही है लेकिन सभी लोगों का फिलहाल एक ही मकसद है की लोगों की जान कैसे बचाई जाए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमने व्यवस्था को बेहतर करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हमारा पॉजिटिविटी रेट आज 46 से 32 प्रतिशत पर आ चुका है। ऑक्सीजन को लेकर कोई दिक्कत नहीं है। हमारे पास दवाएं पर्याप्त संख्या में है और टीकाकरण को लेकर भी हम बेहतर दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सभी सामाजिक व धार्मिक संगठनों से मिलकर कार्य करने का आह्वान किया और कहा कि आप सभी लोगों की बदौलत हम इस जंग को जरूर जीतेंगे। मीटिंग में सीएमओ रणदीप सिंह पुनिया ने कहा कि आज हम कोरोना जैसी महामारी से जूझ रहे हैं। उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि वह अपने अपने क्षेत्र में लोगों को मास्क का अवश्य लगाने का आह्वान करें। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद में 2011 की जनगणना के अनुसार 18 लाख की आबादी में से हम अब तक 7.30 लाख लोगों की कोरोना टेस्ट इन करवा चुके हैं। उन्होंने बताया कि 4.30 लोगों का टीकाकरण कार्य पूरा किया जा चुका है।

कालीबाड़ी ने शुरू किया गरीबों को नि:शुल्क राशन बांटना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद कालीबाड़ी सेक्टर 16 के सदस्यों ने कोविड महामारी एवं घोषित लॉकडाउन से त्रस्त और लाचार गरीबों एवं जरूरतमंदों के लिए मुफ्त में नि:शुल्क राशन की व्यवस्था कर उसे जरूरतमंदों तक समय पर पहुंचाने की घोषणा की है।

अक्षय तृतीया के शुभ दिन पर यह घोषणा करते हुए फरीदाबाद कालीबाड़ी के अध्यक्ष डीएस चक्रबोर्ती एवं महासचिव स्वपन कुमार बोस ने यह बताया कि मां काली के आशीर्वाद और कृपा से ही यह संभव हो पाया एवं इस तरह के किसी भी समाज सेवा के कार्य में फरीदाबाद कालीबाड़ी के समस्त परिवार को अपार हर्ष की अनुभव होती है। कालीबाड़ी के अध्यक्ष एवं महासचिव ने बताया कि फरीदाबाद कालीबाड़ी के तरफ से प्रति माह लगभग चार सौ से पांच सौ

जरूरतमंद परिवारों तक यह राशन उपलब्ध कराई जाएगी और यह सेवा का कार्यक्रम आगे निरंतर कम से कम छह महीनों तक जारी रहेगी। यह राशन विशेष कर समाज के उन अभागे एवं वंचितों तक पहुंचाई जाएगी जिनकी लॉकडाउन के चलते रोजगार समाप्त हो गयी है एवं जो स्वयं एवं अपने परिवार को भोजन की व्यवस्था करने में भी असमर्थ हो गए हैं।

ज्ञात हो की पिछले वर्ष भी राष्ट्रीय आपदा के दौरान सरकार द्वारा घोषित लॉकडाउन के प्रथम चरण से लेकर तृतीय चरण तक फरीदाबाद कालीबाड़ी सेक्टर 16 ने रेडक्रॉस सोसाइटी के मदद से 70,000 तैयार और गर्म भोजन के पैकेट समाज के वंचित विस्थापित मजदूरों को मुहैया कराया था।

कालीबाड़ी के वरिष्ठ सदस्य अभिजीत गांगुली ने हमेशा के तरह इस बार भी फरीदाबाद कालीबाड़ी के समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रतिश्रुति दी है। फरीदाबाद कालीबाड़ी मानवता के धर्म को ही सर्वोपरि धर्म मानती रही है। फरीदाबाद कालीबाड़ी समाज के सक्षम एवं इच्छुक वर्गों को भी अपने इस महान मानव सेवा उद्यम के साथ जुड़ने की आग्रह करती है। जिससे कि इस सेवा का लाभ ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों तक पहुंचे, क्योंकि फरीदाबाद कालीबाड़ी इस प्रकार के सेवा कार्य को बिना किसी सरकारी या गैर सरकारी मदद के अपने सदस्यों एवं शुभचिंतकों की आर्थिक सहयोग से ही करती आ रही है।

संक्षिप्त समाचार

बीके में नवप्रयास सेवा संगठन ने लगाया रक्तदान शिविर

फरीदाबाद। वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान जिले के ब्लड बैंकों में हो रही रक्त की कमी देखते हुए शहर की सामाजिक संगठन नवप्रयास सेवा संगठन के सदस्यों ने सिविल अस्पताल बादशाह खान के ब्लड बैंक में सबसे पहले रक्तदान शिविर का आयोजन किया। 40 युवाओं ने रक्त देकर रक्त की कमी कम करने का काम किया है। शिविर का शुभारंभ महिला इनेलो जिलाध्यक्ष जगजीत कौर पन्नू ने किया। लोगों को सम्बोधित करते हुए जगजीत कौर पन्नू ने कहा कि महामारी में रक्तदान व प्लाज्मा दान करना एक महत्वपूर्ण कार्य है। सभी लोगों को साल में कम से कम तीन बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। नव प्रयास सेवा संगठन के प्रधान सुनील यादव ने बताया कि यह 63वां रक्तदान शिविर है। उनकी टीम को कल पता चला था कि जिले में महामारी के दौरान रक्त की भारी कमी है। उनकी टीम ने तत्काल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यादव ने शहरवासियों से अपील की है कि वह इस आपदा की घड़ी में रक्तदान व प्लाज्मा डोनेट कर लोगों का जीवन बचाएं। संगठन के सदस्य महेश सैनी, सरदार कुलदीप सिंह, दिनेश जोशी, रमेश जोशी, रवि चौहान, सचिन तंवर, विनोद, विशाल बिरमानी आदि लोग मौजूद थे।

ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी करने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा निर्देश पर थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम, वैश्विक महामारी के दौर में ऑक्सीजन सिलेंडर और रेमडेसिविर इंजेक्शन एवं अन्य चीजों की कालाबाजारी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज रही है। क्राइम ब्रांच सेक्टर 65 ने ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सलीम पुत्र गुलदीप कुरैशी निवासी बडकल एनआईटी फरीदाबाद के रूप में हुई है। प्रभारी क्राइम ब्रांच ने बताया कि सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए तुरंत टीम गठित कर आरोपी को सूरजकुंड एरिया से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके पर आरोपी के कब्जे से दो ऑक्सीजन सिलेंडर, मेडिसन, एक ऑटो बरामद किया है। जिस पर आरोपी के खिलाफ थाना सूरजकुंड में मामला दर्ज किया है। पूछताछ पर सामने आया कि आरोपी कबाड़े का काम करता था। कोरोना वायरस की दूसरी लहर के चलते जब ऑक्सीजन सिलेंडर की डिमांड बढ़ी तो आरोपी ने मोटे मुनाफे के चक्कर में ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी का काम शुरू कर दिया। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया है।

बिजली कर्मचारियों को लगे टीके

फरीदाबाद। बिजली कर्मचारियों को कोरोना से बचाव के लिए शनिवार को कैंप लगाकर टीकाकरण किया। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की बल्लभगढ़ डिवीजन सेक्टर 6 में आयोजित कैंप में बल्लभगढ़, ओल्ड, ग्रेटर व एनआईटी फरीदाबाद डिवीजनों के 198 कर्मचारियों को वैक्सीनेशन लगाई गई। उल्लेखनीय है कि आल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन ने सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा की अगुवाई में सर्कल के एसई को बृहस्पतिवार को ज्ञापन सौंपकर बिजली कर्मचारियों को विशेष कैंप लगवा कर वैक्सीनेशन कराने की मांग की थी। एसई नरेश ककड़ ने तुरंत इसका संज्ञान लेते हुए सिविल सर्जन से बातचीत कर शनिवार को वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन कराया। सुभाष लांबा ने बताया कि केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने भी सभी राज्य सरकारों को पत्र लिखकर बिजली कर्मचारियों को विशेष अभियान के तहत टीकाकरण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि कोविड महामारी से राज्य में आधा दर्जन से अधिक कर्मियों की जान जा चुकी है और हजारों की संख्या में संक्रमित हो चुके हैं। आल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के वरिष्ठ नेता शब्बीर अहमद गनी व सर्कल सचिव कृष्ण कुमार ने बिजली कर्मचारियों के लिए शनिवार को वैक्सीनेशन कैंप आयोजित कराने के लिए एसई नरेश ककड़, एक्शन नीरज दलाल, सीएमओ व टीकाकरण टीम के सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया। नेताओं ने बताया की एसई ने हमें बताया है कि अगले सप्ताह में सर्कल आफिस में कैंप आयोजित कर बच्चे कर्मचारियों का टीकाकरण कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी कर्मचारियों को टीका लगाने तक यह अभियान जारी रहेगा। शब्बीर अहमद गनी ने टीकाकरण में कर्मचारियों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए उनकी भी सराहना की और आगामी कैंपों में भी भाग लेंगे का आह्वान किया।

एसजीएम नगर थाने में किया सैनिटाइज

फरीदाबाद। कोरोना के खिलाफ जंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे फरीदाबाद शहर के निडर पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जजपा इनसो चेयरमैन रवि शर्मा ने अपनी टीम के साथ एसजीएम नगर थाने को पूरी तरह सैनिटाइज किया। एसजीएम नगर थाना प्रभारी संजीव कुमार भी मौजूद थे। रवि शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों के बाद पुलिसकर्मियों सबसे बड़े कोरोना वारियस के रूप में देश व प्रदेश की सेवा में दिन रात लगे हुए है। रवि शर्मा ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में देखने को मिला है कि जिले के कई पुलिसकर्मी अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए कोरोना संक्रमित हो गए। इनमें से एक एसपीओ महावीर जोकि एसजीएम नगर थाने में ही तैनात था कोरोना से जंग लड़ते लड़ते हार गया। रवि शर्मा ने कहा कि पुलिसकर्मियों को इस बीमारी से बचाया जा सके इसके लिए आज टीम दुश्यंत चौटाला द्वारा थाने को सैनीटाइज किया गया है। थाना प्रभारी संजीव कुमार ने कहा कि यह एक अच्छी पहल है क्योंकि पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी निभाने में कभी पीछे नहीं हटते।

कोरोना के इलाज में बहुत ही कारगर है चेस्ट फिजियोथैरेपी

चेस्ट थैरेपी से बढ़ाया जा सकता है ऑक्सीजन स्तर

कोरोना के मरीजों को काफी लाभ होने का दावा

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

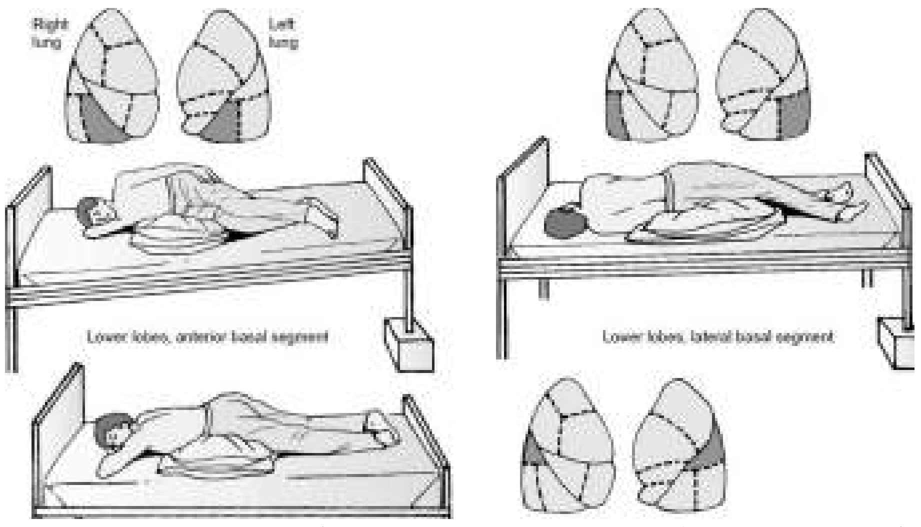

कोरोना से देश और दुनिया जूझ रहे हैं। इसी बीच चेस्ट थैरेपी कोरोना के मरीजों के लिए एक नई उम्मीद की किरण बनी है। एक्सपर्ट का दावा है कि चेस्ट फिजियोथैरेपी से कोरोना से ठीक होने में मदद मिलती है। यह थैरेपी कोरोना संक्रमित का ऑक्सीजन लेवल बढ़ाती है। चिकित्सक इस थैरेपी को अपनाने की सलाह दे रहे हैं। इस बीच अलग-अलग प्रदेशों में डॉक्टर अपने स्तर पर नए प्रयोग कर रहे हैं, जो कोरोना रोगियों के इलाज में मददगार भी साबित हो रहे हैं।

ऐसी ही शुरुआत अब चेस्ट फिजियोथैरेपी से दी जा रही है। इस थैरेपी से बड़ी संख्या में मरीज रिकवर हो रहे हैं। इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथैरेपिस्ट हरियाणा के प्रेसिडेंट डॉक्टर उदय यादव का कहना है कि कोरोना संक्रमित जो मरीज ऑक्सीजन की कमी के चलते परेशान हो रहे हैं, उनके लिए चेस्ट फिजियोथैरेपी कारगर साबित होती नजर आ रही है। इसके जरिए कई अस्पतालों में भर्ती मरीजों का न केवल सैचुरेशन (ऑक्सीजन लेवल) बढ़ा है, बल्कि मरीज के लंग्स (फेफड़ों) की रिकवरी भी तेजी से हुई है। ऐसे भी रिजल्ट सामने आए हैं कि जो मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर थे, इस थैरेपी से उनका ऑक्सीजन लेवल भी नॉर्मल हुआ है।

थैरेपी से बढ़ाया जा सकता है ऑक्सीजन स्तर

डॉक्टर उदय यादव ने बताया कि इस थैरेपी से न केवल मरीज का ऑक्सीजन स्तर बढ़ाया जा सकता, बल्कि फेफड़ों की रिकवरी भी तेजी से होती है। इसे लेने के बाद कई मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट की भी जरूरत नहीं पड़ती। ये थैरेपी केवल उन्हीं मरीजों को दी जाती है, जिनका सैचुरेशन लेवल 80 या उससे ऊपर है। इसमें हम मरीज के लंग्स में जमा स्पुटम (कफ) को ढीला करते हैं, जिससे कफ बाहर आने लगता है और मरीज की सांस लेने की कैपेसिटी बढ़ जाती है। कोरोना मरीजों के फेफड़े वायरस से डैमेज तो होते ही हैं, साथ ही कई मरीजों के फेफड़ों में टाइट स्पुटम (कफ) जमने की शिकायत भी होने लगती है।

सीटी स्कैन की रिपोर्ट के आधार पर थैरेपी

डॉक्टर यादव ने बताया कि चेस्ट थैरेपी में भी तीन तरह के वॉल्यूम हैं, जो मरीज की स्थिति को देखते हुए तय किए जाते हैं। चेस्ट थैरेपी में पहले ये देखा जाता है कि फेफड़ों के किस पार्ट में ज्यादा कफ जमा है। सीधे हाथ की तरफ बने फेफड़े तीन पार्ट और उल्टे हाथ की तरफ बने फेफड़े के दो पार्ट होते हैं। इसके लिए मरीज की सीटी स्कैन रिपोर्ट देखी जाती है। इस रिपोर्ट के आधार पर अलग-अलग स्थिति में थैरेपी दी जाती है। थैरेपी में सबसे पहले मशीन से वाईब्रेशन के जरिए और उसके बाद डीप ब्रीदिंग, हाफिंग, कफिंग, वाइब्रेशन, परकशन, मेन्युअली हाथों से थप्पी देते हुए टाइट कफ को ढीला करके, पोजिशनिंग करके बाहर निकाला जाता है।

कोविड 19, स्वच्छता अभियान व जल शक्ति पर हुई वर्कशॉप

फर्रूखनगर। स्थानीय स्थित सरदार पटेल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद् के तत्वाधान में शनिवार को वर्चुअल वर्कशाप का आयोजन किया गया। शुभारंभ रणबीर सिंह बतान, (ज्ञानसाधन व्यक्ति, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा किया गया।

उन्होंने देश में फैल रही कोरोना महामारी से बचने के उपाय बताए। साथ ही उन्होंनें साफ हवा प्रबन्धन, साफ पानी प्रबन्धन, स्वच्छता अभियान व जल शक्ति सम्बन्धी गतिविधियों के बारे में बताया। उनके बाद सुधीर सिंह (प्रवक्ता, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) ने मददगार कौशल के बारें में बताया। उन्होंने बताया कि इस कोविड-19 की परिस्थिति में यदि कोई मदद लेना चाहता है तो हम उसमें कैसे मनोवैज्ञानिक ढ़ग से बात कर सकते हैं। उसकी मदद कर सकते है। इस मौके पर कॉलेज के निदेशक डॉ. विजय बसंल व कॉलेज की प्रिंसिपल शिल्पी गुप्ता ने अपने विचार रखे।

ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना रोकने को डोर टू डोर सर्वे

पहले दिन 50 गांवों में घर-घर जा कर की गई स्क्रीनिंग

गुरुग्राम। ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमित मरीजों की पहचान करने के लिए शनिवार से डोर टू डोर सर्वे शुरू हो गया है। इस कार्य के लिए टीमें घर-घर जाकर कोरोना संक्रमित मरीजों की पहचान के लिए कार्य कर रही हैं।

पहले दिन इन टीमों ने जिला के 50 गांवों में जाकर डोर टू डोर स्क्रीनिंग करते हुए काम किया। इस सर्वे कार्य की लेयर मॉनिटरिंग राज्य, जिला व ब्लाक स्तर पर की जाएगी। उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने बताया कि ग्रामीण स्तर पर फील्ड में सर्वे करने वाली टीम के सदस्यों में आशा वर्कर, आंगनवाड़ी वर्कर, स्कूल का अध्यापक, ग्राम सचिव तथा एंटीजन टेस्टिंग सेंपल लेने वाला सदस्य शामिल होगा। यह टीम घर-घर जाकर लोगों की स्क्रीनिंग करेगी व उनसे परिवार के सदस्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करेगी कि क्या उनके घर में किसी को कोरोना के लक्षण जैसे सिर दर्द, बुखार, सूखी खासी, बदन दर्द आदि है या नहीं। इस दौरान कोरोना के लक्षण वाले मरीजों की मौके पर ही सेंपलिंग ली जाएगी। यदि व्यक्ति पॉजिटिव पाया जाता है तो उसके घर में होम आइसोलेशन संबंधी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए जाएंगे अथवा गांव में बनाए गए आइसोलेशन केंद्रों में शिफ्ट किया जाएगा। इस कार्य की मॉनिटरिंग के लिए ब्लॉक व जिला स्तर पर कमेटी का गठन किया गया है।

उपायुक्त ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशानुसार जिला प्रशासन ने विषय की गंभीरता को समझते हुए ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक्शन प्लान बना कर उस पर काम करना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों की सुविधा को देखते हुए कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए गांव में ही आइसोलेशन सेंटर बनाए गए हैं, जहां उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाएंगी। इसके लिए जिला की 164 ग्राम पंचायतों में इमारतों की पहचान की गई है जहां यह आइसोलेशन केंद्र खोले जाएंगे।

जमीन के विवाद में पिता-पुत्र पर हमला, केस दर्ज

पलवल। गदपुरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत जमीन के विवाद के चलते पिता-पुत्र पर लाठी-डंडे से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर 13 नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी सुभाष के अनुसार गांव धतीर निवासी पुनीत ने शिकायत दर्ज कराई है कि गांव निवासी जोगेंद्र के परिवार से एक-डेढ़ बीघा जमीन का विवाद चल रहा है। दस मई को पीड़ित अपने पिता बिरेंद्र के साथ खेतों से घर आ रहा था। जमीनी विवाद के चलते ही जोगेंद्र, सुरेश, भूपसिंह, टिंकल, बंशी, कपिल, सतीश, सूंडी, जतिन, अजय, सुमीत व उनके परिवार की दो महिलाओं ने मिलकर लाठी-डंडा से हमला कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने दादा सुमेर पर भी हमला कर घायल कर दिया व जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

युवक को अगवा कर किया जलील, पुलिस ने छुड़वाया

पुलिस ने छह नामजद आरोपियों के खिलाफ किया मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पुलिस का मुखबिर होने का शक जाहिर कर एक व्यक्ति को पहले घर से अगवा किया और अपने निजी कार्यालय पर लाकर उसे जलील कर नग्न अवस्था में शराब की बोतल पर बैठाया गया। पीड़ित की पत्नी ने तुंरत मामले की सूचना जिला पुलिस अधीक्षक को दी। जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा लिए गए संज्ञान के बाद शहर थाना पुलिस ने पीड़ित को आरोपियों के चंगुल से छुड़वाया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर छह नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस जांच अधिकारी रवि के अनुसार पलवल के शेखपुरा मोहल्ला निवासी सूरज ने शिकायत दर्ज कराई है कि 12 मई की शाम सात बजे वह शादी समारोह में मौजूद था। शादी समारोह में लॉकडाउन के नियमों का उल्लघंन हो रहा था और लगभग 150 लोग मौजूद थे। उसी दौरान किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी। शादी समारोह में मौजूद पलवल निवासी राजू सहरावत ने पीड़ित पर शक जाहिर किया कि उसने पुलिस को फोन कर सूचना दी है। राजू ने पीड़ित को जलील करते हुए उसका फोन चेक किया। पीड़ित उस समय अपने घर आ गया। जिसके कुछ देर बाद राजू सहरावत, प्रवीण पंड़ित, जोगेंद्र, पवन, नरेंद्र और अभिषेक ने मिलकर पीड़ित को अगवा कर लिया और उसे अपने निजी कार्यालय पर ले आए। जहां पर पीड़ित को मुर्गा बनाया और पीछे से डंडा डाला। पीड़ित का आरोप है कि उन लोगों ने कपड़े उतरवाकर नग्न अवस्था में शराब की बोतल पर बैठाया। फोन पर संपर्क नहीं होने पर पीड़ित की पत्नी ने पुलिस अधीक्षक को फोन कर सूचना दी कि मेरे पति को कुछ लोग घर से उठाकर ले गए हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा तुंरत संज्ञान लिया और शहर थाना पुलिस को सूचित कर पीड़ित को आरोपियों के चंगुल से छुड़वाया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

शरीर के साथ मानसिक इम्युनिटी भी करें मजबूत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कोरोना के इस दौर में शारीरिक इम्युनिटी के साथ-साथ व्यक्ति की मानसिक इम्युनिटी का मजबूत होना जरूरी है। लोग अपने कोरोना से घबराएं नहीं, बल्कि इसका डटकर सामना करें। यह बात जिला उपायुक्त डा. यश गर्ग ने लोगों को मानसिक रूप से मजबूत होने का संदेश देते हुए कही।

उपायुक्त ने कहा कि कोरोना के इस दौर में लोगों के मन में भय की स्थिति है। कोरोना संक्रमित मरीजों में यह भय अपेक्षाकृत अधिक बढ़ जाता है जिससे कई बार उनकी स्थिति गंभीर हो जाती है। ऐसे में जरूरी है कि व्यक्ति मानसिक स्थिति मजबूत रखे और उचित डॉक्टरी परामर्श से अपना ईलाज करवाएं।

कोरोना संक्रमित व्यक्ति निधार्ज़रित डूज एंड डोन्टस का पालन करे और संक्रमण को लेकर अफवाहों पर ध्यान ना दे। इस दौरान व्यक्ति का संयम बने रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस चुनौतीपूर्ण समय में प्रत्येक व्यक्ति पोषण से भरपूर खान-पान लें। इसके साथ साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए नियमित व्यायाम करें।

व्यायाम शारीरिक इम्युनिटी के साथ-साथ मानसिक इम्यूनिटी को मजबूत करता है। मानसिक इम्यूनिटी के बिना शारीरिक इम्यूनिटी भी संभव नहीं है। लोग मानसिक इम्यूनिटी बढ़ाने के सरकार द्वारा जारी महत्वपूर्ण हिदायतों का पालना करें। वे मेडिटेशन, योग व प्रणायाम, परिवार व दोस्तो से बाते करे, आध्यात्मिकता से जुड़े, नई स्किल्स सीखें, अच्छी किताबें व साहित्य पढ़े। इसके साथ ही वे नकारात्मक विषयों से बचे और जरूरी हो तो 5-10 मिनट महत्वपूर्ण तथ्य जो आवश्यक हो उनके बारे में चर्चा कर सकते है। ऐसे सीरियल्स और मूवीस जिनमें हिंसा, गुस्सा और ऐसी कई चीजें जो हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छी नहीं है उनको देखने से बचना चाहिए।

एमएसपी की कानूनी गारंटी से होगा किसानों का असल सम्मान

गुरुग्राम। संयुक्त किसान मोर्चा गुरुग्राम के अध्यक्ष संतोख सिंह एडवोकेट ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान योजना की 8वीं किश्त जारी की। एक निरन्तर चल रही योजना को बार-बार त्योहार की तरह पेश करके सिर्फ छवि चमकाने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां किसान आन्दोलन में 450 के करीब किसानों की मौत हो गयी है। किसान 5 महीनों से ज्यादा सड़कों पर बैठे हैं, उस समय सरकार सिर्फ कुछ पैसे की किश्त भेजकर किसानों का सम्मान करने का दिखावा कर रही है। हम इसकी निंदा करते है। इसलिए सयुंक्त किसान मोर्चा इसे किसान सम्मान की बजाय किसान अपमान की तरह देखता है। किसानों का असली सम्मान तभी होगा जब सभी फसलों पर सभी किसानों को एमएसपी की कानूनी गारन्टी मिलेगी व सही खरीद होगी। वर्तमान में पूरे देश के किसानों की सबसे बड़ी आवश्यकता न्यूनतम समर्थन मूल्य है, जो वे अपनी फसलों पर चाहते है।

विधायक राकेश दौलताबाद के भाई का कोरोना से निधन

गुरुग्राम। बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक राकेश दौलताबाद के छोटे भाई संदीप जांघू का कोरोना से निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। राजनीतिक, सामाजिक लोगों के साथ आमजन ने भगवान से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

गत एक पखवाड़े से वह कोरोना से जूझ रहे थे। आखिरकार संदीप जांघू कोरोना से जंग हार गए और शनिवार को उनका देहांत हो गया। उनके देहांत से इलाके को भारी क्षति हुई है। क्षेत्र के मौजिज लोगों ने कहा कि संदीप जांघू ने अपने विधायक भाई राकेश के राजनीतिक सफर को सफल बनाने में अहम किरदार निभाया था। गरीब-जरूरतमंदों की सेवार्थ हमेशा तत्पर रहे। उनके ही मार्गदर्शन में हल्का बादशाहपुर ही नहीं, बल्कि अन्य इलाकों में भी जरूरतमंदों को खूब सहायता मिली। पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता, पूर्व विधायक रामबीर सिंह, पूर्व चेयरमैन राव मानसिंह, जिला परिषद के चेयरमैन संजीव राव, जिला पार्षद राव विजय पाल संटी, राजबीर शर्मा सैहदपुर, पूर्व नगर पार्षद नीरु शर्मा, अधिवक्ता संदीप यादव, सरपंच धर्मपाल गुरावलिया, समाजसेवी अशोक बंसल, संजू यादव मुबारिकपुर, विजय सैनी प्रधान, कृष्ण पंडित पातली, फूलचंद जैन फर्रूखनगर, पवन उर्फ काले सैनी पहलवान, विनोद डिघलिया, पार्षद कप्तान शर्मा, पार्षद मुरारी लाल सैनी, थानेदार बाबुलाल फर्रूखनगर, राजीव सहरावत, आनंद सिंह सहरावत सैहदपुर, सतपाल ठेकेदार पातली आदि दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए आत्मा की शांति के लिए कामना की है।

भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को किया खंडित

पलवल। चांदहट थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव हिदायतपुर में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को खंडित करने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित करने सहित जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर पांच नामजद व कुछ अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डीएसपी यशपाल खटाना के अनुसार गांव हिदायतपुर निवासी वासुदेव ने शिकायत दर्ज कराई है कि सरपंच द्वारा ग्रामीणों की सहमति पर आठ फरवरी 2017 को रेजूलेशन करके पांच अगस्त 2019 अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कराई गई थी। बाबा साहब की प्रतिमा स्थापना का गांव निवासी गौरव, जगबीर, विकास, संजीत, धर्मराज और कुछ अन्य लोगों ने विरोध किया था। लोगों की धमकी व गैर कानूनी गतिविधियां देखते हुए प्रशासन ने गांव में सुरक्षा की दृष्टि से चार-पांच पुलिसकर्मी बाबा साहब की प्रतिमा के पास तैनात किए थे।

तैमूरपुर गांव में लोगों की हुई कोरोना जांच

गांव के विद्यालय में लगाया गया कोरोना जांच शिविर

पायनियर समाचार सेवा। कलानौर (रोहतक)

रोहतक के गांव तैमूरपुर में कोरोना जांच शिविर में जांच कराते ग्रामीण।

शनिवार को खंड के गांव तैमूरपुर (जेठपुर) में कोरोना जांच शिविर लगाया गया। इस दौरान गांव के छोटे बच्चों से लेकर बड़े-बुजुर्गों की एंटी रेंटीजन कोरोना जांच की गई। जिस किसी में भी जरा से भी लक्षण दिखाई दिए, उन्हें घर में ही आइसोलेट होने की सलाह दी गई।

तैमूरपुर गांव के सरपंच विनोद कुमार मेहरा के मुताबिक गांव में कोरोना जांच शिविर की सभी ग्रामीणों को मुनादी करके जानकारी दी गई, ताकि जांच कराने के इच्छुक लोग छूट ना जाएं। सुबह ही जांच टीम गांव में पहुंची। गांव के विद्यालय में यह शिविर लगाया गया। ग्रामीण यहां सोशल डिस्टेंस बनाकर मास्क लगाए हुए यहां पहुंचे। बारी-बारी से सभी की कोरोना जांच की गई। बच्चों से लेकर बड़े-बुजुर्गों की यहां जांच की गई, ताकि कोरोना के फैलाव की किसी भी स्तर पर गुंजाइश ना रहे। सभी को सावधानी बरतने को भी प्रेरित किया गया। एंटी रेंटीजन की टेस्ट रिपोर्ट 15 मिनट में आती है। इसलिए सभी को रिपोर्ट बता दी गई। सरपंच ने शिविर के दौरान गांव के युवा समाजसेवी राजेश भट्टी, नरेश व अन्य युवाओं द्वारा किए गए कार्य की सराहना की। ग्रामीणों को सेनिटाइजर व मास्क के प्रति शिविर के दौरान भी जागरुक किया गया। सरपंच विनोद कुमार मेहरा ने पॉजिटिव आने वाले ग्रामीणों से कहा कि वे अपने घरों में ही आइसोलेट हो जाएं, यानी घरों से बाहर ना निकलें। एकांत में रहें। किसी अन्य घर के सदस्य या ग्रामीण से मुलाकात से दूरी बनाएं, ताकि कोरोना ना फैले। उन्होंने कहा कि पॉजिटिव आने वाले ग्रामीणों के आस-पड़ोस के लोग भी ध्यान दें और उन लोगों से सोशल डिस्टेंस बनाएं। साथ ही उनका ख्याल भी रखें। उन्हें किसी भी चीज की जरूरत हो तो उनकी सहायता करें। यह समय मानवता की सेवा करने का है। विनोद कुमार ने कहा कि हम सब एक हैं, लेकिन कोरोना महामारी के दौरान हम सबको एक सोच बनानी है कि हम एक-दूसरे की भलाई के लिए एक-दूसरे से दूर रहें। सामाजिक दूरी बनाकर रहें। मास्क जरूर पहनें। उन्होंने कहा कि गांव से बाहर जरूरी काम हो तभी जाएं। गांव में भी अगर किसी काम से निकलते हैं तो मास्क जरूर पहनें, ताकि खुद की व दूसरों की सुरक्षा हम कर सकें।

पंचायतों के 7वें आम चुनाव को वार्ड बंदी में 8 आपत्तियां

गुरुग्राम। पंचायती राज संस्थाओं के 7वें आम चुनाव के लिए जिला परिषद गुरुग्राम, पंचायत समिति पटौदी की वार्ड बंदी का प्रथम प्रकाशन करने उपरांत उपमंडल अधिकारी नागरिक पटौदी के पास वार्ड बंदी के प्रकाशन संबंधी आम जनता से कुल आठ आपत्तियां प्राप्त हुई।

उपमंडल अधिकारी नागरिक पटौदी द्वारा हरियाणा पंचायती राज नियमावली के नियम 4 (5) के तहत इन प्राप्त आपत्तियों की सुनवाई करने उपरांत निर्णय लिया गया। यदि किसी व्यक्ति को इन निर्णय पर एतराज है तो वह अपनी अपील 17 मई से 20 मई तक अतिरिक्त उपायुक्त गुरुग्राम के समक्ष कर सकता है। निर्णयों का उल्लेख करते हुए सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि पंचायती समिति पटौदी वार्ड नंबर 7 से गांव दौलताबाद को पंचायती समिति वार्ड नंबर 11 में तथा वार्ड नंबर 11 से गांव नानू खुर्द को वार्ड नंबर 7 में शामिल किया गया। इसी प्रकार जिला परिषद वार्ड नंबर 6 से गांव नूरपुर, भोड़ाखुर्द व बिनौला को वार्ड नंबर-7 तथा वार्ड नंबर 7 से गांव ततारपुर, मोकलवास, फकरपुर को जिला परिषद वार्ड नंबर 5 में शामिल किया गया।

इसी प्रकार गांव चांदला डूंगरवास, ग्वालियर को जिला परिषद वार्ड नंबर-6 से निकालकर वार्ड नंबर-7 में शामिल करने के एतराज को खारिज कर दिया गया है। गांव पलासोली, भौंकरका को जिला परिषद वार्ड नंबर 6 से निकालकर वार्ड नंबर-10 में शामिल करने के एतराज को स्वीकार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

सड़क किनारे पड़े पत्थरों ने बचाई तीन परिवारों की जान

सोहना। ट्रक चालक की समझदारी से तीन परिवार के दर्जनभर सदस्यों की जान बच गई। घाटी से ब्रेक फेल होने पर उतर रहा ट्रक बेकाबू हो गया। चालक ने सड़क किनारे पड़े पत्थरों की मदद से ट्रक को घरों के ऊपर गिरने से बचा लिया। शनिवार सुबह साढ़े पांच बजे तावडू की तरफ से 12 टायर वाला ट्रक 20 टन माल लेकर सोहना आ रहा था। सोहना घाटी में उतरते समय अचानक से ट्रक के ब्रेक फेल हो गए। ब्रेक फेल होने पर ट्रक बेकाबू हो गया। धीरे-धीरे ट्रक की गति बढ़ती गई। ब्रेक फेल होने पर चालक ने हिम्मत नहीं हारी। चालक ने समझदारी दिखाते हुए घाटी के देवीलाल मोड़ पर पड़े चार से पांच फुट ऊंचाई वाले पत्थरों का सहारा लेकर ट्रक को रोकने में कामयाब रहा। ट्रक पत्थर पर चढ़ने के बावजूद 20 से 25 फुट दूरी तक नीचे आया पत्थर को घसीटते हुए ले गया। देवीलाल सड़क के साथ बने तीन घरों में सो रहे सदस्यों की नींद बाहर हुए तेज शोर से खुल गई। यहां के निवासी धर्मेन्द्र ने बताया कि सड़क किनारे बने फुटपाथ और उसके नीचे पत्थर आने से उन सबकी जान बच गई। यदि ट्रक घरों के ऊपर गिर जाता तो 15 से 20 लोगों की जान चली जाती। ट्रक तावडू से माल लेकर फरीदाबाद जा रहा था।

नागरिक अस्पताल से छह कोरोना रोगी को मिली छुट्टी

सोहना। नागरिक अस्पताल कोविड वार्ड में उपचाराधीन कोरोना संक्रमित रोगियों के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है। शनिवार को छह कोरोना संक्रमितों को ठीक होने पर छुट्टी दे दी गई। सोहना व आसपास के क्षेत्र में कोरोना संक्रमण का असर कम होने लगा है। नागरिक अस्पताल के कोविड वार्ड में रोगियों की सख्या तेजी से घटने लगी है। 23 अप्रैल के बाद से कोविड वार्ड में से 40 से अधिक रोगी ठीक होकर अपने घरों को चले गए हैं। बीते चार दिनों में कोरोना संक्रमित के कुल 77 मामले आए। जबकि 80 कोरोना संक्रमित होम आइसोलेशन के दौरान ठीक हुए हैं। होम आइसोलेशन रोगियों की संख्या जो एक सौ से पार एक दिन में जा रही है। अब वह 100 से 90 के बीच में रह गई है। नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉक्टर नवल किशोर ने बताया कि कोविड वार्ड में उपचाराधीन रोगियों की संख्या में तेजी से सुधार हो रहा है। शनिवार को छह कोरोना संक्रमित ठीक होकर घर चले गए। रोगियों के लिए पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन से लेकर दवाइयां उपलब्ध हैं। पिछले चार से पांच दिन में कोरोना संक्रमण से रोगी की मौत नहीं हुई है।

चोरों ने दो जगह दिया वारदात को अंजाम

पलवल। चोर अलग-अलग थाना क्षेत्र के अंतर्गत से एक बाइक और फॉर्म हाउस से पानी की मोटर सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता संजय काद्यान के अनुसार गांव किशोरपुर निवासी राजकुमार ने गदपुरी थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि चोर गांव स्थित फार्म हाउस से 13 मई की रात को पानी की मोटर, इंवर्टर व स्टार्टर चोरी कर ले गए। इसी प्रकार चोर पलवल के श्याम नगर निवासी अरुण की बाइक को शहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत दादी मां दूध डेयरी के समीप से चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

बच्ची के साथ रहस्यमयी परिस्थिति में महिला लापता

पलवल। चांदहट थाना क्षेत्र के अंतर्गत से 29 वर्षीय महिला अपनी पांच वर्षीय बेटी के साथ रहस्यमयी परिस्थिति में लापता हो गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी रामजीवन के अनुसार एक पीड़ित व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि मेरी पत्नी पांच वर्षीय बच्ची के साथ 14 मई को बगैर कुछ बताए घर से कहीं चली गई। जिसे काफी तलाश किया, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सेवा भारती व संघ कार्यकर्ताओं ने शहर में किया वायु शुद्धिकरण

पुन्हाना। कोरोना महामारी के चलते विश्व को इस आपदा से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से सेवा भारती व संघ के कार्यकर्ताओं ने शहर में वायु शुद्धिकरण अभियान चलाया। जिसके तहत कार्यकर्ताओं ने हवन कुंड व बाल्टियों में अग्नि जलाकर सामग्री से पूरे शहर में धूनी सेनीटाइज किया। इस दौरान कार्यकर्ता शहर की ज्यादातर आबादी वाली गलियों में घूमे और वायु शुद्धिकरण किया। संघ के सह जिला कार्यवाह राजकुमार ने बताया कि संगठन के दिशा निर्देशानुसार कोरोना महामारी से मुक्ति पाने के प्रयासों के चलते आज कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे शहर में धूनी सैनिटाइज कर वायु शुद्धिकरण अभियान चलाया। अभियान के तहत हवन कुंडों व बाल्टियों में अग्नि प्रज्ज्वलित की गई और विशेष औषधियों से युक्त सामग्री व गाय का शुद्ध देसी घी लेकर लोगों से आहुति दिलवाकर वायु शुद्धिकरण का कार्य किया। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत लोगों को अपने घरों में हवन यज्ञ व धूनी लगाकर कोरोना वायरस से लड़ने की इम्युनिटी बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि विभिन्न औषधियों से युक्त सामग्री का दहन करने से जहां वायुमंडल शुद्ध होता है, वही पर्यावरण में व्याप्त विषाणु को नष्ट करने में मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि कार्यकर्ता पूरे जिले में वायु शुद्धिकरण अभियान चलाकर लोगों को राहत प्रदान करने का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला समरसता प्रमुख लालाराम भारद्वाज, सेवा भारती के जिला सचिव राजीव मंगला, जिला सेवा प्रमुख मनीष जैन, राकेश कुमार, सुनील कुमार, राजकुमार जैन, सुभाष चंद्र, विजय, अमित सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

बेसहारा हुए बच्चों की जानकारी बाल कल्याण समिति को दें

नूंह। कोरोना के चलते माता-पिता का साया उठने से बेसहारा हुए की जानकारी अपने जिले की बाल कल्याण समिति को दें। ऐसे अनाथ बच्चों को किसी भी व्यक्ति द्वारा सीधे गोद लेना या देना दोनों ही अपराध की श्रेणी में आते हैं। जिनके लिए कानून में सजा का प्रावधान है। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर इस तरह के भ्रामक प्रचार चल रहे हैं। जिनमें कोविड से अनाथ हुए बच्चों को गोद लेने की अपील की गई है। बाल कल्याण समिति नूंह के बताया कि प्रतिदिन सोशल मीडिया पर चल रहे भ्रामक प्रचारों के झांसे में न आएं। ऐसे अनाथ बच्चों के पुनर्वास करने की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की है तथा गोद लेने की एक कानूनी प्रक्रिया है। जिसके लिए स्टेट अडॉप्शन रिसोर्स एजेंसी की वेबसाईट पर जाकर अप्लाई करना होगा। ऐसे बच्चों को भावनात्क या अन्य किसी प्रकार के आवेश में किसी भी व्यक्ति को गोद न दें। हाल ही में इस संबंध में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा भी ऐसे भ्रामक प्रचारों पर संज्ञान लिया गया है। कोविड के दौर में जिन बच्चों के माता-पिता कोरोना पॉजिटिव हैं, आईसोलेशन में हैं, किसी अस्पताल में भर्ती हैं या फिर उनकी मौत हो चुकी है तो ऐसे बच्चों की पूरी देखभाल का जिम्मा जिला बाल संरक्षण ईकाई व बाल कल्याण समिति का है। ऐसे बच्चों की जानकारी तुरंत चाईल्ड हेल्प लाईन 1098 पर दें। ऐसे बच्चों को चाईल्ड हेल्प लाईन द्वारा तुरंत सहायता प्रदान की जाएगी। यदि बच्चे को किसी आश्रय की जरूरत है तो बाल कल्याण समिति द्वारा उन बच्चों को जेजे एक्ट के तहत आश्रय दिलाया जाएगा। किसी भी अनाथ बच्चे को सीधे गोद देना कानूनन जुर्म है और इसके लिए सजा का प्रावधान है।

ग्राम स्तर तक उतरीं जिला प्रशासन की 100 टीमें

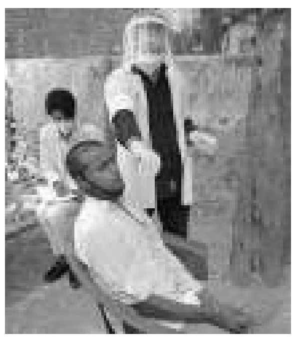

गांव में कोविड टेस्ट करती स्वास्थ्य विभाग की टीम। गांव स्तर पर बनाए कोविड सेंटर का निरीक्षण करते सीईओ जिला परिषद महावीर प्रसाद। साथ में मौजूद अन्य।

दीपक कुमार। नूंह

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निर्देश पर नूंह जिला प्रशासन गांव-गांव तक एक-एक घर की स्क्रीनिंग के लिए टीमें उतार दी हैं। पहले ही दिन इन टीमों ने जिले के 700 से ज्यादा परिवारों की स्क्रीनिंग की।

जिला उपायुक्त धीरेंद्र खड़खटा ने बताया कि नूंह जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महावीर प्रसाद की अगुवाई में 100 टीमें पूरे जिले में बनाई गई हैं। इनमें 50 टीमें फील्ड में होंगी जबकि 50 टीमें हेड क्वार्टर टीम कहलाएंगी। फील्ड टीमों का काम हर घर पर जाकर एक-एक व्यक्ति की स्क्रीनिंग करना है और जिस भी व्यक्ति में कोरोना के लक्षण मिलते हैं उनको हेड क्वार्टर टीम के पास भेजा जाएगा।

पहले ही दिन 700 से ज्यादा परिवारों की हुई स्क्रीनिंग

फील्ड की टीम में एक आशा वर्कर, एक आंगनबाड़ी वर्कर, एक पंच या सरपंच और एक बीएलओ तैनात किया है जिससे हर घर को चिह्नित कर उसके स्क्रीनिंग की जा सकें। तो वहीं पर हेड क्वार्टर टीम में एक एमपीएचडब्ल्यू, एक एएनएम और एक डाटा एंट्री ऑपरेटर रहेगा। जिनका काम फील्ड की टीम द्वारा चिह्नित लोगों का हेल्थ चेकअप करना होगा। इसके अलावा कर जरूरत पड़ती है तो गांव में ही सीमित लोगों का कोरोना टेस्ट भी किया जाएगा। ये सभी टेस्ट ग्राम स्तर पर ही रैपिड टेस्ट किट से किए जाएंगे। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महाबीर प्रसाद ने बताया कि ये टीमें हर गांव के हर घर की स्क्रीनिंग को सुनिश्चित करेंगी। जिससे ग्राम स्तर तक जो कोरोना फैल रहा है और उसके संक्रमण को रोका जा सके।

अगर किसी व्यक्ति में लक्षण दिखाई देते हैं तो वक्त पर ही उसको सही इलाज मिल सके। तो वहीं जिला उपायुक्त ने बताया कि एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सभी जिला उपायुक्तों को यह निर्देश दिए थे कि गांव-गांव तक स्क्रीनिंग की जाए इसके तहत ही पहले ही दिन जिला प्रशासन ने टीमें बनाकर गांव स्तर तक भेजी गई हैं और जल्द ही पूरा किया जाता है।

कोरोना काल में योद्धा बनकर काम कर रही है रेडक्रॉस टीम

नूंह। जिला रेडक्रॉस सचिव महेश गुप्ता ने बताया कि उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा के निर्देशानुसार जिला रेडक्रॉस टीम व समाजसेवी संस्थाऐं कोविड -19 के दौरान योद्धा के रूप में कार्य करते हुए नजर आ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि हमारी रेडक्रॉस टीम की सोच रही थी महामारी से किसी की जान न जाए बल्कि हर किसी को ठीक किया जाए इसी लक्ष्य को बढ़ते हुए रेडक्रॉस टीम पूर्ण तन्मयता के साथ कार्य कर रही है। निरंतर जन सेवा में जुटी रेडक्रॉस टीम का कहना है कि यह समय इंसानियत की नि:स्वार्थ सेवा करना है समस्त आमजन का इसमें सहयोग जरूरी है हर तरह के भेदभाव मिटाकर अपना ध्यान सिर्फ और सिर्फ इंसानियत को बचाने कर रखना चाहिए। उपायुक्त ने कहा कि हम सभी को पूरे जोश और जज्बे के साथ खुद का बचाव करते हुए कोरोना महामारी से लोगों को बचाना है। हम सब जानते हैं कि महामारी एक खतरनाक बीमारी है फिर भी रेडक्रॉस टीम समाज सेवी संस्थाएं, समाज सेवक स्वयंसेवक अपने कार्य को फर्ज मानकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर अब तक 50 से अधिक लोगों ने आनलाईन पंजीकरण करा कर लिया है ओर उन्हें होम डिलीवरी आक्सीजन सप्लाई दी जा रही है। उन्होंने बताया कि आक्सीजन नोडल अधिकारी नगराधीश जयप्रकाश व आक्सीजन सप्लाई का कार्य सचिव आरटीए जितेश कुमार द्वारा किया जा रहा है।

आयुष विभाग द्वारा योग से किया जाएगा कोरोना मरीजों का इलाज

नूंह। कोरोना के मरीज अब वायरस को मात देने के लिए दवाइयों के साथ अब योग का अभ्यास भी करते दिखाई देंगे। आयूष विभाग द्वारा जिला कोविड केयर सेंटर और डेडिकेटिड कोविड अस्पतालों में योगा सेशन कराने की व्यवस्था की गई है। जिले में योग विशेषज्ञों द्वारा सुबह और शाम के समय मरीजों को योग व प्राणायाम कराया जाएगा। नूंह जिले में योगा सेशन ऑनलाइन तरीके से कराने का फैसला लिया गया है। जिसके लिए जिले में इच्छुक कोरोना मरीजों को चिह्नित किया जा रहा है।

योग के लिए हरियाणा योग आयोग द्वारा दो मुख्य योग शिक्षक और दो सहयोग शिक्षक उपलब्ध कराए गए हैं। मरीजों को योग कराने के लिए दो ग्रुप बनाए गए हैं। जिनमें एक मुख्य योग शिक्षक और एक सहयोग शिक्षक की जिम्मेदारी लगाई गई है। मरीजों को योग दो सत्रों में कराया जाएगा। जिसमें मॉर्निंग सेशन 45 मिनट तथा इवनिंग सेशन 30 मिनट का होगा। दोनों ही सत्रों में आसन, प्राणायाम तथा क्रिया आदि कराई जाएंगी। जिसमें 6-6 मिनट का मेडिटेशन भी अनिवार्य रूप से रखा गया है। गुरुवार को जिला आयूष विभाग द्वारा योगा सेशन को कराने की योजना बनाई गई। जिसमें जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. मंजू बांगड, कोविड के नोडल अधिकारी (आयूष) डॉ. यशवीर गहलावत तथा हरियाणा योग आयोग से कार्यक्रम के कोआर्डिनेटर झम्मन सिंह सैनी ने बैठक कर इसकी चर्चा की। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी ने बताया कि जिले को दो विभागों में बांटा गया है। जिनमें से नूंह और फिरोजपुर झिरका ब्लॉक में नीरज रानी मुख्य योग शिक्षक व ज्योती यादव सहयोग शिक्षक की ड्यूटी, पुन्हाना और तावडू ब्लॉक में राजेश शास्त्री मुख्य योग शिक्षक और लालचंद आर्य को सहयोग शिक्षक के रूप में ड्यूटी लगाई गई है।

योग से मिलेगी त्वरित रिकवरी

जिला आयुर्वेद अधिकारी डा. मंजू बांगड ने कहा कि फिलहाल योगा सेशन माईल्ड कोरोना पेशंट्स के लिए रखा गया है। ऐसे मरीजों को योग के माध्यम से रिकवरी करने में मदद मिलेगी। आयूष की यह योजना निश्चित रूप से मरीजों के लिए लाभदायक सिद्ध होगी। मरीज इसका पूरा लाभ उठाएं। इसके अलावा मरीजों को आयूष विभाग की ओर से दवाओं की एक किट भी उपलब्ध कराई जा रही है। जिस स्वास्थ्य कर्मचारी की निगरानी में मरीज का ईलाज चल रहा है, इस किट को वे उन्हीं से प्राप्त कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल कंपनी ने भेंट किए स्वास्थ्य उपकरण

नूंह। लीमा मोबाइल कंपनी के गुड़गांव के डायरेक्टर धीरज निर्मल ने मोहम्मदपुर चौकी इंचार्ज अशोक कुमार के सहयोग से और डीएसपी सुधीर तनेजा की अगुवाई में पुलिस लाइन नूंह पहुंचकर एक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन जिसकी कीमत लगभग 50 हजार, 20 ऑक्सीमीटर, 13 स्वचालित सेनिटाइजर मशीन और 20 फुट सेनीटाइजर स्टेंड भेंट किया। कोरोना को देखते हुए लीमा मोबाइल कंपनी के डायरेक्टर ने ये उपकरण भेंट किए। कंपनी के डायरेक्टर धीरज निर्मल ने कहा कि पुलिस कोरोना काल में जनता की सुरक्षा के लिए 24 घंटा मुस्तैद रहती है। इसीलिए उन्होंने पुलिस को कोरोना के उपकरण भेंट करने का फैसला लिया। डीएसपी सुधीर तनेजा ने कहा कि इन उपकरणों को पुलिस लाइन में बनी अस्पताल में रखवाया जाएगा। जहां से ये उपकरण पुलिसकर्मियों के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस की मेहनत को देखते हुए कुछ कंपनियां पुलिस को कोविड के उपकरण भेंट करने के लिए हमसे संपर्क कर रही हैं जोकि एक सराहनीय कदम है। डीएसपी सुधीर तनेजा ने कहा कि पुलिस कप्तान नरेंद्र बिजारनिया के आदेशानुसार जिले में पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। लॉकडाउन का पालन कराने, लोगों को मास्क लगाने के लिए जागरुक करने और सोशल डिस्टेंस की पालना कराने आदि को लेकर एसपी के आदेशानुसार जिले में लगातार पुलिस द्वारा अभियान चलाया हुआ है। जिससे लोगों को कोरोना से बचाने में काफी मदद मिल रही है।

कोरोना के बचने को टेस्टिंग टीम का सहयोग करें ग्रामीण

फिरोजपुर झिरका। उपमुख्यमंत्री दुष्यन्त चौटाला के आदेश पर शनिवार को जजपा हल्का प्रधान समसुद्दीन गूमल ने अगोन में कोविड टेस्टिंग टीम के साथ-साथ घर टेस्टिंग के कार्य को अंजाम दिया। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि कोरोनो संक्रमण से घबराए नहीं, दिल खोल कर ग्रामीण टेस्टिंग कराएं ताकि समय रहते कोरोनो से बचाया जा सके। फिरोजपुर झिरका जजपा हल्का प्रधान समसुद्दीन गूमल ने कहा कि उपमुख्यमंत्री दुष्यन्त चौटाला के आदेश पर कोरोना महामारी से लोगों को बचाने के लिए अगोन गांव में कोविड टेस्टिंग टीम के साथ घर जा कर कोविड की जांच की। उन्होंने कहा कि लोगों में कोरोना का भय फैला हुआ है। इसलिए लोग कोरोना टेस्टिंग के जांच कराने से घबराए हुए हैं, ताकि समय रहते कोरोना संक्रमण का उपचार किया जा सके।

तावडू में दुकानदार पर लॉकडाउन का उल्लंघन करने का आरोप

तावडू। ईद से पहले तावडू शहर में एक दुकानदार द्वारा लॉकडाउन का उल्लंघन करने का मामला सामने आया है। एसडीएम के आदेश पर आरोपी दुकानदार के खिलाफ शहर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तावडू एसडीएम डॉ. नरेश कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम चार बजे के समय वह अपने स्टाफ के साथ कोविड काल में नूंह रोड पर गश्त कर रहे थे। बताया कि नगर के ग्लोबल अस्पताल के सामने गली में एक व्यक्ति सरेआम दुकान लगाकर जूते-चप्पल बेच रहा था। जबकि कोरोना महामारी के दौरान सरकार ने केवल आवश्यक वस्तु व खाद्य पदार्थों की दुकानों का खोलने का समय छह से 11 बजे तक निर्धारित किया हुआ है, लेकिन आरोपी दुकानदार कोरोना महामारी के दौरान सरेआम गली में गैर जरूरी सामान की दुकान लगाकर सरकारी आदेशों की अवहेलना कर रहा था। दुकानदार की पहचान रुकमुद्दीन निवासी वार्ड नंबर 8 तावडू के रूप में हुई है। तावडू शहर पुलिस ने आरोपी रुकमुद्दीन के खिलाफ सरकारी आदेश का उल्लंघन करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के चलते टीकाकरण चल रहा धीमा

मेवात। कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर हरियाणा के मेवात जिले में जागरुकता का अभाव और मांग कम होने की वजह से टीकाकरण सबसे कम होना मुख्य वजह निकलकर सामने आई हैं। इसके साथ - साथ ही ऑनलाइन व्यवस्था की वजह से रजिस्ट्रेशन नहीं करा पाना भी एक बड़ी वजह रही है। स्वास्थ्य विभाग ने टीकाकरण में तेजी लाने के लिए गांव- गांव का दौरा किया और 15 मार्च से ही टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया, लेकिन वैक्सीनेशन रफ्तार नहीं पकड़ पाया। डिप्टी सिविल सर्जन एवं नोडल अधिकारी डॉक्टर बसंत दुबे ने बताया कि 18 - 44 वर्ष के लोगों को जब से वैक्सीन लगना शुरू हुई है। उसके बाद भी ऑनलाइन पोर्टल को उतना इस्तेमाल इस जिले में नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा कि लोग इसके लिए सीएससी सेंटर की मदद भी ले सकते हैं। सबसे खास बात यह है कि 18 - 44 वर्ष के लोगों का टीकाकरण ऑफलाइन नहीं हो सकता और ऑनलाइन टीकाकरण का लाभ मेवात के लोगों से कहीं ज्यादा दिल्ली तक के लोग उठा रहे हैं। दिल्ली में टीकाकरण कराने के लिए भीड़ भाड़ है, इसलिए वहां तक के लोग मेवात में टीकाकरण कराने के लिए आ रहे हैं। जिला नोडल अधिकारी ने कहा कि इसके लिए पहले ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया जाता है और बाद में अपॉइंटमेंट ली जाती है। इसके लिए स्वास्थ विभाग स्लॉट खोल रहा है, लिहाजा रजिस्ट्रेशन करने वाले लोग अपने नजदीकी पीएचसी, सीएचसी के लिए अपॉइंटमेंट ले सकते हैं और आसानी से टीकाकरण करा सकते हैं। जहां तक वैक्सीनेशन के खराब होने कि बात है तो उन्होंने कहा कि वैक्सीन खराब नहीं हुई है। नेटवर्क पर अपलोड नहीं होने की वजह से कुछ दिक्कतें आई हैं। डॉक्टर बसंत दुबे ने कहा की फिजिकल वेस्टेज जिले में कुछ ज्यादा है, जबकि नेट ववेस्टेज 0.1 है, जो बहुत ही कम है। उन्होंने कहा कि कोरोना वैक्सीन के रखरखाव का स्वास्थ्य विभाग के पास पूरा इंतजाम है। शुरुआत में दवाई की शीशी खुलने के बाद इतने लोग लगवाने के लिए नहीं आ पाते थे, जितनी उसमें खुराक होती थी। जिससे बाकि डोज खुलने के कुछ घंटे बाद खराब हो जाती थी। अब इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है।

बीपीएल परिवारों को मिलेगा लाभ

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए कोरोना काल में अच्छी खबर है। हरियाणा सरकार ने बीपीएल परिवार के कोरोना संक्रमित सदस्यों की आर्थिक मदद के लिए बड़ा ऐलान किया है। बीपीएल परिवार का कोरोना संक्रमित सदस्य अगर होम क्वॉरेंटाइन में है, तो उसे 5000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। इसके अलावा अगर बीपीएल परिवार का सदस्य अस्पताल में भर्ती है और उसकी अवस्था गंभीर है, तो उसे प्रतिदिन 5000 रुपये की राशि एक सप्ताह तक सरकार द्वारा दी जाएगी। राज्य सरकार ने 5 मई को इस योजना की शुरुआत कर दी है। अभी तक इस योजना का लाभ एक भी गरीब परिवार तक नहीं पहुंचा है, लेकिन इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना संक्रमित मरीजों के आंकड़े जुटाने शुरू कर उसमें से बीपीएल परिवारों की सूची तैयार करने का अभियान शुरू कर दिया है।

यह जानकारी जिला नोडल अधिकारी प्रतिरक्षण एवं डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. बसंत दुबे ने दी। डिप्टी सिविल सर्जन डॉक्टर बसंत दुबे ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि जिन बीपीएल परिवारों के संक्रमित सदस्य को इस योजना का लाभ दिया जाएगा। उनका परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड और एसआरएफ यानि मरीज का रजिस्ट्रेशन आईडी जो बैंक अकाउंट से लिंक होगा, उसे लेकर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी पोर्टल पर ऑनलाइन करेंगे। जैसे ही दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी होगी और मरीज को पोर्टल पर ऑनलाइन कर दिया जाएगा, तो उसके खाते में सीधे यह मदद सरकार द्वारा दी जाएगी। इस योजना का लाभ उन बीपीएल परिवारों को दिया जाएगा, जो आयुष्मान भारत योजना का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। डिप्टी सिविल सर्जन ने कहा कि जिले में 350 लोग होम क्वॉरेंटाइन हैं और 50 लोगों का इलाज अल आफिया सामान्य अस्पताल मांडीखेड़ा में चल रहा है। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज तथा प्राइवेट अस्पतालों में जो लोग कोरोना संक्रमित हैं और अपना इलाज करा रहे हैं। उनकी रिपोर्ट तलब की जा रही है, इनमें से कितने ऐसे लोग हैं, जो बीपीएल परिवार से संबंध रखते हैं। उनको इस योजना का लाभ दिया जाएगा। ध्यान रहे की मेवात हरियाणा का आर्थिक एतवार से सबसे पिछड़ा हुआ जिला है। इस जिले में दूसरे जिलों के मुकाबले बीपीएल परिवारों की संख्या भी अच्छी खासी है, लेकिन अभी पुख्ता तौर पर यह कह पाना कि इतने बीपीएल परिवार कोरोना संक्रमित हैं, यह मुश्किल है।

डॉक्टर बसंत दुबे डिप्टी सिविल सर्जन नूंह।

ऑक्सीजन की होम डिलीवरी से लोगों को हो रहा फायदा

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

हरियाणा सरकार के आक्सीजन की होम डिलीवरी के फैसले का असर अब गांव-गांव तक दिखने लगा है। उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने बताया कि मरीजों को घर पर ही 24 घंटे के अंदर ऑक्सीजन के होम डिलीवरी करने की सुविधा दी जा रही है।

आपको बता दें कि हरियाणा सरकार ने एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए यह कहा था कि घर-घर तक ऑक्सीजन की होम डिलीवरी की जाएगी जिससे मरीजों को ज्यादा दिक्कतों का सामना न करना पड़े और घर पर रहकर ही उनको ऑक्सीजन की सुविधा मिल सके। फिरोजपुर झिरका के गांव रावली निवासी सूबे सिंह के परिवार की मानें तो दो दिन पहले उनका आक्सीजन लेवल 40 तक आ गया था जिसके बाद उन्होंने ऑनलाइन ऑक्सीजन की होम डिलीवरी के लिए अप्लाई किया और जिला प्रशासन की तरफ से उन्हें घर पर ही ऑक्सीजन मुहिया करा दी गई। आज सूबे सिंह का ऑक्सीजन लेवल 85 के करीब है।

नूंह जिले कई मरीजों का ऑक्सीजन लेवल घर पर ही रहकर बढ़ा

फिरोजपुर झिरका निवासी फिरोजपुर झिरका के जगदीश जैन कुछ दिन पहले कोरोना से संक्रमित हुए थे। उनके परिवार ने बताया कि जगदीश जैन का ऑक्सीजन लेवल 40 के करीब हो गया था। लेकिन घर पर ऑक्सीजन मिलने से अब उनका ऑक्सीजन लेवल 90 से अधिक है। रेडक्रॉस सचिव महेश गुप्ता ने बताया कि कोरोना से प्रभावित व्यक्ति जिसे मेडिकल आक्सीजन की आवश्यकता है वह http://o&ygenhry.in पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं जिसके बाद एक कमेटी उनकी रिक्वेस्ट को वेरीफाई करती है और उनको घर पर ही ऑक्सीजन मुहैया कराती है इसके लिए बकायदा जिले में तीन सेंटर बनाए गए हैं जहां से जल्द से जल्द ऑक्सीजन की सप्लाई सुनिश्चित की जा सके।

जिला रेडक्रॉस सचिव महेश गुप्ता ने कहा है कि सरकार की तरफ से उठाए गए कदम का फायदा आम लोगों को हो रहा है और इस तरह की सुनिश्चित व्यवस्था ही कोरोना जैसी महामारी के रोकथाम में सहायक सिद्ध हो सकती है।

ग्रामीणों की भरपूर सहायता करें : दुष्यंत चौटाला

सेनायत खां। फिरोजपुर झिरका

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से पार्टी के हल्का अध्यक्ष समसुद्दीन गूमल से बढ़ते कोरोना वायरस के प्रकोप के सम्बंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त कर कोरोना महामारी में गांव व धरातल पर लोगों को जागरूक कर पार्टी की ओर से सम्पूर्ण सहायता करने के निर्देश दिए।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने एसडीएम फिरोजपुर झिरका द्वारा अपने काम पर ध्यान न देने के बजाए स्वास्थ्य विभाग में दखल देने की एसएमओ डॉ. कृष्ण कुमार व जजपा हल्का अध्यक्ष समसुद्दीन गूमल की शिकायत पर कहा कि एसडीएम रीगन कुमार पहले भी अपने काम पर ध्यान न देने के बदले में चार बार सस्पेंड किये जा चुके हैं, उन्होंने कहा एसडीएम रीगन कुमार सबसे नकारा अधिकारी है इसका जल्दी ही ट्रांसफर किया जाएगा, समसुद्दीन गूमल ने दुष्यन्त चौटाला को बताया कि फिरोजपुर झिरका हल्के में लगभग 120 कोरोना पॉजिटिव केश है और स्थिति नियंत्रण में है।

वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जजपा नेता समसुद्दीन गूमल से जानकारी प्राप्त करते उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला।

गांव-गांव कोविड सेंटर बना रही है प्रदेश सरकार

गूमल ने बताया कि सारा कुछ कंट्रोल में होने के बाद भी स्थानीय पुलिस लोगों को प्रताड़ित कर रही है। इसके जवाब में उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि रोजा खोलने के बाद लोग कोरोना नियमों को तोड़ कर एक स्थान पर एकत्रित हो जाते थे, लेकिन अब रमजान के पवित्र महीना पूरा हो चुका है अब पुलिस किसी की अनावश्यक परेशान नहीं करेगी।

जजपा हल्का अध्यक्ष समसुद्दीन गूमल ने उप मुख्यमंत्री दुष्यन्त चौटाला को बताया कि हल्का के सभी गांवों को सेनेटाइज कराया जा चुका है और पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से गांव-गांव कोरोना संक्रमण से बचने के लिए मास्क लगाने और दो गज दूरी बनाए रखने और घरों से अनावश्यक बाहर नहीं निकलने के साथ-साथ सेनेटाइज का प्रयोग करने के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ने जजपा कार्यकर्ताओं को कोरोना महामारी में धरातल पर गांव में जाकर कर हर सम्भव सहायता करने के आदेश दिए, उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गांव-गांव कोविड सेंटर का निर्माण करा रही है। ताकि गांव के लोगों को कोरोना उपचार के लिए शहर के अस्पतालों की ओर भागना न पड़े।

दुष्यन्त चौटाला ने जजपा कार्यकर्ताओं को पंचायत स्तर पर हर सम्भव सहायता करने के लिए सरकार की ओर से बजट भेजने का भरोसा दिया।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

दबाये जा रहे ये स्वर हमारी याचना के हैं
रहे हैं अनसुने वो बोल अपनी प्रार्थना के हैं
जिसे नफ़रत के वायरस ने मिटा डाला यथासंभव
नदी में बह रहे ये शव हमारी चेतना के हैं

30 अधिकारियों को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिलाधीश एवं उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने कहा कि जिला में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए विभिन्न क्षेत्रों के लिए 30 अधिकारियों को आगामी आदेशों तक ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया जाता है। उन्होंने जारी आदेशों में कहा कि जिला बागवानी अधिकारी दीन मोहम्मद सुबह छह से दोपहर एक बजे तक, जनस्वास्थ्य विभाग के सहायक एजुकेटिव इंजिनियर हेमंत कुमार दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक और अजीत सिंह एसडीओ कृषि विभाग रात आठ बजे से सुबह छह बजे तक रोजका मेव थाना के ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

उन्होंने बताया कि कृषि विभाग के सहायक विजय कुमार सुबह छह बजे से दोपहर एक बजे तक और ताहिर हुसैन जनस्वास्थ्य विभाग दोपहर एक बजे से रात आठ बजे और राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज मालब के प्रिसिंपल रहीश अहमद रात आठ बजे से सुबह छह बजे तक थाना सीटी नूंह में बतौर ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए है। उन्होंने बताया कि इसी कडी में क्वालिटी कंट्रोल अधिकारी डॉ. अजय कुमार सुबह छह बजे से दोपहर एक बजे तक और जिला बाल कल्याण अधिकारी कमलेश शास्त्री को दोपहर एक बजे रात आठ बजे तक और जान मोहम्मद एसडीओ पंचायती राज रात आठ बजे से सुबह छह बजे तक सदर थाना नूंह के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है।

सदर थाना तावडू में राकसीसै स्कूल तावडू प्रिसिंपल अजीत सिंह को सुबह छह बजे से दोपहर एक बजे तक, एजुकेटिव इंजिनियर पंचायती राज कुलबीर दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक सैय्यद मोहम्मद एसडीओ सर्व शिक्षा अभियान को रात आठ बजे से सुबह छह बजे तक के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। विनोद कुमार प्रिसिंपल रासीसै स्कूल जौरासी सुबह छह बजे से दोपहर एक बजे तक व जिला सांख्यिकीय अधिकारी कुंदनदीन दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक और नवनीत सिंह स्टोर खरीद अधिकारी हरियाणा रोडवेज रात आठ बजे से सुबह छह बजे सीटी थाना तावडू के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है।

जिलाधीश ने बताया कि खंड कृषि अधिकारी फिरोजपुर-झिरका जगमोहन सुबह छह बजे से दोपहर एक बजे तक व खंड शिक्षा अधिकारी इंद्रजीत सिंह मजौका को दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक और आस मोहम्मद एसडीई लोक निर्माण विभाग रात आठ बजे से सुबह छह बजे तक के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। जेपी चौहान सहायक प्रोफसर राजकीय कालेज नगीना सुबह छह बजे से दोपहर एक बजे तक हयात खान खंड शिक्षा अधिकारी नगीना दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक तथा असर खान एसडीई जनस्वास्थ्य विभाग रात आठ बजे से सुबह छह बजे तक नगीना पुलिस स्टेशन के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार से पुलिस स्टेशन पिनगवां के लिए सुबह छह से दोपहर एक बजे तक रासीसै स्कूल के प्रिसिंपल बाल किशन व दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक मुस्ताक अहमद सहायक प्रोफसर रा.कालेज नगीना तथा रात आठ बजे से सुबह छह बजे तक बागवानी विभाग से राधेश्याम को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। हनीफ खान रा.कन्या.सी. स्कूल शिकरावा को सुबह छह बजे से दोपहर एक बजे तक अभयराम खंड कृषि अधिकारी पुन्हाना दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक और रासीसै स्कूल पिनगवां के प्रिसिंपल अजीत सिंह को रात आठ बजे से सुबह छह बजे तक के लिए पुलिस स्टेशन पुन्हाना में बतौर ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि ड्यूटी मजिस्ट्रेट संबंधित पुलिस कर्मियों के साथ नियमित रूप से गश्त करेंगे ताकि लॉकडाउन के प्रवर्तन को सुनिश्चित किया जा सके।

पायनियर क्लासीफाइड

सार्वजनिक सूचना

मैं, ओमवती पत्नी स्व. श्री राजेन्द्र सिंह निवासी मकान न. ए-67/आर न्यू कालोनी पलवल तहसील व जिला पलवल अपने हल्फ से घोषणा करती हूं कि मेरी बेटी स्वेता पत्नी पीयूष निवासी डी-84, सैकटर-47, नोएडा उत्तर प्रदेश से मेरा व मेरे बेटे मंयक सौरोत का कोई लेना देना ना है। और ना ही हमारा इनके किसी भी कार्य से कोई वास्ता है, और ना ही हमारा उनकी चल-अचल सम्पति व उनके फौजदारी व दिवानी मुकदमों से कोई लेना-देना है। इन दोनों के द्वारा किए गऐ किसी भी गलत कार्यो के लिऐ ये स्वयं जिम्मेवार है। हम दोनों माँ-बेटा का इन दोनों से कोई लेना-देना नही है। सम्बंधित कृप्या नोट करे।

हस्ता./- (शपथकार)

मेवात की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

बेदखली सूचना, नाम परिवर्तन, गुमशुदगी, रस्म पगड़ी इत्यादि के विज्ञापन सस्ते दरों पर प्रकाशित करवाने के लिए पायनियर परिवार से जुड़िए

कासिम खान
ब्यूरो प्रमुख (साउथ हरियाणा)
9050976800
9416103259
ओल्ड थाना पिनगवां के सामने मत्री मार्केट पिनगवां, मेवात।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

अब बच्चें पर वक्र-दृष्टि!

जबकि कोविड-19 की दूसरी लहर का कहर जारी है, डॉक्टर और विशेषज्ञ तीसरी लहर की शुरुआत की भविष्यवाणी कर रहे हैं, जो बच्चों के लिए खतरनाक है। 'मुश्बा हाशमी' बताती हैं कि बाल चिकित्सा टीके के अभाव में बच्चों की सुरक्षा कैसे की जा सकती है। लेकिन उसके लिए एक मजबूत बाल चिकित्सा एवं स्वास्थ्यरक्षा प्रणाली का होना महत्वपूर्ण है।

हम ठीक उसी के बीच में फंस गए हैं जो कोविड-19 की एक बहुत ही घातक दूसरी लहर प्रतीत होती है। प्रति दिन 3.5 लाख से कम मामलों के साथ, वक्र जल्द ही किसी भी समय समतल होता नजर नहीं आ रहा है। हालांकि, खौफ यहीं खत्म नहीं होता है। डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने कोविड-19 की तीसरी लहर की भविष्यवाणी करना शुरू कर दी है जिसके और अधिक कहर बरपाने की आशंका है। इससे भी ज्यादा, क्योंकि यह बच्चों को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है।

हालांकि यह चिंता का एक प्रमुख कारण है, लेकिन यहां सवाल यह है कि हम आगामी तीसरी लहर से निपटने के लिए कितने तैयार हैं? इसका उत्तर शायद वह नहीं है जो हम सुनना चाहते हैं।

''वायरस अतिसंवेदनशील आबादी का शिकार करते हैं। वर्तमान में स्कूल बंद होने के कारण, शैक्षणिक संस्थान फिर से खुलने के बाद बच्चे वह समूह होंगे। यह तीसरी लहर लाएगा जो बच्चों को बड़े समय तक प्रभावित करेगी'', यह कहना है एमबीबीएस, एमडी (पीडियाट्रिक्स), अमेरिकन बोर्ड ऑफ द पीडियाट्रिक्स के डिप्लोमेट, फेलोशिप-संक्रामक रोग और मुख्य सलाहकार-वरिष्ठ सलाहकार, बाल रोग, इंद्रधनुष बच्चों के अस्पताल, डॉ अरविंद तनेजा का।

बच्चों के लिए एक प्रभावी टीके के अभाव में, वे सबसे अतिसंवेदनशील समूह बन जाते हैं और मास्क लगाना और साफ-सफाई रखना ही एकमात्र रास्ता है।

वो आगे बताते हैं, ''जब 70 से 85 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण किया जाता है, तो लोगों, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा के लिए 'झुंड प्रतिरक्षा' शुरू हो जाती है। तब तक मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग बच्चों के लिए भी आदर्श है''। उनका कहना है कि जरूरत बच्चों में टीके के परीक्षण में तेजी लाने की है। यदि टीकाकरण वाले वयस्क सुरक्षित हैं तो बच्चों को भी होना चाहिए। हमने पोलियो, खसरा, कण्ठमाला, रूबेला लाइव वायरल टीकों के साथ 60 साल तक और वायरल इन्फ्लूएंजा के साथ 40 साल तक कुछ महीनों के शिशुओं में इसका अनुभव किया है। तनेजा कहते हैं और आपको बताते हैं कि टीकों का बाल चिकित्सा परीक्षण अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है।

उनका कहना है कि तीसरी लहर कब आएगी यह कहना मुश्किल है।

निराशाजनक तथ्य यह है कि हमने बाल चिकित्सा देखभाल पर पर्याप्त जोर नहीं दिया और परिणामस्वरूप हम इसमें पिछड़े हुए हैं।

वो बताते हैं, ''कोविड-19 बाल चिकित्सा के लिए भारत की तैयारी बहुत ही अपर्याप्त है। हमारे पास देश में बहुत कम बाल चिकित्सा अस्पताल हैं, बहुत कम बाल चिकित्सा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ और बाल चिकित्सा प्रशिक्षित नर्स हैं। तीसरी लहर के लिए तैयार रहने के लिए, भारत के प्रत्येक बड़े और मध्यम आकार के शहर में इस नाजुक आबादी की देखभाल के लिए कम से कम एक समर्पित बच्चों का अस्पताल होना चाहिए ताकि हम कोविड-19 जैसी आपदा आने पर तैयार रहें। यह तीसरी लहर में होने की उम्मीद है।''

हालांकि, उम्मीद की बात यह है कि डॉक्टरों के अनुसार मई के अंत तक हम मामलों में गिरावट की उम्मीद कर सकते हैं।

''एक अध्ययन के अनुसार, हम ज्यादातर राज्यों में मई के अंत तक मामलों में गिरावट की उम्मीद कर सकते हैं। कोरोनावायरस के मामलों की एक या दो और चोटियां हो सकती हैं लेकिन वे मौजूदा लहर जितनी बड़ी नहीं हो सकती हैं। अलग-अलग राज्य अलग-अलग समय पर चोटियों को देख सकते हैं। भविष्यवाणी है कि भारत में इस सप्ताह के अंत तक हम सभी को एक साथ गिरावट का रुझान देखने को मिल सकता है। लेकिन अगर हमें एक राष्ट्र के रूप में जांचना है, तो सभी संचयी आंकड़ों के साथ, हम या तो अपने चरम पर हैं या इसके बहुत करीब हैं। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग प्रक्षेपवक्र होंगे।'' यह कहना है क्रिटिकल केयर, एनेस्थीसिया और इमरजेंसी मेडिसिन, रीजेंसी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, लखनऊ, डॉ यश जावेरी का।

उनका कहना है कि तीसरी लहर अगले दो-तीन महीनों में कुछ राज्यों में दस्तक दे सकती है।

डॉ आर्य बताते हैं, ''अगर हम सख्त उपाय करते हैं, तो तीसरी लहर सभी जगहों पर नहीं हो सकती है या दूसरी लहर जितनी बड़ी नहीं हो सकती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हर जगह राज्यों, जिलों और शहरों में स्थानीय स्तर पर नियंत्रण उपायों को प्रभावी ढंग से कैसे लागू किया जाता है। कुछ महीनों में, जब लोगों की स्वाभाविक रूप से विकसित प्रतिरक्षा या टीकाकरण की मदद से कमजोर हो जाती है, तो वायरस फिर से हमला कर सकता है। केवल एक चीज जो वायरस को वापस उछलने से रोक सकती है, वह यह है कि लोग अपनी रक्षा कैसे कर रहे हैं।''

वह कहते हैं कि अगर लोग आने वाले महीनों में कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करते हैं जिसमें डबल मास्किंग, हैंड सैनिटाइज़र का उपयोग करना, सामाजिक दूरी बनाए रखना और अनावश्यक रूप से बाहर जाने से बचना शामिल है, तो हम शायद संकट को चरम तक पहुंचने से रोक सकते हैं।

''अगर हम बहुसंख्यक आबादी का टीकाकरण करने में सक्षम हैं तो तीसरी लहर की भयावहता कम हो जाएगी।''

हालांकि, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट के रेस्पिरेटरी मेडिसिन के वरिष्ठ सलाहकार डॉ अनिमेष आर्य का मानना है कि गिरावट की प्रवृत्ति का अनुमान लगाना मुश्किल है।

उनका कहना है कि, ''इस बात का कोई निश्चित जवाब नहीं है कि हम कब मामलों में गिरावट की उम्मीद कर सकते हैं, लेकिन महामारी विज्ञानियों को लगता है कि सभी चोटियों के साथ दो से तीन महीने के बाद गिरावट आएगी, इसलिए जून में गिरावट की उम्मीद है। लेकिन हम पहले की तरह अपनी भविष्यवाणियों से दूर हो सकते हैं।''कई वैज्ञानिक, संक्रामक रोग विशेषज्ञ और अर्थशास्त्र और मॉडलिंग पृष्ठभूमि के लोग तीसरी लहर की भविष्यवाणी करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जो गंभीर महामारी विशेष रूप से स्पेनिश फ्लू के पिछले प्रकोप पर आधारित है, प्रेस में सभी उम्मीदें हैं और सितंबर-अक्टूबर में हो सकता है।

> **''अगर हम सख्त उपाय करते हैं, तो तीसरी लहर सभी जगहों पर नहीं हो सकती है या दूसरी लहर जितनी बड़ी नहीं हो सकती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हर जगह राज्यों, जिलों और शहरों में स्थानीय स्तर पर नियंत्रण उपायों को प्रभावी ढंग से कैसे लागू किया जाता है। कुछ महीनों में, जब लोगों की स्वाभाविक रूप से विकसित प्रतिरक्षा या टीकाकरण की मदद से कमजोर हो जाती है, तो वायरस फिर से हमला कर सकता है। केवल एक चीज जो वायरस को वापस उछलने से रोक सकती है, वह यह है कि लोग अपनी रक्षा कैसे कर रहे हैं**

आर्य बताते हैं कि, ''यह भी माना जा रहा है कि 12-15 आयु वर्ग के बच्चे तीसरी लहर में बड़े पैमाने पर प्रभावित होने की संभावना है क्योंकि वे अनुभवहीन हैं और नया उत्परिवर्ती तनाव बहुत शक्तिशाली है और यह उन लोगों की प्रतिरक्षा को चुनौती देता है जो टीकाकरण द्वारा, प्राकृतिक रूप से संरक्षित या आंशिक रूप से संरक्षित नहीं हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि बीमार रोगियों के इलाज और मृत्यु दर को रोकने के लिए तृतीयक स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे का निर्माण आवश्यक है, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रारंभिक पहचान, सभी स्तरों के संपर्कों का व्यापक परीक्षण, उन्हें अलग करना और उनका इलाज करना प्राथमिक उद्देश्य है। समय से पहले गंभीर जटिलताओं से बचाना और उपचार करके मृत्यु से रक्षा करना ही कारगर उपाय है।

कहा जा रहा है कि, ऐसे कई डॉक्टर हैं जो मानते हैं कि बच्चों पर उतना बुरा असर नहीं पड़ेगा जितना कि अनुमान लगाया जा रहा है, क्योंकि ये सभी भविष्यवाणियां आंकड़ों पर आधारित हैं। इसलिए माता-पिता को ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हम आवश्यक सावधानियां कम कर दें। वैक्सीन की उपस्थिति या अनुपस्थिति दोनों में सभी सावधानियां बरतनी होंगी।

चाइल्ड एक्सपर्ट अनिल बाजवा बताते हैं, ''इस बात का कोई सबूत नहीं है कि तीसरी लहर बच्चों पर चोट करेगी, ऐसा हो सकता है, लेकिन ये केवल भविष्यवाणियां हैं। हालाँकि, बच्चों में लक्षण आमतौर पर आज तक हल्के होते हैं, लेकिन यह उनके लिए टीकाकरण के महत्व को प्रभावित नहीं करता है। हम अनुमान नहीं लगा सकते हैं कि तीसरी लहर में लक्षण गंभीर होंगे या नहीं। हालांकि, बाल चिकित्सा टीके की अनुपस्थिति में सावधानी बरतने का एकमात्र तरीका है। प्रतिरक्षा एक और महत्वपूर्ण चीज है। बच्चों को उनके आहार में ढेर सारी हरी पत्तेदार सब्जियों और फलों सहित पौष्टिक आहार देना चाहिए। उन्हें हाइड्रेट रखें। नारियल पानी दिन में दो बार काम कर सकता है। जंक से हर कीमत पर बचें, और अंत में, यह भी कि उनको विटामिन सी सेवन बढ़ाएं।''

हालांकि महाराष्ट्र जैसी कई राज्य सरकारों ने बाल चिकित्सा केंद्र स्थापित करके तीसरी लहर के लिए तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन आवश्यकता कम मृत्यु और अधिक वसूली के साथ तीसरी लहर से निपटने के लिए बाल चिकित्सा अस्पतालों, आईसीयू बेड और देखभाल केंद्रों की संख्या बढ़ाने की है।

बाजवा कहते हैं, ''तीसरी लहर के प्रभाव को रोकने के लिए, बच्चों के लिए आईसीयू बेड और अस्पतालों की संख्या में वृद्धि करना, बोर्ड पर अधिक बाल चिकित्सा नर्सों को लाना और यह भी सुनिश्चित करना है कि बच्चों की देखभाल के लिए पर्याप्त डॉक्टर हों। हमारे स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे में मूल रूप से सुधार की जरूरत है, जो निश्चित रूप से इस समय संभव नहीं है। इसलिए, अब एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, जो उचित कर्मचारियों से सुसज्जित हो ताकि डॉक्टरों और नर्सों को थकान से जूझना न पड़े।''

बच्चों को संक्रमित होने के जोखिम से बचाने के कई तरीकों में से एक है माता-पिता को जल्दी से टीका लगवाना।

''यह बच्चे नहीं हैं जो वायरस ले जाते हैं, यह उनके माता-पिता या परिवार हैं जो वायरस से गुजरते हैं। इस तथ्य का समर्थन करने के लिए कोई रिपोर्ट नहीं है, लेकिन यह एक अवलोकन है जो पहली और दूसरी लहर के दौरान किया जाता है। इसलिए, बच्चों को संक्रमण की चपेट में आने से रोकने के लिए, बड़ों को दोनों खुराकों के साथ जल्दी से टीका लगवाने की जरूरत है। टीके की कमी के साथ, यह एक कठिन कार्य लग सकता है, हालांकि संभावित तीसरी लहर के प्रभाव को कम करने के लिए यह एकमात्र संभव विकल्प है।''

और बाकी उपायों के अलावा, हमें व्यस्त अस्पतालों का समर्थन करने के लिए, कोविड लहर के आधार पर एक शहर से दूसरे शहर में जाने के लिए स्टैंडबाय पर युवा नर्सों और डॉक्टरों की एक सेना तैयार करने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें उन्हें बड़े पैमाने पर प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अकेले पैसा, युवाओं को कोविड आईसीयू वार्डों में अपनी जान जोखिम में डालने के लिए प्रेरित नहीं करेगा।

और अंत में, हल्के लक्षण वाले रोगियों को तुरंत अलग किया जाना चाहिए, ताकि उनमें संक्रमण फैलने का खतरा कम हो सके।

आर्य बताते हैं, ''वक्र को समतल करने के लिए और झुंड प्रतिरक्षा या निष्क्रिय प्रतिरक्षा की कमी के कारण उच्च जोखिम वाले बच्चों की कमजोर आबादी के जोखिम को कम करने के लिए, हल्के रोगसूचक रोगियों को संक्रमण मुक्त होने तक अलगाव की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए क्योंकि संक्रमण दर इस समय अधिक है।''

गांव कालरों में संक्रमण फैला तो संघ के स्वयंसेवकों ने संभाली कमान

कार्यकारी वाइस चेयरमैन ने की गांव को सैनेटाइज करने की शुरूआत

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

कालरों गांव में कोरोना संक्रमण का प्रकोप बढ़ते देख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक सब काम छोड़कर आगे आये। पंचायत विभाग के साथ मिलकर गांव को सैनेटाइज करने का अभियान शुरू कर दिया। इस अभियान की शुरुआत शनिवार को स्वच्छ भारत मिशन के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चन्द्र ने की।

उन्होंने गांव के स्कूल को सबसे पहले सैनेटाइज किया। इस मौके पर उन्होंने कालरों गांव में पंचायत विभाग द्वारा बनाये गए आइसोलेशन केंद्र का दौरा कर सुविधाओं का जायजा भी लिया।

सुभाष चन्द्र ने कहा कि कालरों एक गांव ही नही अपितु मेरी जन्मभूमि भी है। जिस गांव की मिट्टी में खेलकूद कर पले बढ़े आज उसके प्रति फर्ज निभाने का समय है। उन्होंने गांव वासियों से अपील करते हुए कहा कि इस महामारी को हल्के में न लें। अपना व अपने परिवार का पूरा ध्यान रखें, इस संकट की घड़ी में सरकार व प्रशासन आपके साथ है। मुझे आपसे कोविड नियमों के सहयोग की अपेक्षा हैं। सुभाष चंद्र ने कहा कि मुझे जैसे ही सूचना मिली कि गांव में काफी लोग संक्रमित है तो मैंने तुरंत घरौंडा उप स्वास्थ्य केंद्र के इंचार्ज डॉ मनीष गोयल से सारी स्थिति की जानकारी ली। सभी संक्रमित लोगों को मेडिकल सुविधा मिले ये सुनिश्चित कराया।

इसके अलावा मुनक खण्ड विकास अधिकारी सुमित चौधरी से बात कर गांव में आइसोलेशन वार्ड बनाने और सैनेटाइज कराने के भी निर्देश दिए। गांव में कोरोना मरीजों के लिए अब आइसोलेशन वार्ड बनकर तैयार है। सुभाष चन्द्र ने कहा कि आज शनिवार को मैंने इस वार्ड का निरीक्षण किया। जो आवश्यक सुविधाएं बाकी थीं, उन्हें जल्द पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस आइसोलेशन सेंटर की सभी व्यवस्थाएं संघ के स्वयंसेवक देखेंगे। किसी मरीज को अगर कोई आवश्यकता है तो उसे भी ये स्वयंसेवक पूरा करेंगे। पूरे गांव को वार्ड अनुसार विभाजित किया गया है और गांव के हर एरिया को सैनिटाइज किया जाएगा।

सैनेटाइजेशन के दौरान स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चन्द्र के साथ सरपंच प्रतिनिधि सुरेन्द्र राणा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुटेल खण्ड कार्यवाह योगेश कुमार, मंडल शारीरिक प्रमुख संदीप लोहट, युवा राष्ट्रीय अवार्डी सोम महर्षि ग्राम सचिव विजेंद्र, सुशील फौजी, मोहिंद्र, अंकित चौहान, प्रदुमन, बबलू राणा, शिवम, गौरव आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

यज्ञ के बाद महामारी के रूप में प्रकृति के कोप में आएगी शांति

भिवानी। विश्व भर में फैली कोरोना महामारी के निवारण के लिए भारत माता सेवा चैरिटीबल ट्रस्ट के अध्यक्ष आचार्य माई महाराज द्वारा कुसुमेश्वर महादेव मंदिर में आज शनिवार को पांच दिवसीय महामारी निवारण यज्ञ प्रारम्भ किया। यज्ञ शास्त्री हर्ष भट्ठ और मुक्तानंद महाराज ने मंत्रोच्चारण के साथ प्रारम्भ किया। यज्ञ में प्रथम आहूति आचार्य माई महाराज ने डाली। आज पहले के दिन के यजमान अखंड भारत मंदिर निर्माण समिति के संयोजक ईश्वर धामु, भिवानी हलचल के मालिक प्रदीप चौहान और जर्नलिस्ट मुकेश वत्स थे। इस मौके पर आचार्य माई महाराज ने कहा कि महामारी के इस विकट समय में यज्ञ का अध्यात्मिक और वैज्ञानिक महत्व है। हर हिन्दू धर्म ग्रंथों में बताया गया है कि जब भी पृथ्वी पर कोई संकट आया है तो ऋषि-मुनियों ने यज्ञ करके देवाओं का आह्वान किया था। ऋषि-मुनियों के आह्वान पर देवता प्रकट हुए और संकट को दूर किया। दूसरी ओर यज्ञ से वातावरण में शुद्धता आती है। वायु में आक्सीजन का स्तर बढ़ता है। आचार्यश्री ने कहा इस यज्ञ के माध्यम से वे भी परमपिता परमात्मा से विश्व के प्राणियों की रक्षा करने की प्रार्थना करेंगे। उन्होने विश्वास जताया कि निसंदेह यज्ञ के बाद महामारी के रूप में प्रकृति के कोप में शांति आयेगी। उन्होंने आह्वान किया कि इस कोरोना के विकट काल में हर व्यक्ति को अपने-अपने घरों में हवन करना चाहिए, ताकि पूरे वातावरण में शुद्धता आए। उन्होंने बताया कि अब तो महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए देश के संत-महात्मा भी प्रकृति को प्रसन्न करने को आगे आने लगे हैं। उन्होंने विश्व शांति का आशीर्वाद दिया।

बिना काम घूमने वालों पर रहेगी सख्ती

भिवानी। जिलाधीश जयबीर सिंह आर्य ने कोरोना वायरस के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए जिले के शहरी क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न गांवों को हॉटस्पॉट निर्धारित किया गया है। इन क्षेत्रों में लोगों के बिना किसी काम के आवागमन पर पूर्ण पाबंदी लगाई गई। आमजन की सुरक्षा के लिए बिना किसी काम के घर से बाहर घूमते मिलने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। जिलाधीश ने बताया कि भिवानी के शहरी क्षेत्र में दादरी गेट, विद्यानगर, सेक्टर-13, महम गेट, पुराना हाऊसिंग बोर्ड तथा ग्रामीण क्षेत्र में लोहारू, सिवानी, बडवा, रतेरा, ढाणी माहू, ढिगावा, मानेहरू, बवानी खेड़ा तथा तिगड़ाना गांव को हॉटस्पॉट में शामिल किया गया है। इन क्षेत्रों में लोगों को किसी अतिआवश्यक कार्य को छोड़कर आवागमन पर प्रतिबंद रहेगा। जयबीर सिंह आर्य ने लोगों को अपने घरों में रहने, एक-दूसरे से सम्पर्क में न आने, गांव में ताश न खेलने, एक-दूसरे के साथ हुक्का न पीने के लिए अनुरोध किया गया है। मुंह पर मास्क का प्रयोग करने, सोशल डिस्टेंस का ख्याल रखने, बार-बार अपने हाथों को साबुन से धोने व सैनेटाइजर का प्रयोग करें। आर्य ने बताया कि जिले में गत सप्ताह से कोरोना वायरस के संक्रमण से रिकवरी रेट बढ़ता जा रहा है।

55 ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर और पांच एंबुलेंस बसें मिलेंगी आज: मंत्री

टेस्टिंग और वैक्सीनशन के लिए ग्रामीणों को जागरुक करेंगे भाजपा कार्यकर्ता: जेपी दलाल

विधायक घनश्याम की सेवा रसोई से प्रतिदिन 250 जरुरतमंद लोगों को मिलेगा भोजन

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

भारतीय जनता पार्टी जिला भिवानी की कोर ग्रुप बैठक वर्चुअल माध्यम से जिला अध्यक्ष शंकर धूपड़ की अध्यक्षता में सम्पन हुई। बैठक को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि हमने जिला भर में

ज्यादा से ज्यादा टेस्टिंग और वैक्सीनेशन के आदेश दिए हैं। जिस पर अमल हो रहा और गांवों में भी टेस्टिंग व वैक्सीनशन की सुविधा की गई है। सभी अस्पतालों में हर प्रकार की सुविधा करवाने के प्रयास किये हैं, जिसमें हम सफल भी हुए हैं। उन्होंने कहा आज 55 ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर आ जाएंगे। जिनको भिवानी जिला के विभिन्न स्थानों व अस्पतालों में दिया जाएगा। उन्होंने कहा हरियाणा सरकार ने सरकारी बसों को एम्बुलेंस के तौर पर इस्तेमाल करने का निर्णय लिया है। इसमें भिवानी जिला को 16 मई को आज पांच एम्बुलेंस बस मिलेंगी। उन्होंने कहा सरकार व संगठन के प्रयासों से पॉजिटिविटी रेट में गिरावट आई है। ठीक होने वालों की संख्या में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा भाजपा कार्यकर्ताओं की टीमें गांव-गांव जाकर लोगो को टेस्टिंग और वैक्सीनेशन करवाने के लिए प्रेरित करेंगी।

सांसद धर्मबीर सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार और संगठन मिलकर आमजन की हर सम्भव मदद कर रहे है। उन्होंने कहा अभी हमें और ज़्यादा प्रयास करने होंगे ताकि इस महामारी पर हम विजय प्राप्त कर सकें। विधायक घनशयाम सर्राफ ने बताया कि हमने भिवानी में सेवा रसोई की शुरुआत की है, जिसमें प्रतिदिन 250 लोगों का खाना बनता है।

डीसी ने किया स्टार और अग्रवाल ऑक्सीजन रिफिल सेंटर का निरीक्षण

जरूरत के हिसाब से करें प्रयोग ऑक्सीजन की नहीं होने दी जाएगी कमी: यशेन्द्र सिंह

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

डीसी यशेन्द्र सिंह ने बावल स्थित स्टार और अग्रवाल ऑक्सीजन रिफिल सैंटर का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और ऑक्सीजन वितरण कार्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने बताया कि आज शनिवार की सायं से स्टार ऑक्सीजन रिफिल सेंटर से भी सप्लाई शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि आज रेवाड़ी को 10 एमटी ऑक्सीजन की सप्लाई मिलने की उम्मीद है। उन्होंने ऑक्सीजन वितरण पर लगाए गए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि स्टॉक व वितरण का कार्य पूरा पारदर्शी तरीके से हो। यदि ऑक्सीजन वितरण में किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई गई तो उस अधिकारी व कर्मचारी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने स्टार व अग्रावल ऑक्सीजन रिफिल सेंटर के संचालकों से कहा कि वे ऑक्सीजन की सप्लाई मिलते ही बिना देरी किए उसकी रिफिलिंग का कार्य शुरू करें ताकि ऑक्सीजन सप्लाई की चैन बनी रहे।

यहां यह भी बता दें कि जब भी ऑक्सीजन का टैंकर बावल पहुंचता है तो डीसी यशेन्द्र सिंह भी तुरंत मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करते हैं।

ड्यूटी में लापरवाही पर डीसी ने पांच कम्प्यूटर ऑपरेटर हटाए

रेवाड़ी। कोरोना महामारी से निपटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगाई गई ड्यूटी में लापरवाही करने पर डीसी यशेन्द्र सिंह ने आदेश जारी करते हुए पांच कम्प्यूटर ऑपरेटरों को हटा दिया है।

गौरतलब है कि कोविड-19 से निपटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा कुछ कम्प्यूटर ऑपरेटरों की ड्यूटी लगाई गई थी। इन ऑपरेटरों में डीआईटीएस के मध्यम से लगी महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर मुकेश व लक्ष्मी के अलावा अमरदीप, कार्तिक कौशिक व जीतू सिंह भी शामिल थे, जिनकी ड्यूटी कोविड के लिए स्वास्थ्य विभाग में लगाई थी, लेकिन इन पांचों ऑपरेटरों ने सीएमओ कार्यालय में रिपोर्ट नहीं की।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सैनेटाइजेशन का कार्य जारी: डीसी

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

कोरोना संक्रमण के प्रकोप को समाप्त करने के लिए जिला के शहरी क्षेत्रों में नगर परिषद व नगर पालिकाओं व ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत विभाग की ओर से सैनेटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है।

यह जानकारी देते हुए डीसी यशेन्द्र सिंह ने बताया कि शहरी क्षेत्र के लिए जिला नगरायुक्त दिनेश यादव व ग्रामीण क्षेत्र के लिए डीडीपीओ एचपी बंसल की देखरेख में यह कार्य हो रहा है। यहां बता दें कि रेवाड़ी शहर के मॉडल टाउन सहित कई क्षेत्रों में तथा पंचायत विभाग द्वारा जिला के 300 से अधिक गांवों में सैनिटाईजेशन का कार्य किया जा चुका है। जिला के शेष बचे गांवों को भी जल्द ही कवर कर लिया जाएगा।

रेवाड़ी शहर के माडल टाउन में सैनेटाइजेशन करता एक कर्मचारी।

एसओपी का पालन न करने पर दुकानों के काटे गए चालान

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

कोरोना महामारी में जिला प्रशासन ने दुकानदारों के लिए एसओपी जारी की हुई है। शहर में एसओपी का पालन हो रहा है अथवा नहीं इसका निरीक्षण करने के लिए एसडीएम रेवाड़ी रविन्द्र यादव के नेतृत्व में निरीक्षण टीम ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चार दुकानें खुलीं पाई गईं। जो कि एसओपी नियमों की अवहेलना कर रहे थे। एसडीएम रविन्द्र यादव ने इन दुकानों पर 45 सौ रुपये का जुर्माना किया है।

एसडीएम ने कहा कि रेवाड़ी सब डिवीजन में दुकानों का औचक निरीक्षण लगातार जारी रहेगा। उन्होंने दुकानदारों से अपील की है कि वे कोरोना संक्रमण को रोकने में जिला प्रशासन का सहयोग करें। सरकार द्वारा जारी की गई एसओपी का पालन करें। उन्होंने कहा कि पैसा तो पूरी जिंदगीभर कमा सकते हैं लेकिन यदि जिंदगी नहीं रही तो फिर ये पैसे किस काम के रहेंगे।

निर्धारित रेट पर ही सामान की बिक्री करें: नगर आयुक्त

जिला नगरायुक्त दिनेश यादव ने कहा कि शहरी क्षेत्र में सभी दुकानदारों को एसओपी का पालन करना चाहिए। दुकानदारों के लिए यह नफा-नुकसान देखने का समय नहीं है। जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित किए गए रेट पर ही सामान की बिक्री करें अधिक रेट वसूलने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

कोविड के मद्देनजर सीएनएच इंडस्ट्रियल ने गठित की टास्क फोर्स

कंट्री मैनेजर रौनक वर्मा ने कहा, कर्मचारियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा महत्वपूर्ण

पायनियर समाचार सेवा। पानीपत

वैश्विक महामारी कोविड के मद्देनजर कॉरपोरेट जगत ने अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों की मदद के लिये कमर कस ली है। इसी कड़ी में सीएनएच उद्योग समूह ने भी अपने कर्मचारियों के हित में टास्क फोर्स गठित किया है। जिससे प्रभावित कर्मचारी व उनके परिवार को फौरन मदद दी जा सके। कंपनी ने संक्रमित कर्मचारियों और परिवारजनों के लिये क्वारंटीन में पचास हजार की आर्थिक सहायता का प्रावधान रखा है। उनके लिए एक होम केयर कवरेज भी है। जिसके तहत घर पर रिकवर करते कर्मचारी और परिवार के प्रत्येक सदस्य को बीस हजार तक का कवर है। कंपनी ने अपोलो अस्पताल से करार कर कर्मचारियों के लिये चौबीस घंटे चिकित्सा परामर्श हेल्पलाइन रखी है। कर्मचारियों की हेल्थ पर ट्रेक रखने के लिये गठित की गई टास्क फोर्स इमरजेंसी के दौरान अस्पतालों से संपर्क कर बैडों, दवाइयों, आक्सीजन आदि की तुरंत व्यवस्था करती है। कंपनी ने चीन और ईटली के ग्लोबल पार्टनर्स के सहयोग से आक्सीजन कंसेंट्रेटर प्राप्त करने का काम किया है। जिससे की इमरजेंसी के दौरान कर्मचारियों को उपलब्ध करवाये जा सकें।

इस अवसर पर सीएनएच इंडस्ट्रियल, इंडिया और सार्कद्ध के कंट्री मैनेजर रौनक वर्मा ने बताया कि कंपनी के लिये सबसे महत्वपूर्ण कर्मचारियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा है। हमारी टीम विषम परिस्थियों में कर्मचारियों के तत्पर सुविधाएं देने के लिये तैयार है। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने कर्मचारियों को वैक्सीन लगाने के भी लिये प्रतिबद्ध है ।

हिंदुजा फाउंडेशन ने कोविड काल में मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने को चोपड़ा फाउंडेशन के साथ सहयोग किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम/फरीदाबाद।

हिंदुजा फाउंडेशन, जो एक सदी पुराने हिंदुजा ग्रुप की कल्याणकारी शाखा है, मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के क्षेत्र में कदम रख रही है। चोपड़ा फाउंडेशन, जॉन डब्ल्यू ब्रिक मेंटल हेल्थ फाउंडेशन और सीजी क्रिएटिव्स के साथ मिलकर, यह फाउंडेशन, नेवर अलोन ग्लोबल मेंटल हेल्थ (वर्चुअल) सम्मेलन के भीतर तीन घंटे के स्पॉटलाइट इंडिया खंड का सह-प्रायोजन करेगा। इस खंड को सत्या हिंदुजा के एल्केमिक सोनिक एनवायरमेंट द्वारा तैयार किया जायेगा। जिससे कि बहुसंवेदी, गहन श्रवणात्मक अनुभव कायम। स्पॉटलाइट इंडिया के स्टार वक्ताओं में सद्गुरु, अभय देओल व अन्य शामिल हैं। इस वर्चुअल समिट को फेसबुक, यूट्यूब और अन्य मीडिया प्लेटफॉर्म पर शुक्रवार 21 मई 2021 को लाइव स्ट्रीम किया जाएगा

हिंदुजा समूह के सह-अध्यक्ष और हिंदुजा फाउंडेशन के ट्रस्टी, गोपीचंद पी. हिंदुजा ने कहा, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं अपने आप में एक मूक और अचिह्नित महामारी हैं। अक्सर झूठी मान्यताओं के कारण उनकी गंभीरता से मुंह फेर लिया जाता है। जिसके चलते स्थिति बद से बदतर होती जाती है। ऐसे में उनके लिए चिकित्सकीय हस्तक्षेप आवश्यक हो जाता है। कुछ समाजों में, उस हस्तक्षेप की मांग करना अपने आप में एक चुनौती बन जाता है क्योंकि उन समस्याओं को कलंक के रूप में देखा जाता है। मेरी राय में, पीड़ित व्यक्ति में आत्म-सम्मान और विश्वास की भावना पैदा करने के लिए विभिन्न आध्यात्मिक-चिकित्सीय हस्तक्षेपों की आवश्यकता होती है, ताकि उन्हें कतई यह न लगे कि वो अकेले हैं। यह शिखर सम्मेलन इस तरह की उच्च संभावनाओं का संपूर्ण एकीकरण प्रस्तुत करता है।

द चोपड़ा फाउंडेशन के संस्थापक, प्रबंध निदेशक, डॉ. दीपक चोपड़ा ने कहा, चोपड़ा फाउंडेशन को हिंदुजा फाउंडेशन और देश-दुनिया के दिग्गजों के साथ सहयोग करने की प्रसन्नता है, ताकि इस वैश्विक महामारी के चलते पल-प्रतिपल खो रही जिंदगियों के चलते पैदा हो रहे मानसिक विकृति को ठीक करने में मदद मिल सके। यदि हम सामूहिक रूप से मदद नहीं करते हैं तो हम मानवता के लिए अपूर्व पीड़ा की दिशा में आगे बढ़ेंगे। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, हिंदुजा फाउंडेशन के अध्यक्ष, श्रीपॉल अब्राहम ने कहा, दुनिया वर्तमान में अनिश्चितता की स्थिति का सामना कर रही है। हम मानव इतिहास के एक सबसे कठिन समय से गुजर रहे हैं। इस तरह के संकट में, हमारा शारीरिक स्वास्थ्य हमारी मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बिल्कुल मौका नहीं देता है। हिंदुजा फाउंडेशन के नेवर अलोन समिट 2021 में स्पॉटलाइट इंडिया के आयोजन में चोपड़ा फाउंडेशन और अल्केमिक सोनिक एनवायरनमेंट के साथ साझेदारी करके हम खुश हैं।

किसान नेता स्वर्गीय टिकैत को याद कर दी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

किसान आंदोलनों में प्रख्यात रहे किसान नेता चौधरी स्व. महेंद्र सिंह टिकैत की 10 वीं पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें याद किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय किसान यूनियन के तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार सुरेंद्र सिंह घुम्मन ने की और प्रदेश अध्यक्ष रतनमान विशेष तौर पर मौजूद रहे। स्व. टिकैत के चित्र पर पुष्प अर्पित करने से पूर्व किसान नेताओं ने हवन यज्ञ करके विश्व की सुख समृद्धि की कामना की। उपस्थित किसान नेताओं ने महात्मा टिकैत अमर रहे व भारतीय किसान यूनियन जिंदाबाद का उद्घोष करके उन्हें नमन किया। प्रदेश अध्यक्ष रतनमान ने इस अवसर पर कहा कि हालवक्त दिल्ली के बॉर्डरों पर जो किसान आंदोलन चल रहा है यह स्व. टिकैत के दिखाए गए रास्ते का परिणाम है। उन्होंने कहा कि चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत ने अपना पूरा जीवन किसानों व मजदूरों के हकों के लिए अर्पित करने के साथ-साथ किसानों को संगठित करने का एक बड़ा अभियान भी शुरू किया था। जो सफल भी रहा था। जिसके चलते उन्होंने विश्व स्तर पर एक किसान नेता के रूप में ख्याति प्राप्त की थी। किसान मसीहा के रूप में उभरे टिकैत ने किसान व मजदूरों के हकों के लिए देश में कई जबरदस्त आंदोलन किए।

हेल्थ बुलेटिन रेवाड़ी

रेवाड़ी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार जिला में आज कोविड संक्रमण के 158 नए मामले सामने आए हैं, कोविड संक्रमण से 266 नागरिक स्वस्थ हुए हैं तथा कोविड संक्रमण से आज नौ व्यक्तियों की मृत्यु हुई है। जिला में पिछले 24 घंटे के दौरान आरटी-पीसीआर व रेपिड एंटिजिन के कुल 1239 टेस्ट हुए। वर्तमान में कुल 1506 रिपोर्ट का इंतजार है। जिला में कोविड संक्रमण के कुल 1441 मामले सक्रिय हैं। इनमें से 998 नागरिक होम आइसोलेट किए हुए हैं।

कोविड -19 राहत सहयोग करने वाले संगठनों को छह लाख डॉलर की दान राशि दी

पायनियर समाचार सेवा। पानीपत/हिसार।

विश्व की सबसे बडी प्रीमियम स्पिरिट्स निर्माता कंपनी बीम सनटोरी और उसकी मूल कंपनी सनटोरी होल्डिंग्स ने भारत में कोविड -19 राहत कार्य में सहयोग के लिए डॉलर 600,000 (लगभग रुपये 4,41,84,000) का संकल्प लिया है। जिसमें मुख्य रूप से अति प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना और व्यापार भागीदारों का समर्थन करना जो बढ़ते महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। भारत के गुरुग्राम में कंपनी का मुख्यालय स्थित है तथा कंपनी ग्रोइंग फॉर गुड विजन के आधार पर हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री राहत कोष में सीधे योगदान देकर वंचित समुदायों को इसका लाभ पहुंचा रही है।

सनटोरी होल्डिंग्स के सीईओ टाक निनामी ने कहा, समाज की मदद करना, सनटोरी ग्रुप के सबसे पोषित और मौलिक मूल्यों में से एक है। हमें गर्व है कि हम भारत में बीम सनटोरी और हमारी टीम के साथ, आकस्मिक सार्वजनिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं और महामारी से प्रभावित समुदायों का सहयोग करने के लिए मजबूती से खड़े हैं, क्योंकि भारत में कोरोनोवायरस खतरनाक रूप से तबाही मचा रहा है।

दान सहयोग करेगा

ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट, जरूरत मंद क्षेत्रों की पहचान कर तथा स्थानीय भागीदारों के साथ मिलकर अस्पतालों में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर पहुंचाने का कार्य कर रहा है। कोविड-19 की दूसरी लहर से प्रभावित क्षेत्रों में विभिन्न सरकारी एजेंसियों और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर भारत का सबसे बड़ा व्यवसायिक चैम्बर, भारतीय उद्योग परिसंघ, जो पूरे भारत में व्यापक राहत अभियान चला रहा है।

बीम सनटोरी, राष्ट्रीय रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया की साझेदारी से, खाद्य और पेय उद्योग में स्वास्थ्य लाभ प्रयासों में सहयोग करने के साथ-साथ संघ के स्टाफ और कर्मचारियों के द्वारा व्यावसायिक प्रशिक्षण और टीकाकरण कवर उपलब्ध करवा है। भारत के सबसे गंभीर रूप से प्रभावित राज्यों में, अस्पताल उपकरणों की कमी को दूर करने के लिए राज्य सरकारों के नेतृत्व में राहत के प्रयास। बीम सनटोरी के अध्यक्ष और सीईओ अल्बर्ट बालाडी ने कहा,यह महामारी वैश्विक स्तर पर एक त्रासदी है, लेकिन भारत में वर्तमान में यह घर-घर में पहुंच गई है, और इसने हमारी टीम के कई सदस्यों, उनके परिवारों और समुदायों को बुरी तरह से प्रभावित किया है। समुदायों को जीवंत और न्यायोचित योगदान हमारी सकारात्मक स्थिरता की प्रमाणीक रणनीति का एक स्तंभ है, और हम भारत में इन अति प्रभावित समुदायों के सहयोग के लिए मदद के लिए प्रतिबद्ध हैं। बीम सनटोरी, गुड़गांव में मुख्यालय के अलावा, बेहरोर और गोवा में बोतलबंद सुविधाओं तथा पूरे देश में 300 से अधिक पूर्णकालिक कर्मचारी के साथ भारत में एक तेजी से बढ़ते हुए कमर्शियल व्यापार का संचालन करती है।

नीमज कुमार, बीम सनटोरी के प्रबंध निदेशक ने कहा, भारत के लिए यह बहुत कठिन समय है, बीम सनटोरी और सनटोरी नेतृत्व की तरफ से प्राप्त सहयोग मेरी और मेरी पूरी टीम के लिए एक प्रेरणा है।

प्रेरणा

पायनियर हरियाणा
हमेशा सच के साथ

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

जख्मों पर मरहम सा लगता है,
उसका साथ शबनम सा लगता है,
जो भी दो मीठे बोल बोल लेता है,
वही शख्स हमें हमदम सा लगता है

गांवों में 10 दिन में होगी हर व्यक्ति की स्क्रीनिंग

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

उपायुक्त यशेन्द्र सिंह ने शनिवार को जिला के सुठाना व चिरहाड़ा गांव में बनाए गए आईसोलेशन सेंटर का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया तथा जानकारी प्राप्त की।

डीसी यशेन्द्र सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पहले चरण में जिले के 35 हॉटस्पॉट गांवों में कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांवों में भेजें, उसके बाद अन्य गांवों में स्क्रीनिंग का कार्य करें। यशेन्द्र सिंह ने कहा कि गांव में कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिए 35 टीमें फील्ड में उतर जाएंगी जो सोमवार से कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि गांवों में 10 दिन में हर घर के व्यक्ति की स्क्रीनिंग का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान घर-घर जाकर स्क्रीनिंग से लेकर सामान्य स्वास्थ्य की जांच भी की जाएगी।

उपायुक्त ने बताया कि पहले उन गांवों पर फोक्स किया गया है जिन गांवों में कोरोना संक्रमण के ज्यादा केस पाए जा रहे हैं।

टीकाकरण के लिए सिर्फ रजिस्ट्रेशन ही काफी नहीं, बुकिंग भी करवाएं : डा अशोक

इससे 45 साल से कम के लोगों को मिलेगी सटीक जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

हरियाणा में 18 से 44 साल की आयु के लोगों को वैक्सीनेशन के लिए कोविन ऐप पर अपना रजिस्ट्रेशन कराने के साथ-साथ बुकिंग भी करवानी होगी, क्योंकि बुकिंग कराने पर ही इस बात की सटीक जानकारी मिल सकेगी कि उन्हें किस केंद्र पर कितने बजे वैक्सीनेशन के लिए जाना है। सरकार की इस पहल का मकसद एक वैक्सीनेशन सेंटर पर भीड़ को एकत्र होने से रोकना है।

कोविड 19 वैक्सीनेशन अभियान शहरी मंडल भाजपा करनाल के

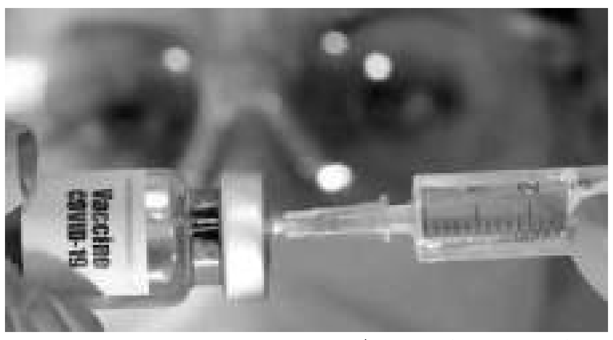

संयोजक डा. अशोक कुमार ने इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि रजिस्ट्रेशन से साइट पर सिर्फ लोगों का व्यक्तिगत विवरण दर्ज होता है। उन्हें आईडी एवं पासवर्ड जारी किया जाता है, लेकिन बुकिंग कराने से वैक्सीनेशन के लिए उपलब्ध सबसे निकटवर्ती केंद्र और संबंधित व्यक्ति के लिए टीकाकरण के लिए निर्धारित अवधि की सटीक जानकारी मिलती है।

उन्होंने बताया कि कोविशिल्ड और कोवैक्सीन दोनों स्वदेशी वैक्सीन हैं जो पूरी तरह सुरक्षित हैं। टीका लगने के बाद आने वाला बुखार या हरारत सामान्य लक्षण हैं, जिनसे घबराने की कतई जरूरत नहीं है। टीके के प्रभाव हर व्यक्ति पर अलग-अलग देखने को मिल सकते हैं। कोविशील्ड की दो खुराकों के बीच अंतर को बढ़ाकर अब 12 से 16 हफ्ते इसलिए किया गया है क्योंकि विदेशों में इसके बेहतर परिणाम देखे गए हैं। कोवैक्सीन की दो खुराकों के बीच का अंतर अब भी 4 हफ्ते ही है।

डा अशोक कुमार ने कहा कि टीकाकरण की शुरुआत के दिनों मे टीकाकरण के प्रति लोगों में काफी उदासीनता थी। लोग टीकों को संदेह की नजरों से देख रहे थे, लेकिन अब टीकाकरण के प्रति लोगों का नजरिया बदला है और पूरे देश 18 करोड़ से भी अधिक टीकाकरण किया जा चुका है और अब 18 से 44 साल तक के आयु वर्ग के लोग टीकाकरण में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। डा अशोक ने बताया कि राज्य सरकार ने कोविड के खिलाफ व्यापक अभियान छेड़ने का फैसला किया है। इसके तहत अगले 10 दिनों के भीतर प्रदेश के सभी गांवों के सभी लोगों की कोविड स्क्रीनिंग की जाएगी।

प्रदेश-भर में यह काम स्वास्थ्य विभाग के करीब आठ हजार कर्मियों की टीमों द्वारा किया जाएगा, जो गांवों में कोविड संक्रमण की स्थिति का जायजा लेंगी। इसी रिपोर्ट के आधार पर रोकथाम के लिए कदम उठाए जाएंगे। इसके अलावा, गांवों में लोगों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए फिर से ठीकरी पहरा लगाने के आदेश जारी किए गए हैं।

मानवता के दुश्मन कोरोना को हराने में संस्थाओं की भूमिका रहेगी अहमः खट्टर

मनोहर ने जीओ गीता की तरफ से एंबूलेंस और सामग्री का किया लोकार्पण

गुरजोत दुग्गल। कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मानवता के दुश्मन कोरोना वायरस को हराने में समाज सेवी व धार्मिक संस्थाओं की भूमिका अहम रहने वाली है। ऐसे कठिन समय में इन वायरस को खत्म करने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। इस वायरस से हरियाणा ही नहीं पूरा विश्व प्रभावित हुआ है। अहम पहलु यह है कि सरकार द्वारा प्रदेश में आक्सीजन व अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी नहीं आने दी गई। मुख्यमंत्री मनोहर लाल शनिवार को चंडीगढ़ से वर्चुअल रूप से कुरुक्षेत्र में गीता ज्ञान संस्थानम केंद्र में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के जन्म दिवस को प्रेरणा दिवस रूप में मनाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

इससे पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल, महामंडेश्वर स्वामी अवधेशानंद महाराज, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, विधायक सुभाष सुधा,

प्रशासन को सामान सौंपते गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद।

स्वामी रामदेव महाराज ने वर्चुअल रूप से जुड़कर जीओ गीता की एंबुलेंस सेवा, 25 कंस्ट्रेटर, कोरोना मरीजों के लिए सामग्री, किट आदि का वितरण कार्य का शुभारंभ किया। इतना ही नहीं गीता ज्ञान संस्थान केन्द्र में आक्सीजन बैंक भी बनाया जाएगा और पूरे प्रदेश में राहत सामग्री वितरित करने मुख्य केन्द्र भी रहेगा। सीएम मनोहर लाल ने गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज को जन्म दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जन्म दिवस को प्रेरणा दिवस के रूप मनाना एक सराहनीय कदम है। आज कोरोना काल में लोगों की सेवा करने का संकल्प करने से दूसरे लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी।

कोरोना महामारी की किसी ने भी कल्पना नहीं की थी कि इस वायरस के कारण आम नागरित प्रभावित होगा।

इस प्रकार के वायरस को कभी कहानियों में ही सुना था लेकिन इसका असली स्वरूप आज देखने को मिला है। इस वायरस से नागरिक को बचाने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है और सरकार के प्रयास सार्थक भी रहे है। महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद महाराज ने भी गीता मनीषी को जन्म दिवस की बधाइयां देते हुए कहा कि कोरोना जैसे अज्ञात दुश्मन ने पूरी मानवता पर हमला किया है। इस वायरस पर जीत हासिल करने के लिए सभी योग व भक्ति की राह पर चलने की जरूरत है।

योग गुरू स्वामी रामदेव ने सेवा प्रेरणा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कोरोना जैसे कठिन समय में समाज सेवा करने के लिए जो कदम बढाएं है वह सराहनीय है। इससे समाज के अन्य लोगों व संस्थाओं को भी प्रेरणा मिलेंगी। इस कार्यक्रम के मंच का संचालन जीओ गीता के उपाध्यक्ष व वीसी डा. मारकंडे आहुजा ने किया। इस मौके पर विधायक सुभाष सुधा, केडीबी के मानद सचिव मदन मोहन छाबड़ा, करनाल नगर निगम की चेयरमैन रेणूबाला गुप्ता, बृज गुप्ता, सदस्य विजय नरूला, प्रवक्ता रामपाल शर्मा सहित गण्मान्य लोग मौजूद थे।

कोरोना से मुक्ति को हो रहे धार्मिक अनुष्ठान: ज्ञानानंद

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के जन्म दिवस को सेवा प्रेरणा दिवस के रुप के रूप में मनाया गया। इस सेवा प्रेरणा दिवस पर कोरोना योद्धा मीडिया, पुलिस व अन्य लोगों को कोरोना से बचाव करने के लिए एक किट वितरित की गई है। इतना ही नहीं सेवा प्रेरणा दिवस पर शहर के लोगों को इमरजेंसी सहायता मुहैया करवाने के लिए तीन एंबूलेंस और 50 चिकित्सकों की एक हेल्पलाइन सेवा 24 घंटे सात के लिए उपलब्ध करवाई गई है।

शनिवार को जीओ गीता की तरफ से गीता ज्ञान संस्थानम केंद्र में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के जन्म दिवस को सेवा प्रेरणा दिवस के मनाने को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज व विधायक सुभाष सुधा ने कुछ मीडिया के साथियों, पुलिस कर्मियों व अन्य लोगों को किट वितरित करते हुए सभी के स्वास्थ्य जीवन की कामना की है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि जीओ गीता की तरफ से देश ही नहीं विभिन्न

देशों में कोरोना को हराने के लिए और विश्व शांति के लिए हवन यज्ञ जैसे अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा प्रेरणा दिवस पर कोरोना काल में जनता की सेवा करने के लिए तीन एंबुलेंस सेवा शुरू की गई है।

उन्होंने कहा कि जीओ गीता की तरफ से संस्था से जुडे 50 चिकित्सकों का एक पैनल बनाया गया है। इसके लिए एक हेल्प लाइन नबंर 1808-212-6119 भी शुरू की गई है। इस नंबर पर 24 घंटे मरीजों को चिकित्सकों द्वारा परामर्श दिया जाएगा। इसके साथ ही एक ई-पुस्तिका को भी लांच किया गया है। विधायक सुभाष सुधा ने स्वामी ज्ञानानंद महाराज को सेवा प्रेरणा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वामी ज्ञानानंद महाराज हमेशा समाज सेवा के लिए अग्रणी होकर कार्य कर रहे है और गीता के उपदेशों को जन जन तक पहुंचाने में सराहनी काम कर रहे हैं।

अभय सिंह संधू के निधन पर जताया शोक

चन्द्र अग्रवाल। थानेसर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने शहीद भगत सिंह के भतीजे अभय सिंह संधू के निधन पर शोक व्यक्त किया।

अपने शोक संदेश में कुलपति प्रो सोमनाथ ने अभय संधू की। एक समाजसेवी के तौर पर बेमिसाल भूमिका को याद किया। संधू वैश्विक स्तर पर शहीद भगत सिंह की विचारधारा के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर मेहनत कर रहे थे। अभय सिंह सरदार कुलबीर सिंह के पुत्र थे, जो शहीद भगत सिंह के छोटे भाई थे। अभय सिंह पिछले दिनों 22 मार्च को शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में आए थे।

भारतीय पत्रकार कल्याण मंच के राष्ट्रीय सचिव बने जसबीर सिंह दुग्गल

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र।

भारतीय पत्रकार कल्याण मंच राष्ट्रीय मुख्यालय कुरुक्षेत्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन आश्री और राष्ट्रीय महासचिव मेवा सिंह राणा ने कुरुक्षेत्र जिला मुख्यालय के वरिष्ठ पत्रकार जसबीर सिंह दुग्गल को भारतीय पत्रकार कल्याण मंच का राष्ट्रीय सचिव बनाया है।

गौरतलब है कि जसबीर सिंह दुग्गल विगत कई वर्षों से हरियाणा पत्रकार कल्याण मंच और भारतीय

पत्रकार कल्याण मंच से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। पत्रकारिता के साथ-साथ वे समाज सेवा के कार्यो में भी सदैव अग्रणीय रहते हैं।

विश्व परिवार दिवस पर लगा रक्तदान शिविर

उपप्रधान संदीप कश्यप और प्रदीप भट्टमाजरा रहे मुख्य अतिथि

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र।

सर्व समाज कल्याण सेवा समिति ने विश्व परिवार दिवस के अवसर पर लोकनायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक में 139वां रक्तदान शिविर लगाया गया। समिति के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर सैनी ने बताया कि संस्था द्वारा कोरोना काल मे रक्त की कमी को देखते हुए निरन्तर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

शिविर में युवा सेवा समिति के प्रधान जसबीर इश्हाक बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे और विशिष्ट अतिथि के रूप में महादेव ग्रुप के प्रधान

सौरभ जौरासी मौजूद रहे। शिविर में युवा सेवा समिति के उपप्रधान संदीप कश्यप भट्टमाजरा व महादेव ग्रुप के उपप्रधान प्रदीप भट्टमाजरा अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। शिविर की अध्यक्षता अविनाश कौर ने की। मुख्यातिथि जसबीर ने कहा कि संकट की घड़ी में रक्तदान करने वाले रक्त के जरूरतमंद मरीजों के जिंदगी और मौत के बीच का रोल अदा कर रहे हैं।

भिवानी के मीडिया कर्मियों को वैक्सीनेशन होगा कल

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

हरियाणा सरकार ने प्रदेश के मीडिया कर्मियों को कोरोना वॉरियर्स के रूप में स्वीकार किया है। इसलिए मीडिया कर्मियों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए वैक्सीनेशन करने का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में 17 मई को जिले के मीडिया कर्मियों के वैक्सीनेशन की डोज के लिए मीडिया सैंटर में कैंप का आयोजन किया जाएगा।

ये जानकारी देते हुए उपायुक्त जयबीर सिंह आर्य ने बताया कि मीडिया कर्मी जिलेभर में करवेज करते हैं। जो कि वर्तमान हालातों में बहुत ही जोखिम भरा कार्य है। इस लिए प्रदेश के

आधार आईडी लाएं मौके पर ही किया जाएगा रजिस्ट्रेशन

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कोरोना वॉरियर्स की श्रेणी में लिया गया है। उन्होंने बताया कि 17 मई सोमवार को जिले के सभी मीडिया कर्मियों को मीडिया सेंटर में कोरोना वायरस से बचाव के लिए वैक्सीन की डोज लगाई जाएगी। सभी मीडिया कर्मियों को वैक्सीनेशन करवानी चाहिए। उन्होंने बताया कि अपने साथ आधार कार्ड व संबंधित मीडिया पहचान पत्र अदि लेकर आए।

आंदोलनरत किसानों को वैक्सीनेशन के लिए नोडल अफसर ने किया प्रोत्साहित

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के सचिव व जिला के कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए नियुक्त वैक्सीनेशन एवं टेस्टिंग के नोडल अधिकारी राजीव प्रसाद ने कितलाना टोल पर धरनारत किसानों को कोविड-19 के संक्रमण से बचने के लिए वैक्सीनेशन व टेस्टिंग के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए इसी स्थान पर कैंप लगवाकर वैक्सीनेशन व टेस्टिंग करवा सकते हैं। नोडल अधिकारी राजीव प्रसाद ने कहा

कि इस महामारी के दौरान स्वयं व परिवार को सुरक्षित रखने के लिए कोरोना संक्रमण के बचाव के लिए वैक्सीनेशन एवं टेस्टिंग करवाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दिन-प्रतिदिन देश में कोरोना का संक्रमण में बढ़ता जा रहा है। सरकार व प्रशासन इस वैश्विक महामारी से बचाव के लिए प्रयासरत है और आमजन के स्वास्थ्य के लिए गंभीर है।

गेहूं बेचने को गेट पास के लिए किसानों में दिखा उत्साह

रादौर। आखिर किसानों के विरोध के चलते शनिवार को एक दिन के लिए सरकार ने मंड़ियों में फड़ पर पड़े हजारों क्विंटल गेहूं की सरकारी खरीद की। शहर की अनाज मंडी में पिछले लगभग 15 से 20 दिनों पहले बिकने के लिए आये गेहूं की सरकारी खरीद होने पर किसानों ने राहत की सांस ली।

कोविड के खात्मे के लिए सर्व सुलभ टीकाकरण की आवश्यकता: मित्तल

भिवानी। वैश्विक महामारी कोविड के खात्मे के लिए सर्व सुलभ टीकाकरण एवं चिकित्सा की अत्यंत आवश्यकता है। ये विचार कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल ने चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग एवं आईक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वेबिनार की अध्यक्षता करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि इस वैश्विक महामारी के खिलाफ जंग में हम एक सच्चे नागरिक एवं योद्धा के रूप में हम अपनी भूमिका तय करें।

इस जंग से हम मिलकर लड़ेंगे। वंचित एवं जरूरतमंद लोगों को संक्रमण से बचाव, दवाइयां, भोजन एवं मास्क, सैनेटाइजर, आवश्यक सामग्री और सकारात्मक माहौल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। बतौर मुख्यातिथि कलकत्ता से डाक्टर धनपतराम अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि पूरा विश्व वैश्विक महामारी से लड़ रहा है। इस जंग मे भारत की भूमिका अग्रणी है। उन्होंने कहा कि सबके लिए टीकाकरण के साथ साथ जीवन रक्षक दवाइयां सस्ती एवं सुलभ होनी चाहिए। स्वदेशी जागरण मंच की यह पहल बहुत सराहनीय है। उन्होंने देश की जनसंख्या के अनुपात में टीकाकरण अभियान को सही बताते हुए इसमें और अधिक तीव्रता लाने की बात कही। दिल्ली विश्वविद्यालय के कानून के प्रोफेसर वीके आहुजा ने कहा कि इस महामारी में देश की फार्मास्यूटिकल्स इंडस्ट्रीज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने दवाईयों के पेटेंट, कानूनी प्रक्रिया और दवाईयों के निर्माण से लेकर सस्ती दरों पर उपलब्धता एवं कानूनी पहलुओं पर विस्तृत विचार रखे।

भारत विकास परिषद भवन में 210 लोगों को लगा वैक्सीन

विधायक लीलाराम और जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर ने शिविर का किया शुभारंभ

पीएल वर्मा। कैथल

भारत विकास परिषद तथा स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में परिषद के भवन में विशेष कोरोना वैक्सीनेशन शिविर आयोजन किया गया। इस शिविर का शुभारंभ विधायक लीला राम, जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर ने किया।

शिविर में 210 व्यक्तियों का टीकाकरण किया गया। विधायक लीला राम ने कहा कि भारत विकास परिषद सामाजिक संस्था है, जो सामाजिक सौहार्द से जुड़े सभी मुद्दों

शिविर का दीप जलाकर शुभारंभ करते हुए विधायक लीलाराम व टीकाकरण करवाते हुए एक महिला।

पर आगे आकर कार्य करती है। संकट की इस घड़ी में परिषद द्वारा क्रियाकलाप आयोजित करके मानवता के सेवार्थ कार्य किया जा रहा है। महामारी के इस संकट काल में जरूरतमंद व्यक्तियों को खाना, भोजन, इत्यादि भी परिषद द्वारा मुहैया करवाई जाते हैं। समाज सेवा में आगे आकर कार्य करना मानवता की सच्ची सेवा है। जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर ने कहा कि बीजेपी के विभिन्न प्रकोष्ठों द्वारा इस समय अलग-अलग गतिविधियां करके कोरोना को हराने का कार्य किया जा रहा है। टीकाकरण शिविर, भोजन वितरण, हेल्पलाइन डेस्क आदि गतिविधियों से जरूरतमंदों की सेवा की जा रही है। परिषद द्वारा टीकाकरण शिविर का आयोजन करके अच्छा कार्य किया गया है, जिससे बहुत से लोगों को सीधा लाभ मिला है। जब तक संकट काल नहीं टल जाता, तब तक बीजेपी का हर कार्यकर्ता मानव सेवा में लगा रहेगा और सभी के सांझे प्रयासों से हम इस संकट बाहर निकलेंगे। इस अवसर पर अरुण सर्राफ, अश्वनी अग्रवाल, प्रवीन प्रजापति, श्याम सुंदर बंसल, रामपाल सिंगला, डॉ. मुकेश अग्रवाल, नरेश मित्तल, हरीश चावला, ओम प्रकाश वधवा, आदित्य चौधरी, रामकुमार नैन आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

नोमिनेटिड पार्षदों में से एक बाल्मीकि समाज का नामित हो

रेवाड़ी। पूर्व जिला प्रमुख सतीश यादव ने कहा कि रेवाड़ी शहर में 31 नगर पार्षदों में पांच अनुसूचित जाति के पार्षद हैं जबकि संख्या-6 होनी चाहिए, लेकिन अदालती मामलों के कारण संख्या पांच रह गई है।सतीश यादव ने कहा कि अनुसूचित जाति के पार्षदों में बाल्मीकि समाज का एक भी पार्षद नहीं आया। बाल्मीकि समाज की शहर की सफाई व्यवस्था में अहम् भूमिका होती है। सतीश यादव ने कहा कि सरकार को जो नोमिनेटिड पार्षद बनाए जाएंगे। उनमें से एक नगर पार्षद बाल्मीकि समाज का बनाए। सतीश यादव ने कहा कि नगर परिषद चेयर पर्सन चुनाव में जनता ने समर्थन दिया उसके हमेशा आभारी रहूंगा और क्षेत्र की जन समस्याओं के लिए हमेशा खड़ा रहूंगा।उन्होंने सफाई कर्मचारियों को पक्का करके ठेकेदारी प्रथा खत्म करने की मांग करते हुए कहा कि सफाई कर्मचारियों को ईएसआई पीएफ की सुविधा के साथ साल मे दो वर्दी और मेडिकल सुविधा दी जाए। सीवर में काम करने वालों सफाई कर्मचारियों की जान हमेशा खतरे में रहती है। उनको सभी सेफ्टी के सामान दिए जाएं। उनका बीमा सरकार करवाना सुनिश्चित करें।

उपायुक्त को सौंपे पांच ऑक्सीजन कंसंट्रेटर व बाईपेप मशीन

रेवाड़ी। कोरोना मरीजों के लिए आज शनिवार को रेवाड़ी के पूर्व जिला प्रमुख सतीश यादव के नेतृत्व और डाक्टर राजीव गुलाटी के सहयोग से बावल की निजी कम्पनी टीडीके/ एटीएल की ओर से त्रिभुवन अग्निहोत्री, निवासी कनन ने जिला उपायुक्त यशेन्द्र सिंह को पांच ऑक्सीजन कंसंट्रेटर व पांच बाईपेप मशीन भेंट किए। इस अवसर पर एसपी रेवाड़ी अभिषेक जोरवाल, एसडीएम रविन्द्र कुमार व सीएमओ रेवाड़ी कृष्ण कुमार भी उपस्थित थे। सतीश यादव ने टीडीके/ एटीएल कम्पनी की ओर से की गई इस मदद के लिए कम्पनी के साथ त्रिभुवन अग्निहोत्री,श्रीनिवासी कनन व डाक्टर राजीव गुलाटी के इस सहयोग का धन्यवाद करते हुए कहा कम्पनी ने पांच ऑक्सीजन कंसंट्रेटर व 5 बाईपेप मशीन देकर सराहनीय कार्य किया है। आज के समय में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की सख्त जरूरत है। निश्चित रूप से कोरोना से जूझ रहे मरीजों को इसका लाभ मिलेगा और यह कोरोना मरीजों के लिए संजीवनी का काम करेगा।

लॉकडाउन के दौरान दुकान खोलने पर केस दर्ज

रादौर। लॉकडाउन के दौरान गांव बरहेडी में एक कबाड़ी ने दुकान खोल रखी थी। पुलिस ने दुकान खोलने वाले कबाड़ी को मौके से पकड़ा। जबकि उसका बेटा मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शिकायत पर दुकानदार के विरूद्ध तहत मामला दर्ज किया। सिपाही सुरेंद्र कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह थाना जठलाना में बतौर जनरल ड्यूटी तैनात है। प्रदेश में लॉकडाउन को लेकर सरकार ने केवल जरूरी वस्तुओं की दुकानों को ही खोलने की इजाजत दी हुई है। 14 मई की रात को लगभग 8 बजे वह अन्य पुलिस कर्मचारियों के साथ गश्त पर था। इस दौरान जब वह गांव बरहेडी पहुंचे तो एक कबाड़ी की दुकान खुली थी। दुकान पर एक व्यक्ति व एक नवयुवक बड़े प्लास्टिक के कट्टों में कबाड़ भर रहे थे। उन्हे देखकर दुकान पर कार्य कर रहा नवयुवक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कबाडी की दुकान चलाने वाले रमेश चंद निवासी बरहेडी के विरुद्ध नियमानुसार मामला दर्ज किया है।

जरुरतमंदों को राशन बांट कर मनाया पोती का जन्मदिवस

कुरुक्षेत्र। डिफेंस सर्विस से बतौर मुख्य लेखा अधिकारी के पद से सेवानिवृत विनोद शर्मा ने अपनी पोती का जन्म दिन जरूरतमंद लोगों को राशन बांटकर मनाया। उनका कहना है कि इस समय घर पर किसी को बुलाना सही नहीं है और बहुत से परिवार ऐसे भी है जिन्हें एक वक्त की रोटी भी नसीब नहीं हो रही, यही सोच कर वे पोती पूर्वी शर्मा के हाथ से राशन किट बांट रहे हैं। इस से दूसरे लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए कि हम सब एक दूसरे के काम आ सके। समाजसेवी रविंद्र कौशिक का इसमें विशेष सहयोग रहता है। उन्होंने पिछले साल भी कॉलोनी से राशन इकट्ठा कर बहुत से जरूरतमंद परिवारों को पहुंचाया था। सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट कुरुक्षेत्र की तरफ से भी प्रधान गुलशन ग्रोवर ने राशन बटवाया था।

व्यापारियों को भी किसानों की तर्ज पर दी जाए आर्थिक मदद

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र व्यापार मंडल के प्रधान फतेहचंद गांधी ने हरियाणा सरकार से दिन में कुछ समय के लिए दुकानें खोलने की मांग की है। गांधी ने कहा कि व्यापारियों को भी किसानों की तर्ज पर आर्थिक मदद दी जाए। फतेह चंद गांधी प्रधान ने कहा व्यापारी समाज की रीढ़ की हड्डी है। व्यापारी सदैव देशहित कार्यों में, शिक्षण संस्थाओं, धार्मिक कार्यक्रमों, धर्मशाला, मंदिरों में अपनी सेवा भाव से कार्य करते रहते हैं। सरकार से अनुरोध है की एक निश्चित राशि मध्यम वर्ग व उससे नीचे वर्ग के व्यापारियों को किसानों की तर्ज में देकर राहत प्रदान करें, प्रत्येक व्यापारी का उत्तर प्रदेश की तर्ज पर 15 लाख का बीमा हो, छोटे व मीडियम व्यापारियों को पांच लाख तक बिना ब्याज लोन मिले, सोमवार से कुछ समय के लिए व्यापार खोलने की अनुमति दी जाए। इस अवसर पर व्यापार मंडल के महासचिव राजेश अरोड़ा, वरिष्ठ उप प्रधान अशोक रोशा, मनोज गोयल प्रधान सारफा ऐसी एशियन, श्यामसुंदर तिवारी प्रधान रेडीमेड गारमेंट, तिलक राज सेहगल प्रधान सुनार सभा, कश्मीरी लाल वधवा प्रधान मोहन नगर मार्केट एसोसिएशन, मोहन लाल अरोड़ा पार्षद प्रधान 7 सेक्टर मार्केट, गगन कोहली प्रधान रेलवे रोड, अशोक मेहता उपप्रधान, प्रदीप झांब प्रधान अंबेडकर चौक मार्केट, मक्खन लाल आदि मौजूद रहे।

भाई बीका बालू की याद में हुई13वीं श्रद्धांजलि सभा

कैथल। सलेड़ बालू जाट ग्रुप के प्रधान संदीप सहारण, कुलदीप संधु, मनदीप संधु, प्रवीन संधु, राहुल कुमार, शैंकी कुमार, विशाल कुमार, विक्रम भुल्लर, प्रवीन प्रडित, जोरा संधु,अंकित मेहरा, सोनू कुमार, विक्की डंग, रवि शर्मा व पंकज लोट आदि सभी प्रसिद्ध समाज सेवियों ने आज शनिवार को गांव में प्रसिद्ध समाज सेवक भाई बीका बालू की याद में

13वीं साल में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर गांव के प्रतिष्ठित नागरिक भी उपस्थित रहे।

सुकवि-संवाद

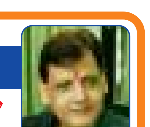

सुकवि डॉ.एस.एन.भारद्वाज 'अश्क'
कवि, लेखक एंव वरिष्ठ शिक्षा सलाहकार
विश्व भारती शिक्षण संस्थान समूह,
बल्लभगढ़, फरीदाबाद M: 9871666627

फ़ासले

मैं दिवाली की मिठाई उसको भिजवाता नहीं
ईद पर बाहें पसारे वो भी अब आता नहीं
दरमियाँ जो सिलसिला था प्यार का वो क्या हुआ
खीर-सेवइयों का पहले सा वो अब नाता नहीं

देखते हैं शक़ भरी नज़रों से इक दूजे को हम
मैं उसे भाता नहीं क्यूँ वो मुझे भाता नहीं

अब मज़ारों की तरफ़ जाना मेरा कम हो गया
गणपती सर पे उठाए वो भी अब आता नहीं

इक शहर है इक गली पर खाइयाँ इतनी खुदीं
देखकर इक दूसरे को कोई मुस्काता नहीं

जिस शिवाले की सभी नक्काशियाँ उसने गढीं
अब उसी के सामने से वो गुज़र पाता नहीं

शेख़-पंडित भर रहे क्या-क्या हमारी सोच में
अब ख़ुलूस-ओ-प्यार हमको कोई सिखलाता नहीं

गंग-जमुनी प्यार पर जो नाज़ था इस मुल्क को
'अश्क' उसका क्या हुआ क्यूँ कोई समझाता नहीं

-अश्क

केरल में मूसलाधार बारिश से सैकड़ों मकान क्षतिग्रस्त, समुद्री पुल में दरार

समुद्र में ऊंची लहरें उठने से तटीय इलाकों में हुआ जनजीवन बाधित

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम।

केरल में शनिवार को मूसलाधार बारिश होने और तेज हवाएं चलने से सैकड़ों मकान क्षतिग्रस्त हो गए। पेड़ उखड़ गए और बिजली आपूर्ति घंटों तक बाधित रही। समुद्र में ऊंची लहरें उठने से तटीय इलाकों में जनजीवन बाधित हो गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) से मिली ताजा जानकारी के अनुसार, पांच जिलों मलप्पुरम, कोझीकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड में अत्यधिक भारी बारिश की आशंका के साथ रेड अलर्ट जारी किया गया है। उसने बताया कि अलप्पुझा, कोट्टयम, इडुक्की, एर्नाकुलम, त्रिशूर, पलक्कड, मलप्पुरम, कोझीकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में एक या दो स्थानों पर 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ बारिश की संभावना है। मध्य और उत्तरी जिलों में ऊंचे और तटीय इलाकों में पिछले 24 घंटों में काफी नुकसान पहुंचा। प्रमुख नदियों में जल स्तर लगातार बढ़ने पर प्राधिकारियों ने उसके तट पर रह रहे लोगों को चौकन्ना रहने को कहा है।

पर्वतीय जिले इडुक्की में कलारकुट्टी, मलंकारा और भूथाथंकेट्टू बांध के द्वार खुले हैं। राज्य में कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए और मकानों तथा वाहनों पर गिरे। पेड़ों के गिरने से कई स्थानों पर यातायात भी बाधित हो गया जबकि इडुक्की में मुन्नार-वट्टावडा रोड कुछ वक्त तक बाधित रहा। अधिकारियों ने बताया कि एनडीआरएफ के कर्मी पेड़ों को हटाने और रास्तों को साफ करने की कोशिश कर रहे हैं। तटीय जिलों तिरुवनंतपुरम, एर्नाकुलम, त्रिशूर और मलप्पुरम में भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ समुद्र में ऊंची लहरें उठने से व्यापक नुकसान हो रहा है। राज्य में यहां स्थित सबसे पुराने समुद्री पुल वलियाथुरा में दरार आ गई है। पुल के प्रवेश द्वार को बंद कर दिया है और वहां पुलिस को तैनात किया गया है।

प्रधानमंत्री ने कोविड-19 की ताजा स्थिति की समीक्षा कर कहा

ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर जांच करें और संसाधन बढ़ाएं

मोदी ने आशा और आंगनबाड़ी कर्मियों को संसाधनों से लैस करने और ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए निर्देश दिया

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में देश में कोविड-19 की वर्तमान स्थिति और टीकाकरण अभियान की समीक्षा की। सर्वाधिक संक्रमित क्षेत्रों में जांच का दायरा बढ़ाने, स्थानीय स्तर पर रोकथाम की रणनीति पर काम करने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर जांच करने और वहां स्वास्थ्य संबंधी संसाधनों को बढ़ाने पर जोर दिया।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक मोदी ने आशा और आंगनबाड़ी कर्मियों को कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में सभी आवश्यक संसाधनों से लैस करने और ग्रामीण क्षेत्रों में ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच देशभर में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर मोदी लगातार बैठकें कर रहे हैं और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि कोरोना वायरस महामारी अब देश के ग्रामीण इलाकों में तेजी से पांव पसार रही है। इसके मद्देनजर उन्होंने लोगों से मास्क पहनने और उचित दूरी का पालन करने सहित बचाव के उपायों का अनुसरण करने का आग्रह किया था।

कोविड-19 महामारी को एक अदृश्य दुश्मन करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा था कि सरकार इस महामारी की दूसरी लहर से मुकाबले के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया था कि देश इस लड़ाई में विजय हासिल करेगा। पीएमओ ने कहा कि बैठक में प्रधानमंत्री को देश में कोरोना की ताजा स्थिति से अवगत कराया गया और उन्हें यह भी बताया गया कि अभी प्रत्एक सप्ताह 1.3 करोड़ लोगों की जांच हो रही है जबकि पिछले साल मार्च में प्रत्एक सप्ताह जांच का आंकड़ा 50 लाख था।

बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री को बताया कि लोगों के ठीक होने की दर के साथ ही संक्रमण दर में भी कमी दर्ज की गई है। बैठक में यह चर्चा हुई कि पिछले कुछ सप्ताह में जहां संक्रमण के मामले रोजाना चार लाख के ऊपर जा रहे थे, वहीं अब केंद्र व राज्य सरकारों तथा स्वास्थ्यकर्मियों के प्रयासों से यह मामले कम होने लगे हैं। अधिकारियों ने बैठक में प्रधानमंत्री के समक्ष राज्य और जिलावार कोविड-19 की स्थिति, जांच, ऑक्सीजन की उपलब्धता, स्वास्थ्य ढांचे और टीकाकरण की रूपरेखा के बारे में प्रस्तुति दी गई।

बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री ने कहा, जिन राज्यों के जिन जिलों में संक्रमण के मामले अधिक हैं, वहां स्थानीय निषिद्ध क्षेत्र रणनीति समय की मांग है। उन्होंने ऐसे क्षेत्रों में आरटी-पीसीआर और रैपिड एंटीजन जांच तेज करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भले ही आंकड़े अधिक आएं लेकिन राज्यों को बगैर किसी दबाव के पारदर्शिता से आंकड़े जारी करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी संसाधनों को बढ़ाने पर जोर दिया ताकि घर-घर जाकर जांच की जा सके और निगरानी रखी जा सके। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में घरों में पृथकवास की स्थिति में उपचार संबंधी दिशा निर्देशों को आसान भाषा में उपलब्ध कराने के लिए भी कहा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक वितरण योजना बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने ऑक्सीजन संबंधी उपकरणों के संचालन के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण देने का भी निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ने कुछ राज्यों में वेंटिलेटर्स का इस्तेमाल ना हो पाने संबंधी खबरों को गंभीरता से लिया और केंद्र सरकार द्वारा दिए गए वेंटिलेटर्स के हिसाब की जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई वैज्ञानिक और विशेषज्ञों की राय पर आधारित है, जो आगे भी जारी रहेगी।

चक्रवात तौकते : एनडीआरएफ ने अपनी टीमों की संख्या 53 से बढ़ाकर 100 की

बल के महानिदेशक ने एक ट्वीट में कहा, टीमें प्रभावित क्षेत्रों में जाने को तैयार

एजेंसी। नई दिल्ली

आसन्न चक्रवात तौकते के मद्देनजर राहत एवं बचाव कार्य के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने अपनी टीमों की संख्या 53 से बढ़ाकर 100 कर दी है। बल के महानिदेशक एसएन प्रधान ने एक ट्वीट में कहा कि ये टीम केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, गोवा, गुजरात और महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों में कूच के लिए तैयार हैं।

उन्होंने शुक्रवार को कहा था कि अरब सागर में बन रहे चक्रवाती तूफान के मद्देनजर 53 टीम पूरी तरह तैयार हैं। प्रधान ने शनिवार को कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग से चक्रवात के बारे में मिली नई जानकारी के बाद एनडीआरएफ की टीमों की संख्या बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि 100 टीमों में से 42 पहले से ही छह राज्यों में जमीन पर तैनात हैं, जबकि 26 टीम प्रतीक्षा में तैयार रखी गई हैं।

प्रधान ने कहा कि 32 टीम मदद के लिए तैयार रखी गई हैं, जिन्हें जरूरत पड़ने पर हवाई मार्ग से संबंधित क्षेत्रों में पहुंचाया जा सकता है। एनडीआरएफ प्रमुख ने यह भी कहा कि इन टीमों के सदस्यों का कोविड-19 रोधी टीकाकरण किया गया है और ये जरूरी उपकरणों से लैस हैं।

बल की एक टीम में 35-40 कर्मी हैं। उनके पास पेड़ तथा खंभों को काटने वाले औजार, नौकाएं, बुनियादी चिकित्सा सामग्री तथा अन्य राहत एवं बचाव उपकरण हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को कहा था कि अरब सागर में बने दबाव के क्षेत्र के 17 मई को अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील होने और एक दिन बाद इसके गुजरात तट को पार करने की संभावना है। इसने कहा था कि मौसम स्थिति गहरे दबाव के क्षेत्र में तब्दील हो गई है और इसके शनिवार सुबह तक चक्रवाती तूफान तौकते में तब्दील होने की संभावना है। फिर इसके शनिवार रात तक अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। आईएमडी के चक्रवात चेतावनी प्रभाग ने कहा कि 16-19 मई के बीच पूरी संभावना है कि यह 150-160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाओं के साथ एक अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील होगा।

रेमडेसिविर की जमाखोरी पर लगेगा गुंडा एक्ट : स्टालिन

एजेंसी। चेन्नई

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु में कोविड-19 के मरीजों के उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवा रेमडेसिविर की जमाखोरी करने वालों और ज्यादा कीमत पर ऑक्सीजन सिलेंडर बेचने वालों के खिलाफ सख्त गुंडा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस को मुख्यमंत्री की तरफ से यह निर्देश कुछ लोगों द्वारा रेमडेसिविर इंजेक्शन की शीशियों को कथित तौर पर ज्यादा कीमत पर बेचने की खबरों और उनकी गिरफ्तारियों के बाद आया है। एक बयान में स्टालिन ने कहा कि प्रतिबंधों के कारण आजीविका पर असर पड़ने के बावजूद जनता ने लॉकडाउन की कड़वी गोली को स्वीकार किया है और जीवन बचाने में सहयोग दिया है, वहीं कुछ असामाजिक तत्व दवाओं की जमाखोरी कर रहे हैं।

गाजा पर इजराइल के हवाई हमले में 10 लोगों की मौत

गाजा सिटी। गाजा सिटी में शनिवार तड़के इजराइल के हवाई हमले में कम से कम 10 फलस्तीनियों की मौत हो गई। जिनमें अधिकांश बच्चे थे। गाजा के उग्रवादी हमास शासकों के साथ लड़ाई शुरू होने के बाद से इजराइल के एक हमले में मरने वाले लोगों की यह सबसे अधिक संख्या है।

पिछले महीने यरुशलम में तनाव से शुरू हुआ यह संघर्ष व्यापक पैमाने पर फैल गया है। अरब और यहूदियों की मिश्रित आबादी वाले इजराइली शहरों में रोज हिंसा देखी जा रही है। इजराइल और हमास के बीच जारी लड़ाई के दौरान वेस्ट बैंक में भी फलस्तीनियों ने व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन किया। सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने कई शहरों में इजराइली सेना के साथ झड़प की। इस दौरान इजराइली सेना की कार्रवाई में कम से कम 11 लोग मारे गए। यह हिंसा ऐसे वक्त में हो रही है जब फलस्तीन शनिवार को नकबा दिवस मना रहे हैं जब वे 1948 के युद्ध में इजराइल द्वारा मारे गए हजारों फलस्तीनियों को याद करता है। इससे संघर्ष के और तेज होने की आशंका बढ़ गई है। इजराइल-फलस्तीन मामलों के लिए अमेरिका के उप सहायक विदेश मंत्री हादी आम्र संघर्ष को कम करने की कोशिश के तौर पर शुक्रवार को इजराइल पहुंचे। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के रविवार को बैठक करने की संभावना है।

पश्चिम बंगाल में 16 से 30 मई तक लगा पूर्ण लॉकडाउन

सरकारी और निजी कार्यालय, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मॉल, बार और ब्यूटी पार्लर बंद रहेंगे

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार ने कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए राज्य में 16 से 30 मई तक पूर्ण लॉकडाउन लगाने की शनिवार को घोषणा की। मुख्य सचिव ए. बंदोपाध्याय ने कहा, हम महामारी को फैलने से रोकने के लिए रविवार को सुबह छह बजे से 30 मई की शाम छह बजे तक सख्त कदम उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान सभी सरकारी और निजी कार्यालय, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मॉल, बार, खेल कॉम्प्लेक्स, पब और ब्यूटी पार्लर बंद रहेंगे।

पंद्रह दिनों के लॉकडाउन के दौरान निजी वाहन, टैक्सी, बस, मेट्रो रेल, उपनगरीय ट्रेन भी नहीं चलेंगी। उन्होंने कहा, पेट्रोल पम्प खुले रहेंगे और आवश्यक सेवाएं जैसे कि दूध, पानी, दवा, बिजली, अग्निशमन, कानून एवं व्यवस्था और मीडिया इस प्रतिबंध के दायरे में नहीं आएंगे। ई-कॉमर्स और घर पर सामान पहुंचाने (होम डिलीवरी) की सेवाओं को मंजूरी दी जाएगी।

ममता बनर्जी के भाई का कोविड-19 के कारण निधन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भाई असीम बनर्जी का कोरोना वायरस संक्रमण के कारण यहां एक अस्पताल में शनिवार सुबह निधन हो गया। उनके परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कालीघाट के स्थानीय लोगों में कालीदा के नाम से लोकप्रिय असीम बनर्जी ने निजी अस्पताल में सुबह करीब नौ बजकर 20 मिनट पर अंतिम सांस ली। चिकित्सा संस्थान के एक अधिकारी ने बताया कि वह करीब एक महीने पहले कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे और तभी से अस्पताल में भर्ती थे।

एक मकान में एकत्रित होने के लिए तांत्रिक समेत दो लोग गिरफ्तार

एजेंसी। पालघर

पुलिस ने बिना मास्क वाले 25 लोगों से वसूला साढे बारह हजार रुपये जुर्माना

महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने एक मकान में छापा मारने के बाद एक तांत्रिक तथा एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इस मकान में लोग स्वस्थ होने की आस में बड़ी संख्या में एकत्रित हुए थे। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि विक्रमगढ़ तहसील के सकतोर गांव में स्थित एक मकान पर शुक्रवार दोपहर को छापा मारा गया।

पुलिस ने बताया कि उन्होंने वहां एकत्रित 25 लोगों से मास्क न पहनने के लिए 12,500 रुपए का जुर्माना वसूला। एक अधिकारी ने कहा, एक खुफिया सूचना के आधार पर जिला ग्रामीण पुलिस ने मकान पर छापा मारा। वहां पाया कि वहां कुछ अंधविश्वासी गतिविधियां चल रही थीं। घटनास्थल पर महिलाओं समेत करीब 50 लोग एकत्रित थे। छापे के दौरान कई लोग भाग गए लेकिन पुलिस ने तांत्रिक और मकान के मालिक समेत 27 लोगों को पकड़ लिया। तांत्रिक और मकान मालिक को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

कोविड-19: अमेरिका में बिना मास्क लगाए नजर आए नेता

सदन में मास्क पहनने पर सांसदों ने जताई आपत्ति

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका में कोविड-19 रोधी टीकों की दोनों खुराक लेने वाले लोगों के लिए मास्क पहनने की अनिवार्यता खत्म होने के बाद कई नेता बिना मास्क लगाए नजर आए। अमेरिका की प्रथम महिला जिल बिडेन ने कहा कि आखिरकार बिना मास्क लगाए रहना ऐसा लगता है जैसे हम आगे बढ़ रहे हो। वहीं, एक रिपब्लिकन सिनेटर ने कहा कि मास्क न लगाने से निश्चित रूप से अच्छी तरह बातचीत करने में मदद मिलती है। बहरहाल, सदन में शुक्रवार को सांसदों ने सभी 435 सदस्यों के कोविड-19 रोधी टीके लगवाने तक मास्क पहनने की आवश्यकता पर आपत्ति जताई। सरकार वाशिंगटन में नए संघीय दिशा निर्देश जारी करने पर काम कर रही है कि जिसमें उन नियमों में ढील दी जाए कि कम मास्क पहनना चाहिए।

रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि जिन लोगों ने टीके की दोनों खुराक ले ली है उन्हें मास्क पहनने की जरूरत नहीं है। हालांकि कैपिटोल हिल (अमेरिकी संसद) में डॉ. ब्रायन मोनहैन के ज्ञापन के अनुसार सांसदों को सदन में मास्क पहनना होगा। हाल ही में एक सर्वेक्षण से पता चला कि सदन में करीब हर चार में से एक सांसद को दोनों टीके नहीं लगे हैं। सांसद सदन में भाषण देते वक्त अपने मास्क उतार सकते हैं लेकिन इसके बाद उन्हें मास्क पहनना होगा। पत्रकारों ने राष्ट्रपति जो बाइडन को भी बिना मास्क के देखा।

यह पूछने पर कि क्या वह मास्क लगाए बिना अपने कामकाज के पहले दिन का आनंद उठा रहे हैं, तो इस पर उन्होंने कहा, हां। करीब एक साल बाद पहली बार पत्रकार व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी के नियमित संवाददाता सम्मेलन में बिना मास्क लगाए गए। पेंटागन ने शुक्रवार को एलान किया कि टीकों की दोनों खुराक ले चुके रक्षा विभाग के कर्मचारियों को अंदर या बाहर मास्क पहनने की जरूरत नहीं है।

यात्रा प्रतिबंध समाप्त होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को लेकर भारत से लौटा पहला विमान

एजेंसी। मेलबर्न

भारत में कोविड-19 स्वास्थ्य संकट के कारण लगाया गया दो सप्ताह का यात्रा प्रतिबंध समाप्त होने के बाद पहला विमान भारत में फंसे ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को लेकर शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के डार्विन पहुंचा।

प्रतिबंध समाप्त होने के बाद ऑस्ट्रेलिया सरकार ने भारत में फंसे अपने नागरिकों की स्वदेश वापसी के लिए उड़ानें शुक्रवार से फिर से शुरू कर दीं। क्वांटास विमान स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजे से थोड़ा पहले रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (आरएएएफ) के एयरबेस पर पहुंचा। इसके जरिए 150 यात्रियों को लाया जाना था, लेकिन अंततः केवल 80 नागरिक स्वदेश लौटे। एबीसी न्यूज ने भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त बैरी ओ फैरेल के हवाले से कहा, शुक्रवार को पहली उड़ान में कई यात्रियों को सवार होने की इजाजत नहीं दी गई क्योंकि कोविड-19 जांच में उनके संक्रमित होने का पता चला।

संक्षिप्त समाचार

चीन में दो तूफानों में सात लोगों की मौत, 200 से अधिक घायल

बीजिंग। मध्य और पूर्वी चीन में दो तूफानों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। 200 से अधिक लोग घायल हो गए। चीन की सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने कैडियन जिला सरकार के हवाले से बताया कि वुहान सरकार ने कहा है कि शहर में छह लोगों की मौत हो गई और 218 लोग घायल हुए हैं। तूफान रात करीब आठ बजकर 40 मिनट पर आया। इस दौरान 86 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। इसके कारण कई निर्माणाधीन अस्थाई छतें और पेड़ उखड़ गए। इससे करीब 90 मिनट पहले जियांग्सु प्रांत से लगभग 400 किलोमीटर पूर्व में स्थित शेंगजे शहर में एक अन्य तूफान आया। इस शहर की देखरेख करने वाली सुझोउ सरकार ने बताया कि तूफान के मारण एक व्यक्ति की मौत हो गई और 21 लोग घायल हो गए हैं। शिन्हुआ ने बताया कि तूफान से शेंगजे में फैक्ट्रियों की इमारतें ध्वस्त हो गईं और बिजली केंद्रों को भी नुकसान पहुंचा है।

15 अगस्त को अपना पहला ई-स्कूटर लांच करेगी

मुंबई। बेंगलुरु आधारित इलेक्ट्रानिक वाहन स्टार्टअप सिंपल एनर्जी 15 अगस्त को अपना पहला ई-स्कूटर लांच करेंगी। सिंपल एनर्जी ने शनिवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि ई-स्कूटर पहले चरण में बेंगलुरु में बेचा जाएगा और बाद में चेन्नई और हैदराबाद में भी इसकी बिक्री की जाएगी। वाहन की कीमत 1.10-1.20 लाख रुपये के बीच रखी गई है। इसमें कहा गया कि कंपनी की आगे दूसरे शहरों में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाने की योजना है। बेंगलुरु में कंपनी के विनिर्माण संयंत्र के अलावा उसकी अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) इकाई भी है।

मध्य प्रदेश में आठ दिनों में चौथे बाघ का शव मिला

भोपाल। मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य के बफर जोन में एक बाघ का शव मिला है। राज्य में पिछले आठ दिनों में चार बाघों की मौत हुई है। बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य के क्षेत्र संचालक विन्सेंट रहीम ने शनिवार को फोन पर बताया कि बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य के बफर जोन में शुक्रवार को एक बाघ का शव क्षत-विक्षत हालत में मिला। उन्होंने कहा, बहुत ही ज्यादा क्षत-विक्षत हालत में शव के मिलने के कारण इसकी जीभ एवं अंदरूनी अवयवों को जांच के लिए भेजा गया है, ताकि इसके मरने के कारण का पता लगाया जा सके। इसकी रिपोर्ट की प्रतीक्षा है। इससे पहले प्रदेश के बैतूल जिले में 11 मई को करीब एक साल के बाघ शावक का शव रेल की पटरियों के पास मिला था, जबकि प्रदेश के कान्हा बाघ अभयारण्य के भैंसाघाट रेंज में आठ मई को 13 साल के एक बाघ का शव एवं सात मई को प्रदेश के बालाघाट जिले के वारासिवनी वन परियोजना अंतर्गत ग्राम खडगपुर अंसेरा के वन में नहर किनारे करीब डेढ़-दो साल का एक बाघ मृत पाया गया था।

कोविशील्ड की दो खुराकों के बीच 12-16 हफ्तों का अंतराल लागू

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोविड टीकाकरण केंद्रों (सीवीसी) ने कोविशील्ड टीके की पहली और दूसरी खुराक लेने के बीच कम से कम 12 हफ्तों या 84 दिनों का अंतराल रखना शनिवार से शुरू कर दिया है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को वापस लौटना पड़ा। इससे पहले कोविशील्ड टीके की दोनों खुराक लेने के बीच छह से आठ हफ्तों का अंतराल था। वरिष्ठ नागरिक समेत बड़ी संख्या में लोग दूसरा टीका लगाने के लिए दूर-दूर से कोविड टीकाकरण केंद्र आए थे लेकिन उन्हें वापस लौटना पड़ा। अपने पति के साथ आई अधेड़ उम्र की एक महिला ने कहा, हम नैहाटी से आए हैं। हमें पता नहीं था कि टीके लगाने के बीच अंतर बढ़ा दिया है और हमें यहां आने के बाद पता चला कि दूसरा टीका 84 दिनों के बाद लगाया जाएगा। शहर में 42 दिन बाद दूसरा टीका लगवाने के लिए टीकाकरण केंद्रों में कई लोग कतारों में लगे रहे लेकिन उन्हें बैरंग वापस लौटना पड़ा। पश्चिम बंगाल सरकार ने शुक्रवार को एक आदेश में कहा था कि कोविशील्ड टीके की दूसरी खुराक 12-16 हफ्तों के अंतराल के बाद दी जाएगी, जो कि पहले छह-आठ हफ्तों के अंतराल पर दी जा रही थी।

गंगोत्री मंदिर के कपाट खुले, श्रद्धालु को आने की अनुमति नहीं

उत्तरकाशी। कोविड-19 के बढ़ते कहर के बीच गंगोत्री मंदिर के कपाट एक सादे समारोह में शनिवार को खोल दिए गए। इस समारोह में मंदिर के पुजारियों और प्रशासन के कुछ लोगों समेत चुनिंदा लोग शामिल हुए। गंगोत्री मंदिर के पुजारी रवींद्र सेमवाल ने बताया कि अक्षय तृतीया के अवसर पर सुबह सात बजकर 31 मिनट पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच और विशेष पूजा के साथ मंदिर के द्वार खोले गए। उन्होंने बताया कि इस दौरान कोविड-19 संबंधी सभी प्रोटोकॉल का पालन किया गया और प्रशासन एवं मंदिर समिति के चुनिंदा लोगों को इस समारोह में शामिल होने की अनुमति दी गई। उन्होंने बताया कि मंदिर के कपाट खुलने के बाद पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से की गई। वैश्विक महामारी के मद्देनजर इस साल गंगोत्री मंदिर समेत उत्तराखंड में चारधाम यात्रा रद्द कर दी गई है, लेकिन नियमित पूजा के लिए मंदिरों के कपाट खोल दिए गए हैं। यमुनोत्री के कपाट 14 मई को खोले गए थे। केदारनाथ के कपाट 17 मई और बद्रीनाथ के कपाट 18 मई को खोले जाएंगे।

संयुक्त किसान मोर्चा छह महीने होने पर मनाएगा काला दिवस

नई दिल्ली। कृषि कानूनों का विरोध कर रहे 40 किसान संघों के प्रधान संगठन संयुक्त किसान मोर्चा ने शनिवार को कहा कि दिल्ली की सीमाओं पर चल रहे प्रदर्शन के छह माह होने पर 26 मई को काला दिवस के रूप में मनाया जाएगा। डिजिटल तरीके से संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने केंद्र के कृषि कानूनों के विरोध में लोगों से 26 मई को अपने घरों, वाहनों, दुकानों पर काला झंडा लगाने की अपील की है। राजेवाल ने कहा, 26 मई को इस प्रदर्शन के छह महीने हो जाएंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकार बनाने के सात साल पूरे होने के अवसर पर यह हो रहा है। हम इसे काला दिवस के तौर पर मनाएंगे। केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली चलो मार्च के तहत पानी की बौछारों और अवरोधकों का सामना करते हुए बड़ी संख्या में किसान 26 नवंबर को दिल्ली की सीमाओं पर आए थे।

ईरान के प्रधान न्यायाधीश ने राष्ट्रपति चुनाव को नामांकन कराया

दुबई। ईरान के प्रधान न्यायाधीश इब्राहिम रईसी ने शनिवार को देश के राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन कराया। कट्टरपंथी मौलाना रइसी 1988 में हजारों कैदियों को सामूहिक फांसी से संबंधित एक समिति का हिस्सा थे। रईसी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई (82) के संभावित उत्तराधिकारी के तौर पर खुद का नामांकन कराया है। हालांकि कुछ प्रमुख लोगों का कहना है कि वह इस दौड़ में आगे नहीं बढ़ पाएंगे। वहीं, उनके नामांकन से पता चलता है कि 2017 में भी उन्होंने इस पद को लेकर रुचि दिखाई थी, लेकिन असफल रहे थे। खामनेई से उनकी करीबी और भ्रष्टाचार रोधी मुहिम में हिस्सा लेने पर हासिल हुई लोकप्रियता चुनाव में उन्हें फायदा पहुंचा सकती है। विशेषज्ञों पहले ही कह चुके हैं कि कट्टरपंथियों को चुनाव में थोड़ा लाभ मिलता है।

नोएडा में ब्लैक फंगस के मिले 7 मरीज

दो अभी संदिग्ध और एक की हो चुकी मौत, दवा उपलब्ध नहीं

● संक्रमितों को झेलनी पड़ रही है दोहरी मार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अस्पतालों में भर्ती कोरोना मरीजों पर एक और आफत हमला कर रही है। मरीजों में ब्लैक फंगस यानी म्यूकोर्मिकोसिस के मामले बढ़ रहे हैं। नोएडा के कैलाश अस्पताल में इस बीमारी से पीड़ित एक मरीज को भर्ती कराया गया है।

ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में ऐसे 6 मरीज हैं। शारदा अस्पताल में 2 मरीज बताए जा रहे हैं। हालांकि, इन 2 मरीजों में डॉक्टरों ने अभी ब्लैक फंगस की पुष्टि नहीं की है। इतना ही नहीं हाल ही में एक मरीज की मौत ब्लैक फंगस के कारण हो चुकी है। एक और समस्या यह है कि इसकी दवा अभी बाजार में नहीं मिल रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक नोएडा के बरौला गांव निवासी मांगेराम शर्मा को कोविड-19 से ठीक होने के बाद आंखों की रोशनी कम हो गई। उन्हें मेरठ मेडिकल कॉलेज भेजा गया था। यहां मरीज की हालत गंभीर होने पर उन्हें नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

देशभर में कोरोना संक्रमण के मरीजों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। एक तरफ कोरोना संक्रमण के लोग उभर नहीं पा रहे हैं कि उन्हें ब्लैक फंगस का शिकार होना पड़ रहा है। ऐसा ही एक मामला नोएडा में भी सामने आया है। कोरोना संक्रमण के मरीज को ब्लैक फंगस हुआ है और उसकी आंखों की रोशनी चली गई है। परिजनों का कहना है कि उपचार के लिए उन्हें नोएडा के कैलाश हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है।

कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वालों को ब्लैक फंगस का खतरा ज्यादा

सीएमओ डॉ. रेखा शर्मा

हापुड़। कोविड-19 की दूसरी लहर में जहां वायरस म्यूटेंट होने से पहले से ज्यादा खतरनाक हो गया है, वहीं इस बार कम रोग प्रतिरोधक क्षमता वालों में दुर्लभ फंगल इंफेक्शन म्यूकोरमाइकोसिस (ब्लैक फंगस) के मामले भी सामने आ रहे हैं। हालांकि हापुड़ में अभी तक केवल एक ही मामला सामने आया है, मरीज को उपचार के लिए नोएडा रेफर किया गया है और साथ ही इस फंगल इन्फेक्शन पर नजर रखने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है। जिस कोविड अस्पताल में पहला मामला सामने आया है, उसमें भर्ती अन्य उपचाराधीनों की भी स्क्रीनिंग की जा रही है, हालांकि उपचाराधीन आइसोलेशन में था। यह बातें शनिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डा. रेखा शर्मा ने कही।

सीएमओ ने बताया मधुमेह रोगियों को कोविड-19 होने पर म्यूकोरमाइकोसिस का खतरा ज्यादा है, क्योंकि इन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। ऐसे लोग शुगर लेवल का ध्यान रखें। घर में रहते हुए अपनी पंसदीदा पुस्तक पढ़ें या टीवी पर अपने पंसदीदा कार्यक्रम और फिल्म आदि देखें। कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लें और तनाव से बचे रहें। निगेटिव खबरों से भी दूरी बनाकर रखें। पॉजिटिव सोचें। ध्यान रहे शुगर बढ़ने और तनाव से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है।

ब्लैक फंगस के लक्षण

- नाक में दर्द हो, खून आए या नाक बंद हो जाए
- नाक में सूजन आ जाए
- दांत या जबड़े में दर्द हो या गिरने लगें
- आंखों के सामने धुंधलापन आए या दर्द हो, बुखार हो
- सीने में दर्द
- बुखार
- सिर दर्द
- खांसी
- सांस लेने में दिक्कत
- खून की उल्टियाँ होना
- कभी-कभी दिमाग पर भी असर होता है

कैसे बचें

- किसी निर्माणाधीन इलाके में जाने पर मास्क पहनें।
- बगीचे में जाएं तो फुल आस्तीन शर्ट, पैंट व ग्लब्स पहनें
- ब्लड ग्लूकोज स्तर को जांचते रहें और इसे नियंत्रित रखें

कोरोना जांच के लिए 16 गांवों में लगे शिविर

● ईशान आयुर्वेदिक अस्पताल में 10 बेड का आक्सीजन केयर सेंटर शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गांव में लगाए गए शिविर में एक ग्रामीण की एंजीजन टेस्ट करता स्वास्थ्यकर्मी।

गांवों के बिगड़े हालात को सुधारने के लिए प्रशासन जुटा हुआ है। मरीजों की पहचान करने के लिए शुक्रवार को 16 गांवों में जांच शिविर लगाए गए। यहां पर एंटीजन जांच करके मरीजों की पहचान की गई।

वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों के लिए शुक्रवार को ईशान आयुर्वेदिक अस्पताल में 10 बेड का आक्सीजन केयर सेंटर शुरू हो गया। यहां पर 90.96 ऑक्सीजन लेवल वाले मरीजों को भर्ती किया जाएगा। अगर किसी मरीज की हालत गंभीर होती है तो यहां से दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा। गांवों में बिगड़े हालात का मुद्दा पायनियर ने उठाया था इसके बाद प्रशासनिक अमले ने गांवों की ओर रुख किया। स्वास्थ्य विभाग ने गांवों में जांच शिविर लगाया। शुक्रवार को इस्लामाबाद कल्दा, शादीपुर छिड़ौला, रनौली लतीफपुर, शाहपुर खुर्द, नगला नैनसुख, समाउद दीनपुर, पटादी, बिसाहड़ा, खंगौड़ा, ततारपुर, सैंथली, नगला चमरू, बंबावड़, कूड़ी खेड़ा, उपरालसी, मुठियानी आदि गांवों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने जांच शिविर लगाया।

शिविर दो पालियों में लगाए गए। किसी गांव में 8 बजे से 1.30 बजे तक और किसी गांव में 2 बजे से रात 8 बजे तक शिविर लगे। इन शिविरों में एंटीजेन जांच की गई। अकेले बंबावड़ में 84 लोगों की जांच की गई। इसमें 12 ग्रामीण पॉजिटिव पाए गए। गांव के निवासी अमित नागर ने बताया कि शुक्रवार को गांव में जांच शिविर लगाया गया। उन्होंने बताया कि 15.20 दिनों के भीतर 20 लोगों की मौत हो चुकी है। लोगों में बुखार, खांसी व जुकाम की शिकायत थी। सांस लेने में दिक्कत के बाद निधन हुआ है।

संक्रमण से बचने को बरतें सावधानी : कमिश्नर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जेवर में ग्रामीणों से मिलकर उनका हालचाल लेते पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह।

पुलिस कमिश्नर ने जेवर विधायक के साथ शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जेवर का निरीक्षण किया जो कोरोना पोजिटिव मरीजो के उपचार के लिये तैयार किया गया है। वहीं, उन्होंने कई गांवों में जाकर ग्रामीणों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना।

पुलिस कमिश्नर आलोक कुमार सिंह ने जेवर विधायक ठाकुर धीरेन्द्र सिंह के साथ शुक्रवार को कोविड 19 के लिये सभी संसाधनों से लैस हुए जेवर के कानीगढी रोड पर स्थित सीएचसी का निरीक्षण कर चिकित्सकों से परामर्श कर जेवर विधायक के कार्य की तारीफ की और उसके बाद पुलिस कमिश्नर ने सीएचसी में वृक्षारोपण करने के बाद गांव कानीगढी कर्रोल व रामपुर में ग्रामीणो के साथ महामारी को लेकर वार्ता की। गांव में कोई पोजिटिव मरीज नहीं मिलने पर उन्होंने खुशी जाहिर की और ग्रामीणों से महामारी से बचने के लिये सावधानी बरतने व मास्क लगाने की अपील की।

बता दें की सीएचसी का मेरठ मंडल आयुक्त संतोष सिंह व जिलाधिकारी गौतमबुध्दनगर सुहास एलवाई भी सीएचसी का निरीक्षण किया था।

प्राधिकरण ने 67 दैनिक श्रमिकों को दिलाया काम

नोएडा। कोरोना महामारी में दैनिक श्रमिकों को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण काम भी दिलवा रहा है। शुक्रवार को प्राधिकरण ने 67 कामगारों को काम दिलवाया। अब तक प्राधिकरण ने 302 लोगों को काम दिलवा चुका है।

प्राधिकरण का प्रयास है कि महामारी के समय में भी लोगों को काम मिलता रहे। ग्रेनो प्राधिकरण सीईओ नरेंद्र भूषण ने लाकडाउन को देखते हुए दैनिक श्रमिकों को कोई दिक्कत ना हो, इसके लिए योजना बनाई। उन्होंने प्राधिकरण के सहायक प्रबंधक ज्ञानेन्द्र यादव को जिम्मेदारी दी गई। वह रोजाना डेल्टा सेक्टर की रोटरी के समीप स्थित लेबर चौक पर अपने ठेकेदारों के साथ जाकर दैनिक श्रमिकों को काम दिला रहे हैं।

कोरोना पीड़ितों के लिए देवदूत बनी सेवा भारती

सेवादार मरीजों को घर-घर उपलब्ध करा रहे हैं निशुल्क सात्विक भोजन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहयोगी संस्था सेवा भारती कोरोना पीड़ितों के लिए घर-घर निशुल्क भोजन पहुंचाकर एक बड़ी मानव सेवा कर रही है। गाजियाबाद जनपद के लोनी और मुरादनगर में ऐसे कोरोना पीड़ितों को निशुल्क भोजन उनके घरों पर पहुंचा रहे हैं जो आइसोलेशन में रहकर कोरोना का इलाज करा रहे हैं। आइसोलेशन में रह रहे ये वह घर है जहां भोजन बनाने की कोई व्यवस्था नहीं है।

इस परेशानी को ध्यान में रखते हुए सेवा भारती ने आइसोलेशन में रह रहे लोगों को भोजन उनके घरों पर पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। खास बात यह है कि लोनी व मुरादनगर में दोपहर के भोजन के लिए सुबह 8:30 बजे से 10:00 बजे तक ऑर्डर कर सकते हैं जबकि शाम के भोजन के लिए शाम 4:00 से 5:30बजे तक ऑर्डर दे सकते हैं।

सेवा भारती लोनी के प्रचार प्रसार प्रमुख विवेक अग्रवाल ने बताया कि लोनी में यह सेवा 14 मई से शुरू की गई है और अभी उनके पास 40 से 50 थाली के ऑर्डर ही आए हैं और बहुत जल्दी यह संख्या अभी और बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि थाली में सात्विक भोजन को वरीयता दी गई है। थाली में दाल मौसमी सब्जी चपाती और गुड विशेष रूप से भोजन प्रसाद में रखा गया है। लोनी में सेवा भारती की रसोई बंथला स्थित सेवा भारती के भारत भवन में शुरू की गई है।

भोजन तैयार करने से लेकर वितरण तक की व्यवस्था में लगभग दो दर्जन सेवा भारती के कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। इसके अलावा मुरादनगर में भी आइसोलेशन में रह रहे लोगों को सेवा भारती के कार्यकर्ता देवदूत बनकर निशुल्क भोजन उनके घरों तक पहुंचा रहे हैं। मुरादनगर सेवा भारती के सक्रिय सेवादार नवीन सिंघल ने बताया कि सरस्वती शिशु मंदिर मुरादनगर में भोजन तैयार किया जाता है और वही से दोनों समय का भोजन वितरण के लिए जाता है।

भोजन के लिए संपर्क सूत्र

लोनी इलाके में आइसोलेशन में रह रहे लोग इन दो संपर्क सूत्रों पर भोजन के लिए आर्डर दे सकते हैं।

- विवेक कांत अग्रवाल संपर्क सूत्र 8510953030
- रामनिवास संपर्क सूत्र, 9313552623

बॉक्स,
मुरादनगर में निशुल्क भोजन के लिए यहां करें संपर्क

- रामनिवास गोयल संपर्क सूत्र 9868310035
- संजीव चौधरी संपर्क सूत्र, 9312882561
- नवीन सिंघल संपर्क सूत्र, 9897054751
- रजनीश 9259195767

संक्षिप्त समाचार

ऑक्सीजन प्लांट का शुभारंभ करते लोनी के विधायक।

लोनी में बंद पड़ा ऑक्सीजन प्लांट शुरू

गाजियाबाद। लोनीवासियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। महीनों से बंद पड़े ट्रोनिका सिटी स्थित ऑक्सीजन प्लांट में लिक्विड टैंक पहुंचने के बाद ऑक्सीजन रिफलिंग का काम शुरू हो गया। जिसके बाद लोनी क्षेत्र में ऑक्सीजन की किल्लत दूर हो गयी। विधायक नन्दकिशोर गुर्जर ने प्लांट का उद्धघाटन करते हुए कहा कि ऑक्सीजन आपूर्ति में अब लोनी आत्मनिर्भर बन गया है।

सवा पांच करोड़ हरे राम हरे कृष्ण महामंत्र का वर्चुअल जाप करते श्रद्धालु।

कोरोना से मुक्ति के लिए महामंत्र का जाप

गाजियाबाद। संस्कार प्रवाह चैरिटेबल ट्रस्ट गाजियाबाद के तत्वावधान में कोरोना महामारी के संकट से निजात पाने के लिए अक्षय तृतीया पर सवा पांच करोड़ हरे राम हरे कृष्ण महामंत्र जप के अनुष्ठान का आयोजन किया गया। अनुष्ठान में देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने भाग लिया और हरे राम हरे कृष्ण महामंत्र का जाप किया। अनुष्ठान अध्यात्मिक गुरु नवनीत प्रिया दास महाराज कराया।

सीकरी कलां गांव में एक महीने में 14 मौत से दहशत

गाजियाबाद। शहरी क्षेत्रों के साथ कोरोना संक्रमण गाजियाबाद के ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपने पैर पसार रहा है। मोदीनगर क्षेत्र के सीकरी कलां गांव में बीते 1 महीने के अंदर बीमारी और कोरोना से 14 लोगों की मौत हो गई है। सीकरी कलां गांव के नवनिर्वाचित प्रधान सुरमेश शर्मा ने बताया कि 10 से 15 दिनों के अंदर कोरोना महामारी के कारण गांव में 14 लोगों की मौत हो गई है।

गौतमबुद्धनगर जिले में संक्रमण से 10 की मौत

नोएडा। जनपद गौतमबुद्धनगर में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण से 10 लोगों की मौत हुई है। जिले में कोविड-19 के 480 नए मामले सामने आए जबकि 1250 लोग संक्रमण मुक्त हुए हैं। जनपद में कोविड-19 से मरने वाले लोगों की संख्या 381 हो गई है। जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर सुनील दोहरे ने बताया कि शनिवार को जिले के विभिन्न अस्पतालों और गृह-पृथकवास में 6850 मरीजों का उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद में अभी तक कुल 58,700 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है जिनमें से 51876 मरीज संक्रमण मुक्त होकर घर जा चुके हैं।

सगे भाई व पति ने मिलकर की थी महिला की हत्या

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना मसूरी थाने के बयाना गांव में दो दिन पहले हुए महिला की नृशंस हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है।

पुलिस ने इस मामले में महिला के सगे भाई व पति को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर आलाकत्ल फावड़ा बरामद कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आये दिन होने वाली कलह से परेशान होकर जीजा, साले ने महिला की फावड़े से काटकर हत्या की थी।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. इराज राजा ने शनिवार को बताया कि 13 मई को गांव बयाना में राजकुमारी नामक एक महिला का उसी के घर के कमरे में खून से लथपथ लाश बरामद हुई थी।। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और इस पूरे मामले की जांच में जुट गई । इसी दौरान मृतका का पति दीपक खुद थाने पहुंचा और उसने कहा कि किसी ने उसकी पत्नी की हत्या करने की बात कहकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की थी । लेकिन पुलिस ने शुरुआती जांच पड़ताल में महिला के पति को ही पूरे मामले में संदिग्ध पाया गया। जिसके बाद उससे गहनता से पूछताछ की गई तो उसने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि अपने साले कृष्ण के साथ मिलकर दोनों ने ही फावड़े से वार कर महिला की हत्या की है ।

कार से धक्का देकर हत्या की कोशिश, गिरफ्तार

कविनगर पुलिस ने एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है जिसने अपनी पत्नी के साथ न केवल गाली गलौज व मारपीट की बल्कि उसे चलती गाड़ी से धक्का देकर उसकी हत्या की कोशिश भी की। इस शख्स का नाम सचिन वर्मा है जो गोविंदपुरम के दुर्गा एनक्लेव का रहने वाला है । इस संबंध में सचिन के खिलाफ कविनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस ने सचिन को गिरफ्तार कर लिया।

मृतका राजकुमारी की फाइल फोटो

मसूरी पुलिस की गिरफ्त में दोनो हत्यारोपी।

सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

नोएडा। जनपद के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए दो सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक दादरी थाना क्षेत्र के ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर अपनी कार से जा रहे श्रीकांत की गाड़ी खराब हो गई। वह कार से उतर कर सड़क पर खड़े थे। तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। इस घटना में उनकी मौत हो गई। इसके अलावा सूरजपुर थाना क्षेत्र में एक अन्य सड़क हादसे में धर्मेंद्र कुमार की मौत हो गई।

लोनी सीएचसी में आइसोलेशन वार्ड का फीता काटकर उद्घाटन करते विधायक।

लोनी सीएचसी में बनाया 50 बेड का आइसोलेशन वार्ड

घर में आइसोलेशन संभव न होने पर निशुल्क सुविधा का लाभ लें : एसडीएम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● विधायक ने फीता काटकर किया उद्घाटन

जिला प्रशासन ने जहां बड़े गांवों में आइसोलेशन सेंटर बनाने का निर्णय लिया है वहीं लोनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को 50 बेड का आइसोलेशन वार्ड बनकर तैयार हो गया। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने आइसोलेशन वार्ड का फीता काटकर उद्घाटन किया।

इस मौके पर एसडीएम लोनी शुभांगी शुक्ला व अन्य अधिकारियों के अलावा सीएचसी लोनी प्रभारी डा. राजेश तेवतिया भी मौजूद रहे। इसके पहले डासना सीएचसी में भी आइसोलेशन वार्ड जिला प्रशासन की ओर से तैयार कराया जा चुका है। आइसोलेशन वार्ड में जिला प्रशासन की ओर से भोजन की भी व्यवस्था कराई जा रही है।

एसडीएम लोनी शुभांगी शुक्ला ने बताया जिन घरों में जगह की कमी है और होम आइसोलेशन संभव नहीं है, ऐसे लोगों के लिए आइसोलेशन सेंटर तैयार कराए जा रहे हैं। जनपद में डासना के बाद लोनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आइसोलेशन सेंटर तैयार हो गया है। जिला प्रशासन अन्य स्थानों पर भी इस तरह की तैयारी में जुटा है। लोनी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैयार कराया गया आइसोलेशन वार्ड 50 बेड का है।

एसडीएम ने बताया यहां सफाई की विशेष व्यवस्था की गई है। जिन लोगों की तबीयत खराब होती है या कोरोना के लक्षण पाए जाते हैं तो वह अपने परिवार वालों से दूरी बनाकर यहां आकर भर्ती हो सकते हैं।

उप्र-यूपीसीडा एवं उद्यमियों की अनूठी पहल

जिले की 40 औद्योगिक इकाइयों में बनाए 211 आइसोलेशन बेड

गाजियाबाद जनपद के 10 हजार से ज्यादा उद्योगों में हो रहा निर्बाध रूप से उत्पादन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

सीईओ मयूर माहेश्वरी

कोरोना की दूसरी लहर में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) एवं उद्यमियों की जुगलबंदी इन दिनों खूब चर्चाओं में है। ना केवल गाजियाबाद बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में यूपीसीडा एवं उद्यमी आपस मे सामंजस्य बैठाकर कोरोना काल में संक्रमितों को राहत पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

अकेले गाजियाबाद में ही 40 औद्योगिक इकाइयों में 211 आइसोलेशन बेड बनाये गए हैं। आगामी सप्ताह तक यह संख्या दोगुनी हो जाएगी। यहां पर दस हजार से ज्यादा उद्योग निर्बाध रूप से चल रहे हैं।

यूपीसीडा की क्षेत्रीय सहायक महाप्रबंधक स्मिता सिंह ने बताया कि यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी के आह्वान पर यूपीसीडा गाजियाबाद के उद्यमी जिले के साथ प्रदेश में भी कोरोना योद्धा के रूप में उभर के आए हैं। यहां की 65-70 प्रतिशत जनसंख्या उद्योगों से जुड़ी हुई है । मुख्यमंत्री की आशाओं के अनुरूप अनेक कठिनाइयों जिनमें कच्चे माल की कमी, तैयार माल को भेजना, परिवहन की दिक्कतों के बावजूद 80 से 85 प्रतिशत उद्योगों को क्रियान्वित रखा और 85 से 90 प्रतिशत मजदूर बिना किसी परेशानी के अपनी ड्यूटी कर रहे हैं। स्मिता सिंह ने बताया कि जिले के 10 औद्योगिक क्षेत्रों में लगभग 400 आयरन उद्योग हैं और लगभग इतने ही आयरन व स्टील के ट्रेडिंग प्रतिष्ठान है। उन्होंने बताया कि कोरोना के प्रकोप और पिछले वर्ष के अनुभव को ध्यान में रखते हुए यूपीसीडा ने उद्यमियों को बड़े उद्योगों में हेल्पडेस्क एवं छोटे उद्योगो में संयुक्त हेल्पडेस्क अथवा असोसीएशन के माध्यम से अलग-अलग ब्लॉक में हेल्पडेस्क स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। जिसके फलस्वरूप आज औद्योगिक क्षेत्रों में 5606 कोविड हेल्प डेस्क स्थापित और संचालित हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक डेस्क में ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर सेनिटाइजर व ग्लब्स उपलब्ध है। कार्यालय में भी हेल्प-डेस्क संचालित की जा रही है तथा कोरोना नियमों का पालन करते हुए उद्यमियों के सभी कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि 12 मई को सीईओ मयूर माहेश्वरी द्वारा जिले के प्रबुद्ध उद्यमियों के साथ विडीओ कांफ्रेंसिंग के जरिए उद्यमियों की समस्याओं एवं सुझावों पर विस्तृत चर्चा गई। जिसमें उन्होंने परिप्रेक्ष्य में नए प्रोजेक्ट, ऑक्सिजन से सम्बंधित उद्योग प्रारम्भ करने पर बल दिया।

महामारी से बचाने को दनकौर और रबपुरा में बनेंगे अस्पताल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● विधायक निधि से कराया जाएगा निर्माण

देहात क्षेत्र के मरीजों को समुचित चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए दनकौर और रबूपुरा कस्बे में बड़े अस्पताल बनेंगे। इन अस्पतालों में मर्जी मरीज भर्ती हो सकेंगे और उनका बेहतर इलाज हो सकेगा।

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने इसकी पहल की है। विधायक ने बताया कि रबूपुरा कस्बे में नगर पंचायत द्वारा अस्पताल की बिल्डिंग का निर्माण कराया जाएगा। उनकी विधायक निधि से उसमें चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए अस्पताल भवन बनाने के लिए नगर पंचायत ने सहमति दे दी है। अब इसके लिए जिले के स्वास्थ्य विभाग से एनओसी लेने की तैयारी की जा रही है। वहीं दनकौर कस्बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में परिवर्तित किया जाएगा। दनकौर कस्बे का जो सरकारी अस्पताल है उसे जेवर की तरह मेटरनिटी सेंटर बनाया जाएगा और नए अस्पताल को दनकौर ब्लाक के भवन और भूमि पर स्थानांतरित किया जाएगा। ज्ञात हो कि दनकौर ब्लॉक को शासन ने सम्सप्त कर दिया है। अब दनकौर ब्लॉक का काफी भवन और भूमि बिना किसी उपयोग के है। यह स्थान कस्बे से बाहर होने के कारण क्षेत्र के मरीजों को वहां आने जाने में भी सहूलियत रहेगी।

विश्वकप क्वालीफायर्स के लिए

19 को कतर रवाना होगी भारतीय फुटबॉल टीम

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल टीम 19 मई को कतर के लिए रवाना होगी क्योंकि इस देश ने भारतीय टीम को राहत देते हुए अगले महीने होने वाले 2022 विश्वकप क्वालीफायर से पहले खिलाड़ियों की वहां ट्रेनिंग का अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। इतना ही नहीं कतर ने भारतीय दल के वहां पहुंचने के लिए 10 दिन के अनिवार्य पृथकवास से छूट देने का एआईएफएफ का आग्रह भी मान लिया है। भारतीय टीम तीन जून को पहले मुकाबले पूर्व जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में लगभग दो हफ्ते के तैयारी शिविर में हिस्सा लेगी।

एआईएफएफ के महासचिव कुशाल दास ने शनिवार को एजेंसी से कहा, हम 19 मई की शाम को टीम को भेजने की योजना बना रहे हैं। पृथकवास से नहीं गुजरना होगा और वे जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहेंगे। दास ने कहा कि खिलाड़ी नई दिल्ली में जुटेंगे और कतर के लिए रवाना होने से पहले उनका कोविड-19 परीक्षण होगा। भारत पहले ही 2022 फीफा विश्वकप में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो चुका है, लेकिन इन संयुक्त क्वालीफायर में अब भी 2023 एशियाई कप में जगह बनाने की दौड़ में है। एशियाई कप क्वालीफिकेशन में भारत को अभी कतर (तीन जून), बांग्लादेश (सात जून) और अफगानिस्तान (15 जून) के खिलाफ तीन मुकाबले खेलने हैं। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने कोरोना वायरस महामारी के कारण यात्रा और पृथकवास पाबंदियों को देखते हुए मार्च में कतर को ग्रुप ई के बाकी बचे मैचों के आयोजक के रूप में चुना था। दास ने बुधवार को कहा था कि राष्ट्रीय टीम देश में कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण यहां ट्रेनिंग नहीं कर सकती और वे विश्वकप क्वालीफाइंग मुकाबलों से पहले विदेश में शिविर के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

भारतीय टीम अभी पांच मैचों में तीन अंक के साथ ग्रुप तालिका में चौथे स्थान पर चल रही है। भारतीय टीम बाकी बचे मैचों से अधिकतम अंक जुटाना चाहेगी जिससे कि शीर्ष तीन में जगह बनाकर 2023 एशियाई कप क्वालीफाइंग तीसरे दौर के लिए स्वत: क्वालीफाई कर सके। मार्च में भारत ने दुबई में ओमान और यूएई के खिलाफ मैत्री मैच के रूप में नवंबर 2019 के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। भारत ने ओमान को 25 मार्च को 1-1 से बराबरी पर रोका था, लेकिन यूएई के खिलाफ 29 मार्च को उसे 0-6 से करारी हार का सामना करना पड़ा।

मिजोरम में गश्त लगा रहे हैं फुटबॉलर जेजे लालपेखलुआ

नई दिल्ली। फुटबॉल के मैदान से दूर भारतीय टीम के स्ट्राइकर जेजे लालपेखलुआ अपने राज्य मिजोरम में तुइचांग नदी के आसपास गश्त लगा रहे हैं, जिससे कि बेहद अधिक संख्या में मछली पकड़ने से लोगों को रोका जा सके और स्थानीय मछुआरों की जीविका में मदद हो सके। हाल में बहुत अधिक संख्या में मछली पकड़ने के मामलों के कारण तुइचांग नदी चर्चा में आई थी, जिसके बाद स्थानीय लोगों को नदी पर लगातार नजर रखने के लिए बाध्य होना पड़ा। गश्त लगाने वालों में भारतीय टीम और एससी ईस्ट बंगाल के फारवर्ड लालपेखलुआ भी शामिल हैं। इस फुटबॉलर ने अपने गांव मॉडल वेंग हनाहथियाल में कई युवाओं के साथ मिलकर एक समूह तैयार किया है, जो दिन-रात गश्त लगाकर अपने घरों के समीप बहने वाली नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने में मदद कर रहे हैं।

लालपेखलुआ ने द-एआईएफएफ.कॉम से कहा, पिछले कई वर्षों से बेहद अधिक संख्या में मछली पकड़ने से ताइचुंग नदी में मछलियों की संख्या काफी कम हो गई है। यह बड़ी समस्या बन रही है, स्थानीय मछुआरों के लिए भी जो आजीविका के लिए नदी पर निर्भर हैं। मॉडल वेंग के स्थानीय लोगों ने तुइचांग के किनारे 500 मीटर के क्षेत्र की पहचान की है जिसे मछलियों के अंडे देने का स्थान माना जाता है। इस इलाके में अलग अलग पालियों में 24 घंटे गश्त की जा रही है जिससे कि अधिक संख्या में मछली पकड़ने से रोका जा सके। लालपेखलुआ ने कहा, पिछले साल से हम सभी बारी बारी इस इलाके में गश्त लगाते हैं जिससे कि सुनिश्चित हो सके कि इस इलाके में कोई मछली नहीं पकड़ पाए। यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है कि मछलियों को कम से कम उनके प्रजनन के इलाके में अकेला छोड़ दिया जाए। इस छोटे से कदम से ही हमें नतीजे दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, नदी में अब इतनी सारी मछलियां हैं- स्थानीय मछुआरों ने कहा है कि उन्होंने कई वर्षों से नदी में इतनी मछलियां नहीं देखी।

रमन ने लगाया उनके खिलाफ अभियान चलाने का आरोप

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच पद से हटाए गए डब्ल्यू वी रमन ने आरोप लगाया कि उन्हें बदनाम करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली से इस पर रोक लगाने का अनुरोध किया। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख राहुल द्रविड़ और गांगुली को भेजे पत्र में रमन ने लिखा कि बतौर कोच उनके नाकाबिल होने के अलावा किसी और कारणों से उनकी दावेदारी खारिज की गई है तो यह काफी चिंताजनक है। एक हैरानी भरे फैसले में क्रिकेट सलाहकार समिति ने रमन की बजाय रमेश पोवार को महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच चुना। रमन के मार्गदर्शन में भारतीय टीम पिछले साल टी-20 विश्वकप के फाइनल में पहुंची थी।

रमन ने पत्र में लिखा, मेरा मानना है कि मेरे काम करने के तौर तरीकों को लेकर आपको अलग-अलग राय दी गई होगी। उनका मेरी दावेदारी पर कितना असर पड़ा, यह बात करना अब बेमानी है। उन्होंने कहा, महत्वपूर्ण यह है कि कलंकित करने वाले इस अभियान ने कुछ बीसीसीआई अधिकारियों का अवांछित ध्यान खींचा है जिस पर स्थाई रोक लगाए जाने की जरूरत है। अगर आपको या किसी पदाधिकारी को सफाई देने की जरूरत है तो मैं इसके लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा, अगर बतौर कोच मेरे नाकाबिल रहने के अलावा किसी और कारण से मेरी दावेदारी खारिज की गई, तो उस फैसले पर कोई बहस नहीं हो सकती, लेकिन चिंताजनक यह है कि मेरी दावेदारी अन्य कारणों से खारिज की गई। रमन ने कहा, खास तौर पर उन लोगों के आरोपों की वजह से जिनका फोकस भारतीय महिला टीम के कल्याण और देश के गौरव की बजाय अपने निजी लक्ष्य हासिल करने पर था। रमन ने अपने पत्र में किसी का नाम नहीं लिखा लेकिन समझा जा रहा है कि वह टीम में स्टार संस्कृति के बारे में लिख रहे थे। उनका मानना है कि इससे भलाई की बजाय बुरा अधिक हुआ है। उन्होंने कहा, अपने 20 साल के कोचिंग कॅरियर में मैंने हमेशा ऐसी टीम संस्कृति तैयार की है, जिसमें टीम पहले आती है और कोई खिलाड़ी टीम या खेल से बड़ा नहीं है। उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि आप जैसे दो लीजेंड महिला क्रिकेट को बचाएं क्योंकि ऐसा नहीं करने पर चीजें गलत दिशा में चली जाएंगी। मेरे पास महिला क्रिकेट की बेहतरी के लिए सुझाव है और अगर आप इच्छुक हों तो आपके साथ साझा करना चाहूंगा।

डोप टेस्ट चूकने के कारण ओलंपिक से बाहर अमेरिकी त्रिकूद खिलाड़ी

जिनेवा। अमेरिका के त्रिकूद खिलाड़ी उमर क्राडोक को डोप टेस्ट चूकने के कारण 20 महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया जिससे वह टोक्यो ओलंपिक और 2022 विश्व चैंपियनशिप नहीं खेल सकेंगे। ट्रैक और फील्ड एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट ने आरोप लगाया कि 2019 पैन अमेरिका खेलों के चैंपियन क्राडोक ने डोपिंग निरोधक नियम तोड़े है और बारह महीने में तीन बार ठिकाने की जानकारी संबंधी नियम का उल्लंघन किया। क्राडोक अगस्त 2019 और जुलाई 2020 में नमूने नहीं दे सके।

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड के आईपीएल खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में जगह मिलना मुश्किल

लंदन। इंग्लैंड के आईपीएल क्रिकेटरों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में जगह मिलना मुश्किल है क्योंकि बोर्ड अभ्यास के बिना उन्हें पृथकवास से सीधे टेस्ट खेलने नहीं उतारना चाहता। इसके मायने हैं कि जोस बटलर, जॉनी बेयरस्टो, क्रिस वोक्स, सैम कुरेन और मोईन अली जैसे खिलाड़ी दो जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला नहीं खेल सकेंगे। उनका पृथकवास इस सप्ताह के आखिर में खत्म होगा जबकि लार्ड्स पर पहला टेस्ट शुरू होने में दो सप्ताह ही बचे हैं। बीबीसी स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल खिलाड़ियों के लिए समय बहुत कम बचा है। इसके मायने हैं कि ओली रॉबिनसन, क्रेग ओवरटन और जेम्स ब्रासे जैसे खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है। द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ट क्रिकेट का अभ्यास नहीं मिल पाना चिंता का सबब है। वहीं दूसरे खिलाड़ी कई सप्ताह से काउंटी चैंपियनशिप खेल रहे हैं। मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड मंगलवार को चयन समिति की बैठक बुलाएंगे। इससे पहले इंग्लैंड पुरुष क्रिकेट के प्रबंध निदेशक एशले जाइल्स ने संकेत दिया था कि निलंबित आईपीएल से लौटे खिलाड़ियों का न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला खेलना कठिन है। आईपीएल में इंग्लैंड के 11 क्रिकेटरों ने भाग लिया था। आईपीएल बायो बबल में कोरोना संक्रमण के कारण चार मई को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया।

लाहिड़ी बायरोन नेलसन में कट में प्रवेश से चूके

मैककिनी (अमेरिका)। भारत के अनिर्बाण लाहिड़ी ने छह बर्डी लगाई, लेकिन एटी एंड टी बायरोन नेलसन गोल्फ चैंपियनशिप में कट में प्रवेश से एक शॉट से चूक गए। लाहिड़ी ने पहले दो दौर में 70 का स्कोर किया और कुल चार अंडर 140 के स्कोर के बावजूद एक शॉट से कट चूक गए। लाहिड़ी ने छह बर्डी लगाए और चार बोगी किए। इस बीच अमेरिका के सैम बर्न्स ने कॅरियर का सर्वश्रेष्ठ 62 का स्कोर करके बढ़त हासिल की। एलेक्स नोरेन दूसरे स्थान पर हैं, जबकि कोरिया के के एल ली तीसरे स्थान पर हैं।

त्वेसा ने दक्षिण अफ्रीका में कट में प्रवेश किया

केपटाउन। भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक ने तेज हवाओं के बीच इंवेस्टेक दक्षिण अफ्रीका महिला ओपन में कट में प्रवेश कर लिया। मलिक ने सात ओवर 79 का स्कोर किया लेकिन वह संयुक्त 18वें स्थान पर रहकर कट में जगह बनाने में कामयाब रही। दक्षिण अफ्रीका की निकोल गार्शिया ने एक ओवर पार 73 का स्कोर करके ली अन पेस पर एक शॉट की बढत बना ली।

राहिल गंगजी डायमंड कप में संयुक्त 39वें स्थान पर पहुंचे

कानागवा (जापान)। भारतीय गोल्फर राहिल गंगजी जापान टूर पर एशिया-पैसीफिक डायमंड कप के तीसरे दौर में दो अंडर 70 के कार्ड के साथ अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए संयुक्त रूप से 39वें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने सागामिहारा कंट्री क्लब में इससे पहले शुरुआती दौर में 74 और फिर दूसरे दौर में 72 के स्कोर के साथ कट हासिल किया था। गंगजी ने 11वें, 13वें और 18वें होल में बर्डी लगाया जबकि 14वें होल में उन्होंने बोगी कर दिया। उनका स्कोर पार 216 है। मौजूदा सत्र में गंगजी ने चार प्रतियोगिताओं में भाग लिया है जिसमें से दो में कट हासिल करने में सफल रहे है। रिकुया होशिनो 10 अंडर 206 (72, 65, 69) के स्कोर से दो शॉट के बढ़त के साथ शीर्ष पर है। इस प्रतियोगिता के विजेता को ब्रिटिश ओपन में खेलने का मौका मिलेगा।

दूसरे गेंदबाजों की भी गेंद से छेड़खानी का इल्म था: बेनक्रोफ्ट

लंदन। गेंद से छेड़खानी मामले में शामिल रहे कैमरन बेनक्रोफ्ट का कहना है कि स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और उनके अलावा आस्ट्रेलिया के बाकी गेंदबाजों को भी न्यूलैंड्स टेस्ट के दौरान की गई इस गलती की जानकारी थी। बेनक्रोफ्ट को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2018 में तीसरे टेस्ट के दौरान गेंद पर रेगमाल रगड़ते हुए कैमरे में कैद कर लिया गया था। उस घटना ने आस्ट्रेलिया और विश्व क्रिकेट को झकझोर दिया था। द गार्डियन को दिए इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या बाकी गेंदबाजों को इसकी जानकारी थी, उन्होंने कहा, हां। मैं इतना ही चाहता था कि अपनी हरकत और भूमिका को लेकर जवाबदेह और जिम्मेदार रहूं। उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर मैंने जो किया उससे दूसरे गेंदबाजों को फायदा मिला और उन्हें इसकी जानकारी थी। यह अपने आप में स्पष्ट है। यह पूछने कि उनके साथ गेंदबाजों को क्या इसकी जानकारी थी, उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि थी। यह अपने आप में स्पष्ट है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद ब्रेक लेंगे सिल्वरवुड

लंदन। इंग्लैंड के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट की श्रृंखला के बाद ब्रेक लेंगे और श्रीलंका तथा पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट श्रृंखला में उनके सहायक जिम्मा संभालेंगे। श्रीलंका और भारत दौरे पर इंग्लैंड टीम के साथ रहे सिल्वरवुड ने कहा कि वह अगस्त में भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला से पहले तरोताजा रहना चाहते हैं और इसीलिए ब्रेक ले रहे हैं। उनकी गैर मौजूदगी में पॉल कोलिंगवुड और ग्राहम थोर्प जून जुलाई में श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए कोच का कार्यभार संभालेंगे। सिल्वरवुड ने कहा, अगर मैं शत प्रतिशत क्षमता के साथ काम नहीं कर सकता तो यह खिलाड़ियों और मेरे खुद के लिए ठीक नहीं होगा। थोर्प और कोली एक एक श्रृंखला संभाल लेंगे।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग: टला बेल्जियम-अर्जेंटीना का मैच

एजेंसी। लुसाने

दुनिया भर में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण लागू यात्रा प्रतिबंधों के कारण बेल्जियम और अर्जेंटीना के बीच 22 और 23 मई को खेले जाने वाले एफआईएच हॉकी प्रो लीग के मौचों को शनिवार को स्थगित कर दिया गया। अर्जेंटीना को नीदरलैंड होते हुए बेल्जियम जाना था। नीदरलैंड ने हालांकि यात्रा प्रतिबंध लगा दिया और अर्जेंटीना की टीम बेल्जियम पहुंचने का कोई और वैकल्पिक मार्ग (विमान) नहीं ढूंढ सकी।

वैश्विक हॉकी का संचालन करने वाली एफआईएच ने कहा, अर्जेंटीना को नीदरलैंड होते हुए बेल्जियम जाना था लेकिन दक्षिण अमेरिकी देशों में कोविड-19 महामारी के कारण नीदरलैंड में लागू मौजूदा अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों की वजह से यह नहीं हो सकेगा। उन्होंने बताया, दुर्भाग्य से दूसरे वैकल्पिक विमानों की तलाश करने के बाद भी इसका कोई हल नहीं निकाला जा सका। एफआईएच के साथ बेल्जियम और अर्जेंटीना के हॉकी राष्ट्रीय संघ इन मुकाबलों को बाद की तारीख में खेलने के लिए सभी संभावित विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। बेल्जियम की महिला राष्ट्रीय टीम अपने एफआईएच प्रो लीग मैचों को अमेरिका के खिलाफ एंटवर्प में खेलेगी।

लिसा ने वेदा मामले में बीसीसीआई की आलोचना की

एजेंसी। नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान लिसा स्टालेकर का मानना है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने परिवार के दो सदस्यों के निधन के बाद भी वेदा कृष्णमूर्ति से न तो कोई संपर्क किया न यह बताना सही समझा कि आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए इस शोकाकुल खिलाड़ी के नाम पर विचार नहीं किया जा रहा है। इस महीने की शुरुआत में मध्यक्रम की इस बल्लेबाज की बहन वत्सला शिवकुमार का कोरोना वायरस संक्रमण के कारण निधन हो गया था। इससे दो सप्ताह पहले उनकी इस खतरनाक वायरस के चपेट में आने से उनकी मां का भी निधन हो गया था।

अगले महीने इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय महिला टीम में वेदा को जगह नहीं दी गई है। आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) हॉल ऑफ फेम में शामिल स्टालेकर इस मामले से निपटने के तरीके पर बीसीसीआई के रवैए से खुश नहीं है। स्टालेकर ने ट्विटर पर लिखा, आगामी श्रृंखला के लिए वेदा का चयन नहीं करना उनके दृष्टिकोण से उचित हो सकता है, मुझे सबसे ज्यादा निराशा इस बात की है कि एक अनुबंधित खिलाड़ी के रूप में उनसे बीसीसीआई ने उनसे कोई संपर्क नहीं किया। बीसीसीआई ने यह भी पता नहीं किया कि वह मौजूदा स्थिति का सामना कैसे कर रही है। उन्होंने कहा, एक अच्छे संघ को खिलाड़ियों का बेहतर तरीके से ध्यान रखना चाहिए। उसे सिर्फ किसी भी कीमत पर मैच करने पर ध्यान नहीं देना चाहिए। यह काफी निराशाजनक है। बेंगलुरु की 28 साल की वेदा ने दो सप्ताह के अंदर मां और बहन को खोने के बाद भावुक श्रद्धांजलि दी थी। भारत के लिए 48 एकदिवसीय और 76 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली वेदा सोशल मीडिया के जारिए कोरोना वायरस से प्रभावित लोगों की मदद कर रही है। एकदिवसीय क्रिकेट में 1000 रन और 100 विकेट चटकाने वाली पहली महिला खिलाड़ी ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारतीय महिला टीम के लिए भी खिलाड़ियों का एक संघ (प्लेयर्स एसोसिएशन) बने। इस 41 साल की पूर्व दिग्गज ने कहा, एक पूर्व खिलाड़ी के तौर पर एसीए (ऑस्ट्रेलियाई किकेटर्स संघ) के हर दिन हम से संपर्क कर हमारे बारे में पूछता है। भारत में अगर खिलाड़ियों के संघ की जरूरत है तो उसका सही समय यही है। क्रिकेटर से कामेंटेटर बनी स्टालेकर ने कहा कि इस महामारी से दुनिया भर के खिलाड़ी प्रभावित हुए है।

भारतीय स्पिनरों का सामना करने के लिए विकेट पर दानेदार मिट्टी डालकर अभ्यास कर रह हैं कोंवे

आकलैंड। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कोंवे अगले महीने भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में रविचंद्रन अश्विन जैसे स्पिनरों का सामना करने के लिए विकेट पर दानेदार मिट्टी (किटी लिटर) डालकर अभ्यास कर रहे है। 29 वर्ष के कोंवे को दो जून से इंग्लैंड में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए न्यूजीलैंड की 20 सदस्यीय टीम में रखा गया है। साउथम्पटन में 18 जून से होने वाले फाइनल से पहले 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया जाएगा। कोंवे ने कहा कि वह गेंदबाज के पैरों के निशान से कठोर हो जाने वाली पिच पर पड़ने वाली स्पिन गेंदबाजी के अभ्यास के लिए विकेटों पर दानेदार मिट्टी डाल रहे हैं। उन्होंने कहा, यह कठोर होता है लेकिन अच्छा अभ्यास मिल रहा है।

जरेमी और अचिंता 18 को ताशकंद रवाना होंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

युवा ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारोत्तोलक जेरेमी लालरिनुंगा सहित दो सदस्यीय भारतीय टीम ताशकंद में 23 से 31 मई तक होने वाली विश्व जूनियर चैंपियनशिप में हिस्सा लेने मंगलवार को रवाना होगी। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) ने शनिवार को पुष्टि की कि उसने दो भारोत्तोलकों जेरेमी (67 किग्रा) और अचिंता स्युली (73 किग्रा) की यात्रा का इंतजाम किया है।

जूनियर विश्व चैंपियनशिप

आईडब्ल्यूएफ के सचिव सहदेव यादव ने एजेंसी से कहा, विमान के टिकटों की आज पुष्टि हुई। वे 18 मई की सुबह देश से रवाना होंगे। यादव ने कहा, उज्बेकिस्तान में पृथकवास की जरूरत नहीं है। उन्हें बस परीक्षण की नेगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू के साथ अमेरिका में मौजूद मुख्य कोच विजय शर्मा की गैरमौजूदगी में दो कोच प्रमोद शर्मा और विजय रोहिल्ला भारोत्तोलकों के साथ जाएंगे। ओलंपिक में जगह बनाने के दावेदार लालरिनुंगा के लिए यह महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है जिन्होंने पिछले महीने एशियाई चैंपियनशिप में लचर प्रदर्शन किया था। यह 18 वर्षीय भारोत्तोलक अपने रेटिंग अंक में इजाफा करके ओलंपिक कोटा हासिल करने का प्रयास कर रहा है।

टोक्यो में इतिहास रच सकती है भारतीय महिला हॉकी टीम

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत की पूर्व गोलकीपर हेलन मेरी का मानना है कि भारतीय महिला हॉकी टीम अपने खेल के कुछ पहलुओं पर काम करके टोक्यो ओलंपिक में शीर्ष तीन में स्थान हासिल कर सकती है। पिछले तीन से चार साल में भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है।

हेलन ने हॉकी इंडिया के पॉडकास्ट हॉकी ते चर्चा में कहा, अर्जेंटीना और जर्मनी में प्रदर्शन को देखते हुए मुझे लगता है कि हमारी टीम 90 प्रतिशत तैयार है और आने वाले कुछ समय में अपने खेल को और बेहतर कर सकते है।। मुझे यकीन है कि वे तोक्यो में इतिहास रच सकते हैं। टोक्यो में तिरंगे का परचम लहराएगा। उन्होंने कहा, अर्जेंटीना में जिस तरह से भारतीय टीम खेली, हालांकि दुनिया की दूसरे नंबर की टीम को नहीं हरा सकी लेकिन आत्मविश्वास देखने लायक था। मैंने भारतीय टीम को किसी टीम के खिलाफ उसके घरेलू मैदान पर ऐसे खेलते नहीं देखा। भारत के लिए 1992 से एक दशक से अधिक के अपने अंतरराष्ट्रीय कॅरियर में 2002 राष्ट्रमंडल खेल और 2004 एशिया कप में स्वर्ण जीतने वाली टीम का हिस्सा रही हेलन ने कहा कि अब काफी व्यवस्थित और वैज्ञानिक तरीके से तैयारी होती है। उन्होंने कहा, हमारे समय में और आज के समय में काफी फर्क है। अब वैज्ञानिक तरीके से सब कुछ होता है और टीम के पास बड़ा सहयोगी स्टाफ है। फिटनेस, खुराक और कार्यभार सभी पहलुओं का ध्यान रखा जाता है। हर रणनीति पहले से तय होती है।

रोम में नडाल ने ज्वेरेव को हराया

एजेंसी। रोम

रफेल नडाल ने अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ हार का सिलसिला तोड़ते हुए उसे इटालियन ओपन टेनिस क्वार्टर फाइनल में 6-3, 6-4 से हराया। ज्वेरेव ने एक सप्ताह पहले ही नडाल को मैड्रिड ओपन में सीधे सेटों में हराया था।

नडाल ने जीत के बाद कहा, मैं मैड्रिड ओपन की तुलना में बेहतर खेला। हालात भी अलग थे। अब उनका सामना अमेरिका के रीली ओपेलका से होगा जिसने अर्जेंटीना के क्वालीफायर फेडरिको डेलबोनिस को 7-5, 7-6 से हराकर पहली बार मास्टर्स सेमीफाइनल में जगह बनाई। नोवाक जोकोविच और स्टेफानोस सिटसिपास के बीच क्वार्टर फाइनल बारिश के कारण स्थगित करना पड़ा उस समय सिटसिपास 6-4, 2-1 से आगे थे। एक अन्य क्वार्टर फाइनल आंद्रेइ रूबलेव और लोरेंजो सोनेगो के बीच होगा। महिला वर्गमें शीर्ष वरीयता प्राप्त एशले बार्टी को कोको गॉ के खिलाफ मैच में 6-4, 2-1 से आगे रहने के बावजूद दाहिने हाथ में चोट के कारण कोर्ट छोड़ना पड़ा। गॉ का सामना सेमीफाइनल में फ्रेंच ओपन चैम्पियन इगा स्वियातेक या दो बार की रोम चैंपियन एलिना स्वितोलिना से होगा। 2019 की चैंपियन कैरोलिना प्लिसकोवा ने 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन एलेना ओस्टापेंको को 4-6, 7-5, 7-6 से हराया। अब उनका सामना पेट्रा मार्टिच से होगा।

ओलंपिक के आयोजन से दमदार संदेश जाएगा कि

हम कोविड से आगे निकल चुके हैं: बत्रा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने शनिवार को कहा कि कोरोना महामारी के बीच ओलंपिक के आयोजन का विरोध होगा, लेकिन टोक्यो में खेलों के आयोजन से मजबूत संदेश जाएगा कि हम इस भयावह हालात से आगे निकल चुके हैं। टोक्यो ओलंपिक पिछले साल कोरोना महामारी के कारण एक साल के लिए स्थगित कर दिए गए थे। आईओए अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य बत्रा ने उम्मीद जताई कि खेल 23 जुलाई से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित होंगे। उन्होंने एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहा, जिंदगी आगे बढ़ चुकी है और ओलंपिक के आयोजन से सख्त संदेश जाएगा कि हम कोरोना महामारी से आगे निकल चुके हैं।

बत्रा ने कहा, खेलों का विरोध तो होगा ही लेकिन अब जापान की आयोजन समिति और आईओसी को फैसला लेना है। उन्होंने कहा, जहां तक भारतीय खिलाड़ियों का सवाल है तो हम सारे जरूरी एहतियात बरत रहे हैं और अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। इससे एक दिन पहले ही जापान में ओलंपिक के आयोजन के विरोधियों ने याचिका डालकर खेलों को रद्द करने की मांग की। जापान में कोरोना महामारी की चौथी लहर चल रही है। जापान ने तीन और इलाकों में आपातकाल लागू कर दिया है। बत्रा ने यह भी आश्वासन दिया कि भारत से यात्रा पर लगे प्रतिबंध का ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों के भाग लेने पर असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, यह अस्थाई प्रतिबंध है जो कई देशों ने लागू किया है, लेकिन ओलंपिक का प्रोटोकॉल अलग होता है, जो सदस्य देशों को मानना ही होता है। उन्होंने कहा, मैं आश्वासन देता हूं कि ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भारतीय खिलाड़ियों को कोई परेशानी नहीं आएगी। आयोजन समिति और आईओसी ने इसकी गारंटी दी है। उनके लिए कोई प्रतिबंध नहीं होगा।

भारत कर रहा है सारे प्रोटोकॉल का पालन

उन्होंने कहा कि भारत सारे प्रोटोकॉल का पालन कर रहा है जिसमें ओलंपिक जाने वाले खिलाड़ियों का समय पर टीकाकरण शामिल है। उन्होंने कहा, हम टीकाकरण को लेकर आईओसी और आयोजन समिति के सारे प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं। अपने खिलाड़ियों की सुरक्षित यात्रा को लेकर सरकार से बात कर रहे हैं। हम एक तरफ की चार्टर्ड उड़ान की व्यवस्था की संभावना तलाश रहे हैं ताकि कोई किसी दूसरे के संपर्क में नहीं आए।

कोरोना के चलते कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव फिर अधर में

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आगामी 23 जून को चुनाव कराए जाने का कांग्रेस की बैठक में सुझाव दिया था, लेकिन सर्वसम्मति से उसे नकार दिया गया और स्पष्ट किया गया कि देश में जब कोरोना महामारी पर काबू पा लिया जाएगा, तब ही चुनावों के बारे में सोचा जाएगा। तब तक पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी इस पद पर बनी रहेगी।

सुभाष शर्मा
(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

मंथन

कांग्रेस पार्टी ने हाल ही के विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद कोरोना महामारी की आड़ में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव फिर से टाल दिया है। गौरतलब है कि पिछले एक वर्ष में यह तीसरी बार हो रहा है, जब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर आंतरिक चुनाव भी नहीं हो पा रहे है। हालांकि कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आगामी 23 जून को चुनाव कराए जाने का कांग्रेस की बैठक में सुझाव दिया था, लेकिन सर्वसम्मति से उसे नकार दिया गया और स्पष्ट किया गया कि देश में जब कोरोना महामारी पर काबू पा लिया जाएगा, तब ही चुनावों के बारे में सोचा जाएगा। तब तक पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी इस पद पर बनी रहेगी।

दरअसल, चुनावों में देरी इसलिए हो रही है, क्योंकि कांग्रेस अध्यक्ष पद पर गांधी परिवार से अलग किसी और को नेतृत्व सौंपे जाने पर आम राय नहीं है। कांग्रेस पार्टी के अनेक दिग्गज जिनकी संख्या 23 है, आज भी सोनिया समर्थकों से अलग राय रखते है। इन 23 नेताओं का नेतृत्व गुलाम नबी आजाद, कपिल सिब्बल जैसे नेता कर रहे है, जो लोकतांत्रिक तरीके से पार्टी का आंतरिक चुनाव कराने के पक्ष में है, लेकिन गांधी समर्थकों को डर है कि अगर ऐसा हुआ, तो कांग्रेस टूट जाएगी, क्योंकि ज्यादातर पुराने कांग्रेसी अब सोनिया और राहुल गांधी के अलावा यानी गांधी परिवार के बाहर के किसी नेता को नेतृत्व सौंपे जाने की मांग दबी जुबान में कई बार कर चुके है। कांग्रेस के बागी 23 नेताओं का कहना है कि कांग्रेस के अनेक नेता राहुल–सोनिया की नीतियों से नाराज होकर भाजपा का दामन थाम चुके है, उनमें से एक हिमंत बिस्व सरमा को तो भाजपा ने नई रणनीति के तहत असम का मुख्यमंत्री तक बना दिया है। भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर कांग्रेस के दिग्गज बागी नेताओं को संदेश देने का प्रयास किया है कि भाजपा में यह जरूरी नहीं कि यहां मुख्यमंत्री का पद संघ की बैकराउड वाले व्यक्ति या पुराने भाजपाई के लिए ही रिजर्व है। किसी भी पार्टी का कोई दिग्गज जिसमें नेतृत्व की क्षमता हो या वो जनता का नेता हो, उसे भी भाजपा हाईकमान मुख्यमंत्री पद पर बिठा सकती है, यह संकेत गुलाम नबी आजाद के लिए भी एक ऑफर है क्योंकि अगर वो भाजपा में शामिल होते है, जैसे कि कुछ महीनों पूर्व जब वो राज्यसभा से रिटायर्ड हुए थे, जो कयास लगाए जा रहे थे, अगर ऐसा होता तो उन्हें जम्मू कश्मीर की कमान सौंपी जा सकती है। इस प्रकार की कई और भी उदाहरण है, जिसमें कांग्रेस पार्टी के दिग्गजों को भाजपा में आने का आमंत्रण भेजा जा रहा है।

गांधी परिवार से जुड़े अनेक नेता जिनमें दिग्विजय सिंह भी एक है, राहुल गांधी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने का राग अलाप रहे है। मनीष तिवारी, रणदीप सुरजेवाला जैसे अनेक और नेता भी राहुल के भजन गा रहे है, जबकि बागी नेता गांधी परिवार के बाहर के नेता को अध्यक्ष बनाने की वकालत करते है। राजनीति के जानकारों का मानना है कि पिछले करीब दस सालों से कांग्रेस का संगठन बहुत कमजोर हुआ है, राष्ट्रीय अध्यक्ष न चुने जाने के चलते प्रदेश अध्यक्षों के भी चुनाव नहीं हो पा रहे क्योंकि जिलास्तर पर कांग्रेस का संगठन कही नजर ही नहीं आता। हरियाणा के ज्यादातर जिलों में कांग्रेस का जिलाध्यक्ष तक नहीं है। प्रदेशाध्यक्ष की कमान भी गांधी परिवार ने अपने करीबियों को सौंप रखी है। यही कारण है कि पिछले दस सालों में अनेक राज्यों में कांग्रेस का जनाधार रहा है और पार्टी कमजोर हुई है। पश्चिमी बंगाल में तो पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई, जो पार्टी के कमजोर नेतृत्व की ओर इशारा करता है। कुल मिलाकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का फिर से टलना पार्टी के भविष्य के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि चुनाव न हो पाने के चलते पार्टी का विभिन्न राज्यों में संगठन कमजोर हो रहा है और अगर ऐसा ही चलता रहा तो कांग्रेस पार्टी अपना बचा खुचा जनाधार भी गंवा लेगी और पार्टी के अनेक दिग्गज अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए भाजपा का दामन थाम सकते है क्योंकि अब भाजपा ने असम में कांग्रेस पृष्ठभूमि के नेता को मुख्यमंत्री बनाकर स्पष्ट संदेश दे दिया है कि अब कोई भी कांग्रेसी नेता अछूत नहीं है और भाजपा में आने पर मुख्यमंत्री के पद पर भी बैठ सकता है।

एनओसी को लेकर भटकती जनता

हरियाणा में जबसे लॉकडाउन लगा है, ज्यादातर सरकारी कार्यालयों में काम बंद है या नाममात्र का स्टाफ बिना कोई काम किए हाजरी लगाने आता है, ऐसा ही नजारा नगर निगम में भी देखा जा सकता है। दरअसल, हरियाणा सरकार ने इस सप्ताह आदेश जारी किए थे कि तहसीलों में रजिस्ट्रियां और अन्य कार्य शुरू कर दिए गए है। सैकड़ों लोगों ने जिन्होंने लॉकडाउन से पूर्व तहसीलों से रजिस्ट्रियां करवाने के लिए टोकन प्राप्त कर लिए थे, उनकी रजिस्ट्रियां नहीं हो पाई थी क्योंकि तहसील कार्यालय में कामबंद कर दिया गया था। अब राजस्व विभाग के मुखिया एवं डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने आदेश दे दिए है कि तहसीलों में रजिस्ट्री का कार्य शुरू कर दिया जाए। लोग मंगलवार से ही अपनी जमीन–जायदादों की रजिस्ट्रियां करवाने के लिए इधर–उधर भटक रहे हे क्योंकि तहसील तो खुल गई, लेकिन नगर निगम नहीं खुला इसलिए वहां से हाऊस टैक्स वगैरा की पैमेंट कर एनओसी प्राप्त नहीं हो रही क्योंकि नगर निगम में गृहकर कार्यालय में पैमेंट लेने वाला स्टाफ ही नहीं है और जब तक वहां से एनओसी नहीं मिलेगी, तहसीलों में रजिस्ट्रियां ही नहीं हो सकती।

गौरतलब है कि तहसीलों में शुरू किए गए नए साफ्टवेयर में तब तक रजिस्ट्री फीड नहीं होती, जब तक नगर निगम से एनओसी नहीं मिलती। इसके अलावा छोटे प्लाटों यानी बड़े प्लाटों का सब डिवीजन कर छोटे प्लाटों की रजिस्ट्रियां भी तब तक नहीं हो सकती, जब तक नगर निगम से इसकी वैद्यता का प्रमाण पत्र नहीं मिलता। ऐसा नहीं है कि ये समस्या केवल फरीदाबाद में है, बल्कि पूरे हरियाणा में इस वक्त तहसीलों के खुल जाने के बावजूद रजिस्ट्रियां नहीं हो पा रही है, जिन लोगों ने लॉकडाउन से पूर्व नगर निगम से एनओसी प्राप्त कर ली थी, केवल उन्हीं की रजिस्ट्रियां हो पा रही है। इसके अलावा हुडा विभाग भी पूरी तरह से बंद है, जिन लोगों ने हुडा के सेक्टरों में प्लाट खरीद या बिक्री करनी है, उन्हें भी इन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रॉपर्टी के कारोबार से जुड़े जानकारों का कहना है कि जिला उपायुक्त को तुरंत नगर निगम में स्टाफ बिठाकर वहां एनओसी जारी करने की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि रजिस्ट्रियां समय पर हो सके और राजस्व का भी नुकसान न हो, इसी प्रकार हुडा विभाग में भी कम स्टाफ के साथ जरूरी कार्य शुरू करवाने चाहिए ताकि सरकार ने जो तहसील कार्यालय खोलने के आदेश दिए है, वहां काम समय पर हो सके।

राजस्व घाटे को लेकर सरकार चिंतित

कोरोना महामारी के चलते प्रदेश में लगाए गए लॉकडाउन के कारण प्रदेश को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद हो जाने और अधिकतर उद्योगों में भी सीमित शिफ्ट में काम होने के कारण जीएसटी की मद में पिछले 15 दिनों में सरकार को करोड़ों का नुकसान हुआ है, जबकि दूसरी ओर कोरोना महामारी के बचाव को लेकर न केवल करोड़ों रुपये स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च हो रहे है, बल्कि बीपीएल परिवारों को नकद राशि और अतिरिक्त अनाज का भी वितरण करना पड़ रहा है। कोरोना अब शहरों के साथ–साथ प्रदेश के गांवों को भी अपनी चपेट में ले चुका है, जहां तेजी से कोरोना वायरस पैर पसार रहा है, जो सरकार के लिए अलग से चिंता का विषय है।

गौरतलब है कि सरकार को सबसे ज्यादा राजस्व की प्राप्ति स्टाम्प ड्यूटी की बिक्री से, शराब के ठेकों और जीएसटी से होती है, जबकि मौजूदा दौर में जीएसटी की वसूली एक तिहाई से भी कम होती नजर आ रही है। तहसील कार्यालयों में कार्यालय खुल जाने के बावजूद कई अन्य कारणों से रजिस्ट्रियां आदि न हो पाने से स्टाम्प ड्यूटी मद में आने वाला राजस्व भी तकरीबन बंद पड़ा है और तीसरा राजस्व प्राप्ति का सबसे बड़ा माध्यम शराब के ठेके और अहाते, बार वगैरा बंद पड़े है। अगले वर्ष के लिए हरियाणा सरकार ने नई पॉलिसी के तहत ठेकों की नई नीलामी न कर पुराने ठेकेदारों को दस प्रतिशत राशि बढ़ाकर 16 मई से नए ठेके जारी रखने का नियम बनाया था, जिसे ज्यादातर ठेकेदारों ने मान भी लिया था, लेकिन लॉकडाउन के चलते अभी तक सरकार ने ठेके खोले जाने की मंजूरी नहीं दी है, जिसका लाभ तस्कर और माफिया उठा रहे है। सूत्रों का दावा है कि शराब की फैक्ट्रियों से बिना एक्साइज चुकाए, हर रोज दर्जनों ट्रक शराब बाहर निकाली जा रही है, ऐसा नहीं है कि इस बात की जानकारी अधिकारियों या महकमे के मंत्री दुष्यंत चौटाला को नहीं है। प्रदेशभर में यह शराब महंगे दामों पर बाजार में उपलब्ध है। इस शराबबंदी का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि शराब खुलेआम पूरे प्रदेश में मिल रही है, लेकिन सरकारी खाते में कुछ नहीं जा रहा, जबकि शराब का इस्तेमाल करने वालों को दोगुने दाम चुकाने पड़ रहे है। चोरी के इस खेल में पूरा मुनाफा पुलिस, एक्साइज विभाग और संबंधित मंत्रालय की निगरानी में बंट रहा है। लोगों का कहना है कि जब राजस्व बचाने के लिए तहसीलों को खोल दिया गया है, तो फिर शराब के ठेकों को खोलने में क्या ऐतराज है कहीं ऐसा तो नहीं कि चोर–चोर मौसेरे भाई की तर्ज पर सभी पक्षों को लॉकडाउन में शराबबंदी करने में ज्यादा मजा आ रहा है।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका

राजयोगी ब्रह्मकुमार निकुंज जी कहते हैं, युवाओं को समाज की भलाई के लिए सद्भाव और शांति निर्माण की दिशा में काम करना चाहिए।

युवाओं का एक ऐसा महत्वपूर्ण व्यक्तित्व है कि वे कुछ नया करने की प्रबल इच्छा रखते हैं। वे बदलाव चाहते हैं, यथास्थिति नहीं। वे अतीत से बंधे नहीं होते हैं, इसके बजाय, उनमें नई चीजों को स्वीकार करने के प्रति खुलापन होता है।

आज एक सामान्य भावना है कि वर्तमान सामाजिक व्यवस्था में, युवा उन्नति एवं विकास के अवसरों से तथा साथ ही परिवार, राज्य और समाज के मामलों में भागीदारी से वंचित हैं। इसलिए, यह माना जाता है कि युवा दुखी, निराश और बेचौन हैं, यही कारण है कि वे हिंसक और विनाशकारी गतिविधियों में लिप्त हैं। युवाओं के संबंध में एक बात जो सर्वमान्य है कि वे सामान्यतया जीवन के प्रति ऊर्जा, सहनशक्ति, दृढ़ इच्छाशक्ति और उत्साह रखते हैं, लेकिन युवाओं की कुछ अन्य मूल्यवान विशेषताओं को, जो सामाजिक परिवर्तन का महान उपकरण हो सकती हैं, समाज द्वारा पूरी तरह से महसूस या उपयोग नहीं किया जाता है। जिसके परिणामस्वरूप वे भ्रमित और परेशान हो जाते हैं।

युवाओं का एक ऐसा महत्वपूर्ण व्यक्तित्व है कि वे कुछ नया करने की प्रबल इच्छा रखते हैं। वे बदलाव चाहते हैं, यथास्थिति नहीं। वे अतीत से बंधे नहीं होते हैं, इसके बजाय, उनमें नई चीजों को स्वीकार करने के प्रति खुलापन होता है। इसलिए, पुरानी पीढ़ी की तुलना में किसी भी प्रकार के परिवर्तन के लिए उन्हें ढालना आसान है क्योंकि उनमें नई चीजें सीखने की इच्छा होती है, और वे सामाजिक परिवर्तन को प्रभावित करने के लिए समस्य सभी प्रयास और बलिदान करने के लिए तैयार रहते हैं। सामान्य रूप से दुनिया के युवाओं की बात करें, तो यह कहा जा सकता है कि अब तक, वे पूरी तरह से या मुख्य रूप से इस बात पर निर्भर थे कि बुजुर्गों ने उनके लिए क्या निर्णय लिया है। यह वयस्क हैं जिन्होंने योजनाओं को तैयार करते आए हैं, नीतियां तय करते आए हैं और युवाओं और अन्य सभी लोगों के भविष्य के लिए लक्ष्य निर्धारित करते आए हैं, और युवाओं का काम केवल उन्हें लागू करना या उन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रयास करना रहा है। इसलिए, अपना भविष्य तय करने की प्रक्रिया में उनकी कोई भागीदारी नहीं होती थी। उनके पास स्वयं अपनी जिंदगी के लिए लक्ष्य निर्धारण के लिए बहुत कम अवसर थे, क्योंकि यह सोचा गया था कि युवा अभी तक अपरिपक्व और अनुभवहीन हैं और इसलिए, वे खुद के लिए निर्णय नहीं ले सकते ताकि अपने नजरिए को साकार कर सके। लेकिन अब स्थिति बदल गई है क्योंकि ज्ञान और प्रथाओं, जो प्रकट हो रही हैं, पूरी तरह से नई हैं। इसलिए नई शुरुआत करनी होगी। जो पुराना है उसे बंद करना होगा, अन्यथा, यह एक पूर्णतया नए को स्थापित होने की अनुमति नहीं देगा।

इसलिए, एक नई दुनिया या एक समाज का निर्माण किया जाना है, जिसमें पुरानी दुनिया के कोई भी ऐसे चिन्ह शेष नहीं रहने हैं, जिसमें जातिवाद की बदबू हो, सांप्रदायिकता का आलस, नस्लवाद का माद्दा, भौतिकवाद का अंधेरा, झूठ बोलने का गर्व हो, धन या खोखली विद्वता, मन की कुटिलता, व्यवहार में घोर स्वार्थ, शिष्टाचार में पाखंड और विचारों, वाचन या कर्मों में हिंसा और अनेक प्रकार के जुनून जो नैतिक मर्यादा और आध्यात्मिक दिवालियापन का संकेत देते हों।

शायद, बुजुर्गों को यह अधिक कठिन लगता है क्योंकि, पहली बात यह कि, उन्होंने जो कुछ भी बहुत बड़ी कीमतें चुकाकर सीखा है और खुद को पीड़ा दी है, वह उनके लिए मूल्यवान होगी, भले ही वास्तव में, यह उनके दिमाग पर एक बोझ है और इसलिए वे इसे पूरी तरह से उतार फेंकने के बजाय इसे बनाए रखना पसंद करते हैं। सोने के इन जंजीरों में, वे सोना देखेंगे, भले ही वो नकली हो, मगर जंजीरें नहीं है। और, यदि वे इन जंजीरों से खुद को मुक्त करने के लिए सहमत होते हैं, तो उन्हें इन्हें तोड़ने के लिए स्वयं बहुत अधिक मेहनत करनी होगी। उन्हें लग सकता है कि उनके पास ताकत और दृढ़ता की कमी है। फिर भी, अनेक ऐसे बूढ़े पुरुष और महिलाएं हो सकते हैं, जिनके पास युवा दिमाग हैं जो यह सब कर सकते हैं। तो, यह सभी की जिम्मेदारी होगी, लेकिन विशेष रूप से युवा लोगों की, कि वे अपनी धरती को अनेक प्रकार की नकारात्मकताओं और दासताओं से मुक्त दिलाएंगे, क्योंकि उनके पास तुलनात्मक रूप से ताजा दिमाग और कम मानसिक थकान और कम पूर्वाग्रह होते हैं।

वर्तमान में, यह माना जाता है कि युवा अनुशासनहीनता, हिंसा, संपत्ति को नष्ट करने और अपने माता–पिता व शिक्षकों की अवज्ञा के कार्यों में लिप्त हैं और नशे ले रहे हैं। उनकी यह आम छवि, जो पुरानी विश्व व्यवस्था से संबंधित है, अब नई छवि को सामने लाकर पूरी तरह से मिटानी होगी। वे बहुत ऊर्जावान, आत्म संयमित, अनुशासित, शारीरिक रूप से सुगठित, रचनात्मक और शांतिपूर्ण और मजबूत चरित्र के पुरुष और महिलाएं हैं, जो या तो पैसों की तंगी के कारण या सत्ता में बैठे लोगों द्वारा धमकी देने के कारण अपने धर्म के मार्ग से नहीं हटे हैं और समस्त विनम्रता में सेवा के अपने महान लक्ष्य के प्रति दृढ़ता से आगे बढ़े हैं। युवाओं की जिम्मेदारी है कि अब वे जागरूक हों कि राष्ट्र को उनसे बड़ी आशाएं हैं और उन्हें उन आशाओं को झुठलाना नहीं है। इन युवाओं का अब तक लंबे समय तक युद्ध में, पशु बल के रूप में या विभिन्न निहित स्वार्थों द्वारा प्रदर्शनों, हड़तालों और इस तरह के अन्य कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है, लेकिन अब उन्हें हिंसा, टकरावो और घृणा जैसे कामों के लिए खुद को इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। बल्कि, उन्हें समाज की भलाई के लिए सद्भाव और शांति निर्माण की दिशा में काम करना चाहिए।